22 वर्ष

घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 01-शनिवार 01- नवम्बर 2025,पृष्ठ - 16 मूल्य 4 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस एवं रजत महोत्सव

माननीय प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी जी

के कर-कमलों से

लगभग ₹14,300 करोड़

01 नवंबर 2025

राज्योत्सव स्थल

नवा रायपुर अटल नगर, छत्तीसगढ़

की सड़क, ऊर्जा, उद्योग, आवास, ग्रामीण और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी विकास परियोजनाओं का

शिलान्यास / उद्घाटन / लोकार्पण / राष्ट्र को समर्पण और शुभ गृहप्रवेश

शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय

₹52 करोड़

लोकार्पण

छत्तीसगढ़ के नवीन विधानसभा भवन

₹325 करोड़

गृह प्रवेश एवं किस्त जारी ₹1,200 करोड़

- PMAY-G के तहत बने 3.51 लाख आवासों का गृह प्रवेश एवं खुशियों की चाबी का वितरण
- 3 लाख लाभार्थियों को सहायता राशि की किस्त जारी

शिलान्यास ₹7,459 करोड़

- जांजगीर-चांपा और राजनांदगांव में नया स्मार्ट औद्योगिक क्षेत्र
- नवा रायपुर में फार्मास्युटिकल पार्क
- बिलासपुर के ग्राम कोनी और उसलापुर में कार्यरत महिला छात्रावास
- मनेंद्रगढ़, कबीरधाम, जांजगीर-चांपा और गीदम(दंतेवाड़ा) में शासकीय मेडिकल कॉलेज भवन
- बिलासपुर में शासकीय आयुर्वेद कॉलेज एवं चिकित्सालय भवन
- 3 राष्ट्रीय राजमार्ग-130D और पत्थलगांव-कुनकुरी- छत्तीसगढ़/झारखंड सीमा तक चार लेन ग्रीनफील्डराजमार्ग के निर्माण एवं उन्नयन कार्य
- कांकेर में 220 के.वी और बलौदाबाज़ार-भाटापारा में 132 के.वी के विद्युत उपकेंद्र
- आरडीएसएस योजना के तहत विद्युत आधारभूत संरचना का विकास कार्य

उद्घाटन ₹3,250 करोड़

- मुंगेली में 400, राजिम (गरियाबंद) और पाटन (दुर्ग) में 220, रायपुर, बेमेतरा, बिलासपुर और कोरिया में 132 के.वी. ईएचवी के कुल 7 उपकेंद्र
- बस्तर और सुकमा में 33 के.वी. उपकेंद्र
- 9 जिलों के 12 ब्लॉकों में स्टार्ट-अप ग्राम उद्यमिता कार्यक्रम
- छत्तीसगढ़ और ओडिशा खंड (489 किमी) नागपुर-झारसुगुड़ा पाइपलाइन - (GAIL)
- नया पेट्रोलियम ऑयल डिपो (HPCL)
- अंतर-क्षेत्रीय ईआर-डब्ल्यूआर इंटरकनेक्शन ट्रांसमिशन परियोजना (पावरग्रिड)

राष्ट्र को समर्पण ₹1,979 करोड़

- विभिन्न जिलों में नई 11 के.वी. और एल.टी. लाइन, ओवरलोडेड 11 के.वी. फीडर और ट्रांसफार्मर
- कंडक्टर को AB केबल में परिवर्तित करने के कार्य
- राष्ट्रीय राजमार्ग-130C मदांगमुड़ा–देवभोग–ओडिशा सीमा तक 2-लेन पेव्ड शोल्डर सड़क निर्माण कार्य

DD NEWS

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी न्यूज़ पर देखें

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

संवाद 45735/41

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

संपादकीय

साइबर ठगी का जाल

शायद ही कोई दिन ऐसा जाता होगा जब कोई बुजुर्ग या आम लोग साइबर ठगी के शिकार न हुए हों। पिछले दिनों महाराष्ट्र में एक सेवानिवृत्त जज भी डिजिटल अरेस्ट स्कैम के शिकार हो गए। पिछले सप्ताह ऐसा ही एक अन्य दुखद मामला पुणे से सामने आया जब साइबरों ठगों ने एक 82 वर्षीय सेवानिवृत्त अधिकारी को डिजिटल हाउस अरेस्ट स्कैम में फंसाकर 1.19 करोड़ लूट लिए। कई दिन के मानसिक उत्पीड़न व आर्थिक क्षति से टूट गए वृद्ध की आखिर सदमे से मौत हो गई। यह विचारणीय पहलू है कि कैसे पढ़े-लिखे लोग साइबर ठगों की साजिश की गिरफ्त में आ जाते हैं। वैसे आम आदमी को साइबर ठगों व फर्जी फोन कॉल्स से बचाने के लिये पुख्ता व्यवस्था होना बेहद जरूरी है। आम लोगों की सुविधा व सुरक्षा के लिये सरकार के प्रयासों के बाद अब दूरसंचार विभाग ने मार्च 2026 में ऐसी व्यवस्था लागू करने के तैयारी की, जिसमें बिना ट्रू-कॉलर के खुद मोबाइल अवांछित फोन के प्रति सजग करेगा। नियामक संस्था ट्राई ने इस प्रस्ताव पर सहमति जतायी है। यह विडंबना ही कि जैसे-जैसे नई तकनीक आम आदमी के जीवन में सुविधा लाती है,वहीं असामाजिक तत्व उसे लूट-खसोट का हथियार बनाने में आगे निकल जाते हैं। देश में इंटरनेट सेवाओं के विस्तार और मोबाइल फोन की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के साथ ही साइबर अपराधों में खासी तेजी आई है। जरा सी चूक होने पर लाखों लोग, साइबर धोखाधड़ी में अपने जीवनभर की पूंजी कुछ ही क्षणों में गवां देते हैं। अपराधियों का संजाल इतना विस्तृत व रहस्यमय है कि प्रवर्तन एजेंसियां जब तक उन तक पहुंचती हैं, पैसा विदेशों में ट्रांसफर हो जाता है। इस संकट का एक पहलू अनजान नंबरों से आने वाली फोन कॉल्स होती हैं,जिसके जरिये अपराधी लोगों को भ्रमित कर जीवन की जमा पूंजी लूट लेते हैं। दरअसल, संचार क्रांति के चलते तमाम सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हुई हैं,लेकिन इस सुविधा के साथ पुरानी पीढ़ी साम्य नहीं बैठा पाती है। अब इसी चुनौती को दूर करने के लिये दूरसंचार विभाग आम उपभोक्ता को ऐसी सुविधा देने जा रहा है,जिसमें फोन करने वाले को पहचाना जा सकेगा। फोन पर कॉल करने वाले व्यक्ति का नाम लिखा नजर आएगा। फिर व्यक्ति अपनी सुविधा अनुसार फोन कॉल्स लेना तय कर सकता है। दूरसंचार नियामक ट्राई की मंजूरी के बाद इस दिशा में तेजी से काम हो रहा है। हालांकि, फोन करने वाले व्यक्ति की जानकारी जुटाने के कई ऐप अभी भी मौजूद हैं,लेकिन उनका उपयोग कुछ ही लोग कर पाते हैं। वैसे ऐसा निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि ऐप द्वारा दी जाने वाली सूचना सटीक है। ऐसे में यदि दूरसंचार विभाग की कोशिश सिरे चढ़ती है तो इससे करोड़ों उपभोक्ताओं को सुरक्षा कवच मिल पाएगा।

पहले इस सुविधा का लेना मांग पर आधारित था,लेकिन बाद में तय किया गया कि यह सुविधा प्रत्येक मोबाइल उपयोगकर्ता को उपलब्ध करायी जाएगी। विश्वास किया जा रहा है कि अगले साल मार्च तक पूरे देश में यह सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। जानकारों का मानना है कि इस सुविधा से किसी सीमा तक मोबाइल के जरिये धोखाधड़ी करने वाले अपराधियों पर नकेल कसी जा सकेगी। मोबाइल उपयोगकर्ता की सजगता इसमें मददगार हो सकेगी। स्क्रीन पर अनजान नंबर व नाम देखने के बाद मोबाइलधारक फोन कॉल्स को उठाने से बच सकता है। वैसे इसके साथ ही देश में डिजिटल साक्षरता की दिशा में व्यापक पहल करने की जरूरत है। विभिन्न सूचना माध्यमों के जरिये लोगों को सजग-सतर्क किए जाने की आवश्यकता है। शहरों से लेकर ग्राम पंचायतों तक जनजागरण अभियान चलाकर लोगों को बताया जाना चाहिए कि बैंक, सीबीआई, कोर्ट या अन्य प्रवर्तन एजेंसियां कभी फोन करके उनके बैंक खाते या अन्य मामलों की जानकारी नहीं मांगती हैं। ऐसे फर्जी कॉल्स की प्रमाणिकता की पुष्टि करने के लिये हेल्पलाइन सुविधाओं में विस्तार करने की भी जरूरत है।

आज भी जारी है सत्ता की सियासत में परिवारवाद

कुमार कृष्णन

बिहार में सत्ता की सियासत में परिवारवाद का खेल जारी है। प्रदेश की कई पार्टियों ने अपने सगे संबंधियों को ही चुनावी मैदान में उतारा है। लगभग हर जिले में किसी न किसी बड़े सियासी घराने के बेटे, बेटी, दामाद, बहू या पत्नी चुनावी अखाड़े में हैं। गायघाट से गया, रोहतास से औरंगाबाद और समस्तीपुर से लेकर मुजफ्फरपुर तक, टिकट बंटवारे में पारिवारिक समीकरण देखे जा सकते हैं। बीजेपी, जेडीयू, राजद और रालोमो ने अपने परिवार वालों पर ही भरोसा जताया। किसी सांसद की पत्नी मैदान में हैं तो कहीं पूर्व मंत्री के बेटे को टिकट मिला। कहीं, दामाद से उम्मीदें हैं तो कहीं बहू और समधिन को प्रचारक बनाया। सारण के गरखा से चिराग ने अपने भांजे सीमांत मृणाल को मैदान में उतारा है। जिससे साफ होता है कि बिहार की राजनीति में वंशवाद सिर्फ परंपरा नहीं, बल्कि चुनावी रणनीति बन चुकी है। नेताओं के घरों से निकली नई पीढ़ी अब अपनी सियासी पहचान गढ़ने को तैयार है। गया की दस सीटों में चार हम (हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा) को मिलीं हैं। इन सभी पर जीतनराम मांझी ने परिवार या रिश्तेदारों को उतारा है। टिकारी से डॉ. अनिल कुमार और अतरी से उनके भतीजे रोमित कुमार उम्मीदवार हैं। बाराचट्टी से ज्योति देवी मांझी (समधिन) और इमामगंज से दीपा मांझी (पतोहु) मैदान में हैं। उधर, चेरिया बरियारपुर में जदयू ने पूर्व मंत्री मंजू वर्मा के बेटे अभिषेक आनंद को टिकट दिया, जबकि राजद ने पूर्व मुख्यमंत्री सतीश प्रसाद सिंह के बेटे सुशील सिंह कुशवाहा को उतारा। गायघाट से जदयू प्रत्याशी कोमल सिंह की मां वीणा देवी वैशाली से सांसद हैं?। पिता जदयू के एमएलसी हैं।उनके अलावा सकरा में जदयू विधायक अशोक चौधरी के बेटे आदित्य कुमार चुनावी मैदान में हैं। मीनापुर से जदयू ने पूर्व मंत्री दिनेश प्रसाद सिंह के बेटे अजय कुशवाहा को टिकट दिया। कुढ़नी से बबलू कुशवाहा ससुर बसावन भगत (पूर्व मंत्री) की परंपरा आगे बढ़ा रहे हैं। साहेबगंज में राजद ने पूर्व मंत्री राम विचार राय के दामाद पृथ्वीनाथ राय को उम्मीदवार बनाया। बरूराज से वीआईपी के ई. राकेश राय चुनाव मैदान में हैं, पिता शशि राय पांच बार विधायक रह चुके हैं।

सासाराम से स्नेहलता (उपेंद्र कुशवाहा की पत्नी) रालोमो प्रत्याशी हैं। दिनारा से आलोक सिंह (मंत्री संतोष सिंह के भाई) मैदान में हैं। औरंगाबाद से गोपाल सिंह के पुत्र त्रिविक्रम नारायण सिंह भाजपा प्रत्याशी हैं। करगहर में संतोष मिश्रा (पूर्व मंत्री गिरीश नारायण के पुत्र) कांग्रेस के उम्मीदवार बनाए गए हैं।नवीनगर से जदयू ने चेतन आनंद (आनंद मोहन और लवली आनंद के पुत्र) को मैदान में उतारा है। तरारी-बक्सर इलाके में पांडेय परिवार का क्षेत्र में प्रभाव है। तरारी से भाजपा विधायक विशाल प्रशांत (पूर्व जदयू विधायक सुनील पांडेय के पुत्र) फिर मैदान में हैं। उनके चाचा हुलास पांडेय बक्सर की ब्रह्मपुर सीट से लोजपा (आर) के प्रत्याशी हैं। शाहपुर से राकेश रंजन (दिवंगत भाजपा उपाध्यक्ष विश्वेश्वर ओझा के पुत्र) भाजपा प्रत्याशी हैं। जगदीशपुर से राम विष्णु सिंह लोहिया के बेटे किशोर कुणाल को टिकट मिला है। आधिकारिक वेबसाइटों, चुनावी हलफनामों और भारत के चुनाव आयोग की रिपोर्टों के आंकड़ों से पता चला है कि सभी राजनीतिक दल प्रथम परिवारों के प्रभाव में हैं। देश भर के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। आश्चर्य की बात नहीं है कि कांग्रेस, अपनी सिकुड़ती चुनावी उपस्थिति के बावजूद, इस सूची में शीर्ष पर है जिसके 33.25% सांसद, विधायक और विधान परिषद सदस्य राजनीतिक परिवारों से आते हैं।

देश का गौरव..... हरियाणा

इस समय देश के 28 राज्य तथा 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं! उन सब का अपना अपना महत्व है लेकिन हरियाणा राज्य की अपनी विशेषता के कारण यह और राज्यों के लिए रोल मॉडल का काम कर सकता है...

प्रोफेसर शाम लाल कौशल

हरियाणा राज्य की स्थापना पहली नवंबर, 1966 को हुई थी। इसी दिन कर्नाटक, छत्तीसगढ़, अलग से पंजाब,केरल,आंध्र प्रदेश,तमिलनाडु,हिमाचल प्रदेश,राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश की भी स्थापना हुई थी। हरियाणा का सही अर्थ है ईश्वर का निवास। हरियाणा हरिकेन से भी जाना जाता है। हरियाणा उत्तर भारत में स्थित एक छोटा परंतु महत्वपूर्ण राज्य है इसकी सीमाएं पंजाब,हिमाचल प्रदेश,उत्तर प्रदेश तथा राजस्थान के साथ लगती हैं। हरियाणा में रहने वाले अधिकांश लोग जाट है,इसके अलावा यहां पंजाबी,अहीर,सिख,जैन धर्म के लोग आदि भी रहते हैं। लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है जिसमें 70% लोग रोजगार प्राप्त करते हैं। यहां की आबादी का लगभग 90% लोग गांवों में रहते हैं। कहना ना होगा कि शाह आयोग की सिफारिश के आधार पर पंजाब के हिंदी भाषीय क्षेत्रों को अलग करके हरियाणा की स्थापना की गई थी। किसी समय पंजाब का हिस्सा रहे हरियाणा का विकास उपेक्षित रहा जिसकी वजह से राजनेताओं ने अलग हरियाणा राज्य की मांग की जो कि पहली नवंबर, 1966 को पूरी हो गई और अलग से हरियाणा राज्य अस्तित्व में आया। हरियाणा के पहले मुख्यमंत्री,पंडित भगवत दयाल शर्मा थे। हरियाणा की मुख्य राजनीतिक पार्टियां कांग्रेस, भाजपा, इंडियन नेशनल लोकदल, तथा जननायक जनता पार्टी, आम आदमी पार्टी आदि हैं।

हरियाणा की मुख्य फसलें गेहूं, चावल, गन्ना,कपास,ज्वार,बाजरा आदि हैं। हरियाणा खाद्यान्न तथा दुग्ध उत्पादन में नंबर वन है। सोनीपत, पानीपत, फरीदाबाद, गुरुग्राम, रोहतक ,झज्जर इस प्रदेश के मुख्य औद्योगिक केंद्र हैं जहां पर ट्रैक्टर, सर्जिकल कपास, मारुति कारें, जैव कोयला, स्टील फर्नीचर, सूती धागे, पीवीसी, हथकरघा, चावल मिलें आदि के उद्योग हैं। हरियाणा पेट्रोलियम उत्पाद इलेक्ट्रॉनिक का सामान आदि का निर्यात करता है। बेशक हरियाणा का क्षेत्रफल देश के क्षेत्रफल का 1.37 प्रतिशत है तथा जनसंख्या 2% है परंतु फिर भी देश की अर्थव्यवस्था में इसका प्रमुख स्थान है। खाद्यान्नों के मामले में हम न केवल आत्मनिर्भर हैं बल्कि केंद्रीय पूल मैं हमारी महत्वपूर्ण भूमिका है। हरियाणा प्रदेश को सेना में पीढ़ी दर पीढ़ी, परिवार दर परिवार जवान देश की रक्षा हेतु भेजने का भी गर्व है। हरियाणा का प्रादेशिक खेल कुश्ती है। इसके अलावा इस क्षेत्र के लोग मुक्केबाजी, एथलेटिक्स, हॉकी आदि में भी किसी से पीछे नहीं। अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतिस्पर्धा में हरियाणा का अग्रणी योगदान होता है। अभी-अभी संपन्न हुए एशियाड खेलों में भारत ने जो 107 मेडल जीते उनमें 33 मेडल तो अकेले हरियाणा ने ही जीते जिन में बेटों के मुकाबले में बेटियां बाजी मार गई। क्रिकेट के खेल में भी खिलाड़ियों की दिलचस्पी दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। हरियाणा में 75.55 प्रतिशत लोग पढ़े लिखे हैं जिनमें महिलाओं के मुकाबले में पुरुषों का प्रतिशत ज्यादा है। हरियाणा में 41 यूनिवर्सिटी हैं, जिनमें 13 सरकारी, 20 प्राइवेटऔर 6 डीम्ड है. चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार सबसे बड़ी यूनिवर्सिटी है! कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र तथा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक का उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है! रोहतक, खानपुर तथा झज्जर में चिकित्सा के लिए मेडिकल कॉलेज है। इसके अलावा हर जिले में एक सिविल हॉस्पिटल है तथा ग्रामीण क्षेत्र में प्रायमरी हेल्थ सेंटर है।

हरियाणा में बहुत सारे सूफी संत, महात्मा, मुनि हो चुके हैं। हरियाणा में तीर्थों का तीर्थराज कुरुक्षेत्र है जहां पर महाभारत के युद्ध के समय ज्योति सर में कृष्ण जी ने अर्जुन को गीता उपदेश दिया था। कुरुक्षेत्र के साथ ही पेहोवा में कार्तिकेय मंदिर है जहां पर लोग अपने पितरों के पिंडदान के लिए आते हैं। कुरुक्षेत्र में ब्रह्म सरोवर है जहां कुंभ स्नान करने से मुक्ति प्राप्त होने की बात कही जाती है, कुरुक्षेत्र में ही प्रसिद्ध बिरला मंदिर है, यहीं पर ही मारकंडे तीर्थ शाहाबाद, शिवजी से संबंधित सन्नहित तीर्थ, थानेसर, वाल्मीकि आश्रम थानेसर, स्कंद पुराण से संबंधित प्राचीन तीर्थ कुरुक्षेत्र गीता भवन, बाणगंगा कुरुक्षेत्र कालका देवी मंदिर, पंचकूला, भीमा देवी मंदिर पिंजोर, शीतला माता मंदिर, गुरुग्राम, सोना गुरुग्राम में गर्म पानी का चश्मा, भूतेश्वर मंदिर जींद, चंडी मंदिर, चंडीगढ़, अस्थल बोहर, रोहतक, पुंडरीक सरोवर ,कैथल, चामुंडा देवी मंदिर, नारनौल आदि अनेक तीर्थ स्थान है जहां जाकर मन को बहुत शांति मिलती है। हरियाणा में हिंदू, सिख, मुसलमान, नाथ संप्रदाय के अनुयाई आदि मिलजुल कर सौहार्द पूर्ण ढंग से मिलजुल कर रहते हैं। भारत में अनेकता में एकता की जो बात कही जाती है, हरियाणा उसकी जीती जाती मिसाल है। हरियाणा के लोग बहुत मेहनती, प्रशिक्षित,अनुभवी तथा बहादुर है। विदेशी आक्रांतों को रोकने के लिए पानीपत की तीन लड़ाइयां हो चुकी हैं,इतिहास इसका गवाह है। हरियाणा के बारे में कहावत मशहूर है...जहां दूध दही का खाणा, वही है हरियाणा। इस सारे के बावजूद भी हरियाणा के साथ सब कुछ ठीक-ठाक हो, ऐसा नहीं कहा जा सकता।

हरियाणा में बेरोजगारी, किसानों की समस्याएं, लड़कियों का कम उम्र में विवाह हो जाना,ऑनर किलिंग, पेयजल की समस्या, लिंग अनुपात का लड़कियों के खिलाफ जाना आदि समस्याएं हैं जिन्हें यथाशीघ्र हल किए जाने की जरूरत है। जितनी तेजी से हरियाणा ने पहली नवंबर को बने अन्य राज्यों के मुकाबले में सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक तथा चिकित्सा संबंधी विकास किया है, वह अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय होना चाहिए।

जानलेवा प्रदूषण,सरकारों की शर्मनाक नाकामी

ललित गर्ग

भारत की वायु में जहर घुल चुका है। हाल ही में चिकित्सा जनरल में प्रकाशित एक अध्ययन ने यह निष्कर्ष दिया है कि 2010 की तुलना में 2022 में हवा में जानलेवा साबित होने वाले पीएम 2.5 कणों की मात्रा 38 प्रतिशत बढ़ चुकी है। इस वृद्धि का परिणाम यह हुआ कि भारत में सत्रह लाख से अधिक लोगों की अकाल मृत्यु वायु प्रदूषण के कारण हुई। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि मानवता की उस सांस का हिसाब है जो हमारे शहरों, गांवों और जीवन से हर दिन छीनी जा रही है। प्रदूषण अब केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं रह गया है,यह हमारे विकास, अर्थव्यवस्था और सामाजिक न्याय के ढांचे पर गहरी चोट कर रहा है। यह भी सहज ही समझा जा सकता है कि 2022 की तुलना में अब वायु प्रदूषण ने और गंभीर रूप लेते हुए जानेलेवा हो गया है,क्योंकि बीते तीन वर्षों में इस समस्या के समाधान के लिए ठोस उपाय किए ही नहीं गए। इसका प्रमाण यह है कि इन दिनों दिल्ली समेत देश के अनेक शहर बुरी तरह प्रदूषण की चपेट में हैं। यह न केवल सरकार की शर्मनाक नाकामी है बल्कि भयावह और बेहद दर्दनाक भी है। 'द लेंसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ ऐंड क्लाइमेट चेंज 2025' रिपोर्ट केवल तथ्य नहीं, एक गंभीर चेतावनी है। लैंसेट की रिपोर्ट ही नहीं, अलग-अलग वर्षों में विभिन्न संस्थाओं के अध्ययनों ने भी कुछ इसी तरह के चिन्ताजनक आंकड़े पेश किए हैं। भारत की विशाल आबादी के कारण भी यह संख्या बड़ी हो सकती है,मगर यह समस्या गंभीर चिंतन और तत्काल निवारक कदम उठाए जाने की मांग करती है। भारत में प्रदूषण केवल औद्योगिक उत्पादन या वाहनों की बढ़ती संख्या से नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली, असंतुलित शहरीकरण और अनियोजित निर्माण से भी बढ़ रहा है। हर शहर में धूल, धुआं और अव्यवस्था की परतें जमी हैं। निर्माण स्थलों से उठने वाली धूल, खेतों में पराली जलाने की आदत, घरेलू ईंधनों का अंधाधुंध उपयोग और बढ़ते वाहनों की भीड़-ये सब मिलकर वातावरण को घुटनभरा एवं जानलेवा बना रहे हैं। हमारे शहर अब सांसों के शत्रु बन गए हैं। बढ़ते प्रदूषण की पीड़ा नीति-निर्धारकों से नहीं, उन लोगों से पूछिए, जो खांसते-खांसते बेदम हो जाते हैं और आखिरकार कई के फेफड़े-हृदय उनका साथ देना बंद कर देते हैं। विडंबना यह है कि इनमें से ज्यादातर उस गलती की सजा भुगतने को अभिशप्त हैं,जो उन्होंने नहीं की।

वायु में मौजूद सूक्ष्म कण अब हर सांस में जहर बनकर प्रवेश कर रहे हैं। इस प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता है। कोयला, पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधनों ने न केवल हवा को जहरीला बनाया है बल्कि हमारे अस्तित्व की नींव को भी कमजोर कर दिया है। इन स्रोतों से होने वाले उत्सर्जन के कारण लाखों लोग असमय काल के ग्रास बन रहे हैं, लेकिन ऊर्जा नीति में सुधार की गति अत्यंत धीमी है। सरकारें बार-बार स्वच्छ ऊर्जा की बात करती हैं, योजनाएं बनाती हैं,लक्ष्य घोषित करती हैं, पर उनका क्रियान्वयन न के बराबर होता है। सबसे गंभीर तथ्य यह है कि इस प्रदूषण के शिकार सबसे अधिक वे लोग हैं जो इसके निर्माता नहीं हैं। गरीब मजदूर, झुग्गियों में रहने वाले, बच्चे और बुजुर्ग-ये सभी उस वायु के दंश झेल रहे हैं जिसका लाभ अमीरों ने उठाया है। एक ताजा अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट के अनुसार,अमीर तबके का प्रदूषण में योगदान अत्यधिक है। पेरिस स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स की 'जलवायु असमानता रिपोर्ट 2025' बताती है कि विश्व के सबसे धनी लोग अपनी संपत्ति और निवेशों के माध्यम से जलवायु संकट को बढ़ा रहे हैं। वैश्विक कार्बन उत्सर्जन के 41 प्रतिशत के लिए निजी पूंजी जिम्मेदार है। इसका अर्थ यह हुआ कि प्रदूषण का असली निर्माता संपन्न वर्ग है, जबकि उसकी कीमत गरीब वर्ग अपनी सांसों और जीवन से चुका रहा है। यह असमानता केवल आय की नहीं, बल्कि पर्यावरणीय न्याय की भी है। अमीरों के पास बड़े वाहन हैं,विशाल भवन हैं, आलीशान जीवनशैली है, और वे जीवाश्म ईंधनों पर आधारित उद्योगों में निवेश करते हैं। दूसरी ओर, गरीबों के पास न तो स्वच्छ ऊर्जा है, न शुद्ध हवा। जो अमीर लोग निजी विमानों और विलासितापूर्ण संसाधनों का उपयोग करते हैं,वे एक सामान्य नागरिक की तुलना में सैकड़ों गुना अधिक प्रदूषण फैलाते हैं। यह असंतुलन हमारे समाज को विषमता और अन्याय की ओर धकेल रहा है।

सरकारों की नीतिगत विफलता इस त्रासदी का दूसरा बड़ा कारण है। प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए योजनाएं तो बनती हैं पर उनमें न तो स्थायित्व होता है, न गंभीरता। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं, निगरानी तंत्र कमजोर है, और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर कार्रवाई नगण्य है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच जिम्मेदारी का बंटवारा अस्पष्ट है। हर साल सर्दियों में दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य शहरों की हवा जहरीली हो जाती है, तब कुछ दिन के लिए 'आपात कदम' उठाए जाते हैं, पर जैसे ही धुंध छंटती है, सब कुछ फिर पहले जैसा हो जाता है। नीतियों में पारदर्शिता का अभाव और उद्योगपतियों का दबाव भी एक गहरी समस्या है। कोयला आधारित उद्योगों, पेट्रोलियम कंपनियों और निर्माण व्यवसाय से जुड़ी लॉबी सरकारों पर ऐसा प्रभाव बनाए रखती हैं कि कठोर कदम उठाना राजनीतिक दृष्टि से असुविधाजनक बन जाता है। स्वच्छ ऊर्जा की ओर संक्रमण को हमेशा 'महंगा विकल्प' बताकर टाला जाता है, जबकि वास्तव में यह निवेश मानव जीवन और पर्यावरण की सुरक्षा में है। वायु प्रदूषण का संकट केवल वातावरण में धूल और धुएं का मामला नहीं है, यह आर्थिक अन्याय, राजनीतिक असंवेदनशीलता और सामाजिक उदासीनता का प्रतीक बन चुका है। जो सरकारें जनजीवन सुधारने का वादा करती हैं, वे हवा की गुणवत्ता सुधारने में विफल रही हैं। आंकड़े बताते हैं कि वायु प्रदूषण से भारत की अर्थव्यवस्था को हर साल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग दस प्रतिशत तक का नुकसान हो रहा है। यह नुकसान केवल पैसों में नहीं, बल्कि मानव संसाधन की हानि, स्वास्थ्य पर बोझ और जीवन की गुणवत्ता में गिरावट के रूप में भी दिखाई देता है। अब समय है कि इस संकट को केवल पर्यावरणीय मुद्दा न मानकर एक सामाजिक और नैतिक चुनौती के रूप में देखा जाए। हवा का अधिकार हर नागरिक का मौलिक अधिकार है, लेकिन यह अधिकार धीरे-धीरे छिनता जा रहा है। अमीरों को अपनी जीवनशैली पर संयम लाना होगा, अपने निवेशों को स्वच्छ ऊर्जा की ओर मोड़ना होगा, और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों से दूरी बनानी होगी। सरकारों को सख्त नीति बनानी चाहिए, जो न केवल प्रदूषण फैलाने वालों को दंडित करे बल्कि स्वच्छ प्रौद्योगिकी अपनाने वालों को प्रोत्साहन दे।

नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। जब तक जनता स्वयं इस समस्या को अपने जीवन का हिस्सा मानकर आवाज नहीं उठाएगी, तब तक राजनीतिक इच्छाशक्ति जागृत नहीं होगी। हर व्यक्ति को यह समझना होगा कि प्रदूषण से बचाव केवल मास्क लगाने से नहीं होगा, बल्कि सोच और जीवनशैली बदलने से होगा। वायु प्रदूषण एक सामूहिक अपराध बन गया है जिसमें अपराधी कम और पीड़ित अधिक हैं। अब यह वक्त है जब विकास की परिभाषा में स्वच्छ हवा और सुरक्षित वातावरण को सबसे ऊपर रखा जाए। सरकारें यदि सचमुच राष्ट्र की समृद्धि चाहती हैं, नया भारत-विकसित भारत बनाना चाहती है तो उन्हें सांसों की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। अमीर तबके को भी यह समझना होगा कि जिस हवा को वे अपने निवेशों से दूषित कर रहे हैं, वह अंततः उन्हीं की अगली पीढ़ियों की सांसों को रोक देगी।

डॉ. मुश्ताक अहमद शाह

बुजुर्गों की सेवा करना कोई उपकार नहीं,बल्कि संस्कार हैं...

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस केवल एक स्मरण दिवस नहीं, बल्कि हमारे उस नैतिक दायित्व का प्रतीक है जो हमें अपने समाज के अनुभवी, त्यागमय और स्नेह से भरे बुजुर्गों के प्रति निभाना चाहिए। इस दिन का उद्देश्य न केवल वृद्धों के योगदान को स्वीकार करना है, बल्कि उस चेतना को भी जगाना है जो हमें यह समझाती है कि जीवन के हर पड़ाव का अपना मूल्य होता है। जिस पीढ़ी ने अपना युवा काल परिवार और समाज के निर्माण में समर्पित कर दिया, वही आज जीवन के उत्तरार्ध में सम्मान, सहानुभूति और गरिमा की अपेक्षा रखती है। दुर्भाग्य से आज की तेज़ रफ़्तार दुनिया में बुजुर्गों के प्रति सम्मान धीरे-धीरे औपचारिकता में बदलता जा रहा है। भौतिक सुविधाओं और तकनीकी प्रगति के इस युग में जब हर कोई अपने सपनों की दौड़ में व्यस्त है, तब बुजुर्गों का अकेलापन एक मौन सच्चाई बन गया है। एक समय था जब परिवारों की नींव उनके अनुभवों पर टिकी होती थी,आज वही अनुभव अक्सर अनसुनी सलाहों की तरह दरकिनार कर दिए जाते हैं। लेकिन यह भूल जाना हमारी सबसे बड़ी त्रुटि है कि वृद्धजन किसी भी समाज की जीवित विरासत होते हैं। उनकी कहानियाँ, उनका जीवन-संघर्ष, उनका स्नेह भरा मार्गदर्शन,ये सब वह ज्ञान-संपदा हैं जो नई पीढ़ी को दिशा देती हैं। जिन हाथों ने हमारे लिए जीवन की नींव रखी, वे हाथ जब उम्र के भार से कांपने लगते हैं,तब हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम उनके सहारे बनें। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस इस संवेदना को फिर से जीवित करने का अवसर है। यह हमें स्मरण कराता है कि बुजुर्गों की सेवा करना कोई उपकार नहीं, बल्कि संस्कार है। जब परिवार बुजुर्गों को केंद्र में रखकर अपने संबंधों की बुनियाद मजबूत करेंगे, तब ही समाज मानवता के असली अर्थ को समझ पाएगा। सरकार की योजनाएँ,पेंशन योजनाएँ, वृद्धाश्रम या स्वास्थ्य सुविधाएँ तभी सार्थक होंगी जब हम आम नागरिक इस जिम्मेदारी को भावनात्मक रूप से महसूस करेंगे। हमें ऐसा समाज बनाना होगा जहाँ वृद्ध न केवल सम्मानित हों बल्कि सक्रिय और आत्मनिर्भर जीवन जी सकें, जहाँ उनका अनुभव युवा पीढ़ी की ऊर्जा के साथ मिलकर एक सुदृढ़ सामाजिक संतुलन रचे। यह दिन हमें यह सोचने पर विवश करता है कि क्या हम अपने बुजुर्गों को वही स्नेह दे रहे हैं जो उन्होंने बचपन में हमें दिया था? क्या हम उनके अकेलेपन को पहचानते हैं या उसे समय की व्यस्तता कहकर टाल देते हैं? अब समय है कि हम अपने दृष्टिकोण को बदलें। किसी वृद्ध का हाथ थामना, उनकी बातें सुनना, उनके अनुभवों का सम्मान करना यही सच्ची श्रद्धांजलि है। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस हमें यही सिखाता है कि समाज तभी सभ्य कहलाएगा जब उसके सबसे वृद्ध सदस्य खुद को सम्मानित, सुरक्षित और आत्मीय महसूस करेंगे, क्योंकि जीवन के संध्या समय में उन्हें किसी आर्थिक सहायता से अधिक, आत्मीयता और अपनापन चाहिए होता है।

व्यवस्था के शहीद

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

रामभरोसे का नाम ही रामभरोसे नहीं था, उनका पूरा जीवन ही राम के भरोसे बीता था। उन्होंने अपनी पूरी ज़िंदगी ईमानदारी की पगडंडी पर चलकर गुज़ारी थी। जब लोग शॉर्टकट से हाईवे पर निकल जाते, तब भी रामभरोसे काका अपनी उसी पगडंडी पर संतुष्ट थे। उनका मानना था कि ईमानदारी की सूखी रोटी, बेईमानी के हलवे से कहीं ज़्यादा मीठी और सुकून देने वाली होती है। वह अपने बच्चों को भी यही सिखाते थे, बेटा,चाहे कुछ भी हो जाए, अपनी नीयत साफ़ रखना। ऊपरवाला सब देख रहा है।

एक दिन ऊपरवाले ने शायद दूरबीन लगाकर देख ही लिया। सरकार की वरिष्ठ नागरिक सम्मान योजना में रामभरोसे का नाम निकल आया। इनाम था पचास हज़ार रुपये! गाँव में खबर फैली तो ऐसा लगा मानो रामभरोसे ने कोई जंग जीत ली हो। लोग बधाइयाँ देने आने लगे। किसी ने कहा, देखा काका, आपकी ईमानदारी का फल मिल ही गया। रामभरोसे की बूढ़ी आँखों में उम्मीद की एक नई चमक तैर गई। उन्होंने सोचा, अब बेटे की पढ़ाई और बेटी के ब्याह की चिंता थोड़ी कम होगी। अगले दिन रामभरोसे फटी चप्पलें घिसटते हुए जिला मुख्यालय पहुँचे। सरकारी दफ़्तर में घुसते ही उन्हें लगा कि वह किसी और लोक में आ गए हैं। चारों तरफ फाइलों के ढेर, धूल और बाबुओं की ऊँघती हुई दुनिया। उन्होंने एक बाबू से डरते-डरते पूछा, जी, वो सम्मान योजना वाला इनाम...। बाबू ने बिना नज़र उठाए कहा, कमरा नंबर 42, बड़े बाबू से मिलो। रामभरोसे कमरा नंबर 42 पहुँचे। बड़े बाबू पान चबाते हुए किसी से फोन पर अपनी सास की बीमारी का ज़िक्र कर रहे थे। रामभरोसे ने इंतज़ार किया। जब फोन रखा गया तो उन्होंने अपना परिचय दिया। बड़े बाबू ने उन्हें ऊपर से नीचे तक देखा और एक लिस्ट थमा दी, ये सब कागज़ ले आओ, तब बात होगी।

उस लिस्ट में ऐसे-ऐसे प्रमाण-पत्रों के नाम थे, मानो रामभरोसे को अपनी ईमानदारी नहीं, बल्कि अपने अस्तित्व का सबूत देना हो। जीवित होने का प्रमाण-पत्र, चरित्र प्रमाण-पत्र, स्थाई निवासी प्रमाण-पत्र और न जाने क्या-क्या। रामभरोसे ने कहा, बाबूजी,मैं तो आपके सामने ज़िंदा खड़ा हूँ। बाबू हँसे, यहाँ आदमी नहीं, कागज़ बोलता है काका। जाओ, सब तैयार करवा कर लाओ। अब रामभरोसे का असली संघर्ष शुरू हुआ। कभी तहसील, कभी कचहरी। हर दफ़्तर में एक नया बाबू, और हर बाबू की अपनी अलग मांग। जीवित होने का प्रमाण-पत्र बनवाने गए तो वहाँ का क्लर्क बोला, आज साहब नहीं हैं, कल आना। कल गए तो पता चला साहब दौरे पर हैं। एक हफ़्ते बाद जब साहब मिले तो उन्होंने कहा, पहले सरपंच से लिखवाकर लाओ कि तुम वाकई ज़िंदा हो। इस दौड़कूप में महीने बीतने लगे। चप्पलों की तरह रामभरोसे की उम्मीदें भी घिसने लगी थीं। घर की जमापूंजी आने-जाने के किराए और चाय-पानी में ख़त्म हो रही थी। एक दिन एक छोटे बाबू ने उन पर तरस खाकर कहा, काका, ऐसे काम नहीं होगा। थोड़ा वज़न रख दो फाइल पर, तो फाइल दौड़ने लगेगी। रामभरोसे को इसका मतलब समझते देर न लगी, लेकिन अपनी साठ साल की ईमानदारी को वह यूँ ही कैसे दाँव पर लगा देते? उन्होंने मना कर दिया। अब उनकी फाइल और धीमी गति से चलने लगी। कभी एक मेज़ से दूसरी मेज़ पर पहुँचने में हफ़्ते लग जाते।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

22 वर्ष

घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

घटती घटना
जो कहीं और नहीं...वो यहाँ है ...!

घटती-घटना स्थापना विशेष

अम्बिकापुर,शनिवार 01 नवम्बर 2025

संस्थापक-संपादक का संदेश

हमारा संकल्प सूत्र... 'चरैवेति... चरैवेति...'

प्रिय पाठकगण,

1 नवम्बर 2003 यह वही दिन था जब जन-जागरण और सत्य की पत्रकारिता के संकल्प के साथ दैनिक घटती-घटना की नींव रखी गई,उस समय हमारे पास न कोई बड़ी टीम थी,न संसाधन बस था एक विश्वास,कि अगर हम सच्चाई के साथ खड़े रहेंगे,तो जनता हमारे साथ खड़ी होगी,आज जब यह अख़बार अपनी 21वीं वर्षगांठ मना रहा है,तो गर्व होता है कि हमने हर मुश्किल दौर में सत्य,साहस और जनहित के अपने मूल्यों को अक्षुण्ण रखा। हमने सत्ताओं से सवाल किए,जनसमस्याओं को आवाज़ दी,और आम जनता के मुद्दों को मुख्यधारा तक पहुँचाने का काम किया,इस 21 वर्षों की यात्रा में हर पाठक, शुभचिंतक और सहयोगी हमारे परिवार का हिस्सा रहा है,आप सबका विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है,मैं इस अवसर पर उन सभी पत्रकार साथियों,पाठकों,विज्ञापनदाताओं और शुभचिंतकों का आभार व्यक्त करता हूँ,संस्कृत की एक प्रसिद्ध उक्ति है...

विद्या विवादाय धनम् मदाय,शक्तिः परेषां परपीडनाय खलस्य।

अर्थात् दुष्ट व्यक्ति के पास यदि ज्ञान हो तो वह विवाद करता है,धन हो तो अहंकार करता है और शक्ति मिले तो दूसरों को पीड़ा पहुँचाता है,विगत दिनों घटती-घटना परिवार के साथ जो घटनाक्रम घटित हुआ,उसे देखते हुए यह कथन सौ प्रतिशत सत्य प्रतीत होता है,पिछले 21 वर्षों से दैनिक घटती-घटना ने सरगुजा अंचल में सत्य की मशाल जलाए रखी है,यह केवल समाचार नहीं देता,बल्कि समाज का वास्तविक प्रतिबिंब प्रस्तुत करता है सत्ता और समाज दोनों का दर्पण बनकर,हमने सदा निरपेक्ष होकर जनहित के मुद्दों को उठाया है,सत्ता की नीतियों पर प्रश्न किए हैं,और उसी के परिणामस्वरूप कई बार असंतोष,विरोध और संकट का सामना भी किया है।

''प्रभुता पायी काही मद नाही''...जब किसी के हाथ में सत्ता आती है,तो अक्सर वह आत्मकेंद्रित हो जाता है,उसे अपने पतन का भय सताने लगता है,और उसी भय में वह ऐसे निर्णय ले बैठता है जो अंततः उसके ही लिए घातक सिद्ध होते हैं,हमारी युवा टीम ने सदैव जनपक्षीय दृष्टिकोण से कार्य किया है,इसी कारण,सत्ता पक्ष को हमारी निष्पक्ष लेखनी से पीड़ा पहुँची, और उसके अस्तित्व को चुनौती देने के प्रयास हुए,लेकिन सत्य की विजय सदा होती है सत्यमेव जयते। आज यह परिवार सुरक्षित है,सशक्त है,और अपने मौलिक उद्देश्य ''जनहित में निर्भीक पत्रकारिता''पर दृढ़ता से अग्रसर है। आधुनिक राजव्यवस्था का मूल आधार जनकल्याण और जनसमर्थन है,व्यक्तिगत लाभ के स्थान पर जनहित सर्वोपरि होना चाहिए,इस संतुलन को बनाए रखने की जिम्मेदारी पत्रकारिता पर ही आती है,पत्रकार सत्ता और समाज के बीच सेतु का कार्य करता है जो देखता भी है,समझता भी है,और समाज के समक्ष सच्चाई को निर्भीकता से रखता है,घटती-घटना की यह यात्रा केवल एक अख़बार की कहानी नहीं,बल्कि एक संकल्प की गाथा है...संस्थापक-संपादक की कोई पारिवारिक पत्रकारिता पृष्ठभूमि नहीं रही,आर्थिक संसाधन सीमित रहे, परंतु संस्कारों और सत्य के प्रति समर्पण ने यह मार्ग प्रशस्त किया, कानून के विद्यार्थी के रूप में वैधानिकता के प्रति सजग रहकर,हमने समाज सेवा के मार्ग पर कदम बढ़ाया,पाठकों,विज्ञापनदाताओं,और शुभचिंतकों का स्नेह इस यात्रा का सबसे बड़ा आधार रहा है,और हमें विश्वास है कि यह सहयोग भविष्य में भी बना रहेगा, 22वें वर्ष में प्रवेश की इस पावन बेला पर,हम साहित्यकारों,कलाकारों,समीक्षकों और अपने सभी सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं,जिन्होंने घटती-घटना की यश-वृद्धि में योगदान दिया,शासन और प्रशासन से भी अपेक्षा है कि वे सच को सच और गलत को गलत मानने का साहस दिखाएँ,क्योंकि निर्णय अंततः सत्य के पक्ष में ही होता है।

अंततः हम उसी संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं –'चरैवेति... चरैवेति...' अर्थात् – चलते रहो,सत्य के मार्ग पर,अडिग रहो...।

सादर-**अविनाश कुमार सिंह**
संस्थापक-संपादक-दैनिक घटती-घटना

22 वर्ष सत्य की राह पर

जनजागरण की लौ जो 21 वर्षों से जल रही है...

कठिनाइयों के बीच संकल्प और सत्य की राह पर घटती-घटना

'21 साल बेमिसाल' संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

संपादकीय लेख

01 नवम्बर 2003 को 'जनजागृति का संकल्प' लेकर आरंभ हुआ दैनिक घटती-घटना आज अपने गौरवमयी 21 वर्ष की यात्रा पूरी कर रहा है। सीमित संसाधनों में भी यह अखबार जनहित की आवाज़ बनकर उभरा है। न सत्ता की चमक से प्रभावित,न बाजार की चमक-दमक से, घटती-घटना ने हमेशा सच्चाई और निष्पक्षता की राह चुनी। हमारे लिए यह केवल एक समाचार-पत्र नहीं,बल्कि 'जनता के मन की आवाज़' है। इस यात्रा में हमने अनेक चुनौतियां देखीं,पर हर कठिनाई ने हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया। संयोग यह है कि दैनिक घटती-घटना अखबार समूह का स्थापना दिवस और भारत के 26 वें राज्य छत्तीसगढ़ का स्थापना दिवस एक ही दिन 1 नवम्बर को मनाया जाता है,जहां छत्तीसगढ़ राज्य अपने 25 वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है,वहीं दैनिक घटती-घटना भी अपने गौरवपूर्ण 22वें वर्ष में कदम रख रहा है।

पत्रकारिता जगत से प्रतिक्रिया

21 वर्षों तक निष्पक्ष और जनहित की पत्रकारिता निभाना आसान नहीं,दैनिक घटती-घटना ने यह कर दिखाया है।

अनंगपाल दीक्षित,वरिष्ठ पत्रकार,अंबिकापुर

छत्तीसगढ़ की क्षेत्रीय पत्रकारिता में घटती-घटना ने भरोसे की नई मिसाल कायम की है।

विजय त्रिपाठी,संपादक, दैनिक जशपुरांचल

शुभचिंतक एवं बुद्धिजीवी वर्ग

सत्य,साहस और सरोकार का संगम है घटती-घटना, इसे 22 वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं।

– राजेंद्र सिंह सेवानिवृत शिक्षक पाठक, कोरिया

जनता के सरोकारों को सत्ता तक पहुँचाने में यह अख़बार लगातार अग्रणी रहा है, यही उसकी असली ताकत है।

डी.के. सोनी,आरटीआई कार्यकर्ता एवं समाजसेवी

पाठकों का भावनात्मक संदेश

हमने घटती-घटना के साथ ही सच्ची ख़बरें पढ़नी सीखी हैं,यह अख़बार अब घर का हिस्सा बन चुका है।

आकाश सर्राफ व्यवसायी,अंबिकापुर

21 साल की यात्रा सिर्फ़ अख़बार की नहीं,हमारे विश्वास की कहानी है।

रविन्द्र तिवारी व्यवसायी, अंबिकापुर,सरगुजा

दैनिक घटती-घटना परिवार को 22 वें वर्षगांठ की हार्दिक बधाई,यह समाचार-पत्र उनके लिए एक विश्वासपात्र है जो आज की व्यवस्था में कहीं न कहीं किसी न किसी रूप में परेशान हैं,दैनिक घटती-घटना वह समाचार-पत्र है जिसका हर सुबह उस बेसब्री से लोगों को इंतजार रहता है जिस बेसब्री से तब सभी समाचार पत्रों का लोगों को इंतजार रहता था जब इलेक्ट्रॉनिक युग नहीं था,यह विश्वास कायम करना ही इस पत्र की उपलब्धि और जनसरोकारिता है।

रूपेश कुमार सिंह,कोरिया

जनता की आवाज

दैनिक घटती-घटना ने हमेशा हमारी समस्याओं को मुखरता से उठाया, यह सिर्फ़ एक अख़बार नहीं,बल्कि जनता की सच्ची आवाज़ है।

बीडी लाल,सेवानिवृत शिक्षक अम्बिकापुर,सरगुजा

गांवों की सड़कों से लेकर मंत्रालय तक जहाँ भी सच्चाई दबी, घटती-घटना ने उसे उजागर किया।

आशिष जायसवाल,शिक्षक,

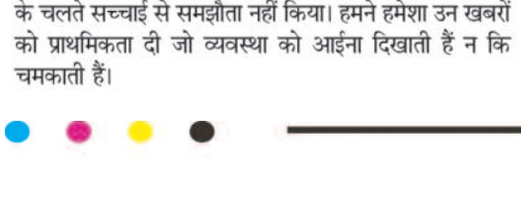

घटती-घटना परिवार की ओर से हार्दिक आभार

हम अपने प्रिय पाठकों,विज्ञापनदाताओं,सहयोगियों और शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं,जिन्होंने इस अख़बार को आज के मुकाम तक पहुँचाया। 'आपका विश्वास ही हमारी असली पूंजी है।'

जनजागृति के संकल्प से लेकर जनपक्षीय संघर्ष तक...

1 नवम्बर 2003 को जन जागृति का संकल्प लेकर प्रारंभ हुआ दैनिक घटती-घटना आज भी उसी भावना के साथ समाज की सच्चाई को सामने लाने का कार्य कर रहा है। इन 22 वर्षों की यात्रा में अखबार ने न सत्ता से समझौता किया,न ही बाजार से बल्कि सच्चाई की राह पर डटे रहकर जनहित के पक्ष में आवाज उठाई। आज जब समाचार जगत में डिजिटल मीडिया और सनसनी के दौर ने पत्रकारिता को चुनौती दी है, वहीं घटती-घटना ने सीमित संसाधनों के बावजूद विश्वास की मिसाल कायम की है।

ईमानदारी के तराजू पर सच्चाई का संतुलन

हमारा उद्देश्य कभी 'प्रभाव' नहीं रहा बल्कि 'प्रभावशाली सच्चाई' रहा है। दैनिक घटती-घटना ने हमेशा लोकोन्मुखी पत्रकारिता को ही अपना धर्म माना। हमने वही लिखा जो जनता के हित में था,भले ही वह सत्ताधारियों को असुविधाजनक क्यों न लगे। 'हमारी पत्रकारिता आलोचक भी है, और लोकहित की प्रहरी भी।'

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की सच्ची जिम्मेदारी

दैनिक घटती-घटना ने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में अपनी भूमिका पूरी निष्ठा से निभाई है। कभी भी लाभ, विज्ञापन या दबाव के चलते सच्चाई से समझौता नहीं किया। हमने हमेशा उन खबरों को प्राथमिकता दी जो व्यवस्था को आईना दिखाती हैं न कि चमकाती हैं।

कठिनाइयों के बीच संकल्प और सत्य की राह पर दैनिक घटती-घटना का सफर चुनौतियों से भरा रहा

समाचार पत्र ने कभी सत्य का साथ नहीं छोड़ा,अनेक बार डराया गया,दबाया गया, कुचलने का प्रयास हुआ पर घटती-घटना अपनी अडिगता और निष्ठा के साथ अडिग रही। आज इसका परिणाम यह है कि पाठकों के हृदय में दैनिक घटती-घटना के प्रति गहरा विश्वास है,पाठक जानते हैं कि यह अख़बार हमेशा सत्य के पक्ष में खड़ा रहेगा और हर प्रकाशन योग्य तथ्य को बिना भय और दबाव के प्रकाशित करेगा,सत्य की राह कठिन है यह जानकर भी अख़बार ने अपना कर्तव्य नहीं छोड़ा, कभी कानूनी चुनौतियाँ मिलीं,कभी प्रशासनिक नोटिस आए पर यह सब घटती-घटना की खबर को नहीं रोक सके,इतना ही नहीं,एक समय तो ऐसा भी आया जब समाचार-पत्र के कार्यालय को जेसीबी से जमींदोज करने का प्रयास किया गया फिर भी अख़बार न झुका,न रुका...यह संघर्ष केवल एक संस्था का नहीं,बल्कि पत्रकारिता के उस सिद्धांत का प्रतीक है जिसमें सत्य और जनहित सर्वोपरि हैं,सैकड़ों वैधानिक व प्रशासनिक नोटिसों के बावजूद,अख़बार ने जन-आवाज को मुखरता से प्रकाशित किया,कई बार प्रयास हुआ कि खबरों को गलत ठहराया जाए,पर सत्य के प्रति निष्ठा ने अखबार को और मज़बूत बना दिया।

संस्थापक-संपादक का संदेश

हमारी नीतियों में पारदर्शिता और प्रवृत्ति में इंसानियत की झलक है...

जब तक सच्चाई है, तब तक घटती-घटना की कलम चलती रहेगी...

घटती-घटना को सिर्फ ईमानदारी के तराजू पर परखने की जन्म घुट्टी मिली है...

समाज की सेवा ही हमारा सबसे बड़ा पुरस्कार है...

हम हर उस आवाज़ को स्थान देते रहेंगे जो समाज को जोड़ती है,तोड़ती नहीं...

हमारी यात्रा के मील के पत्थर

2003: घटती-घटना का शुभारंभ – 'जनजागृति का संकल्प'

2008: जिले के सबसे अधिक पढ़े जाने वाले अखबारों में शामिल

2015: डिजिटल प्लेटफॉर्म 'जी.जी. न्यूज़' का शुभारंभ

2020: ग्रामीण पत्रकारिता में पारदर्शिता व मानवता पर केंद्रित रिपोर्टिंग के लिए सम्मानित

2025: 21 वर्षों का गौरवपूर्ण सफर

गांव से शहर तक, लोगों का भरोसा,लोगों की आवाज

हमारे अखबार और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म जी.जी. न्यूज़ को गांव-गांव से लेकर शहरों के दफ्तरों,दुकानों और घरों में समान रूप से सराहा गया है। हम अश्लीलता, सनसनी और द्वेष से दूर रहते हुए सकारात्मक व जिम्मेदार पत्रकारिता के प्रति वचनबद्ध हैं। इसी कारण, पाठक आज भी हर सुबह 'घटती-घटना' का इंतजार करते हैं–क्योंकि उन्हें पता है,यह अखबार वही दिखाता है जो सच है।

आपका विश्वास...हमारी पूंजी...

हम अपने सभी पाठकों, ग्राहकों,विज्ञापनदाताओं, सहयोगियों और शुभचिंतकों का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। आपका समर्थन ही हमारी प्रेरणा है। हम यह संकल्प लेते हैं कि आने वाले वर्षों में भी घटती-घटना अपने नाम की तरह घटनाओं की सच्चाई घटती नहीं, बढ़ती रहेगी।

घटती-घटना परिवार आमंत्रित करता है...

यदि आपके आसपास कोई साहित्यकार,पत्रकार, रचनाकार या सामाजिक कार्यकर्ता हैं जो घर बैठे समाज की सच्चाई को आवाज देना चाहते हैं तो दैनिक घटती-घटना परिवार आपको ससम्मान आमंत्रित करता है, हमारे साथ जुड़ें क्योंकि सच्चाई की यह यात्रा सबकी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की 182 फीट ऊंची प्रतिमा पर की पुष्पांजलि

पटेल चाहते थे पूरा कश्मीर हमारा हो,नेहरू ने बांटा जो अंग्रेज नहीं कर पाए कांग्रेस ने किया : पीएम मोदी

वडोदरा,31 अक्टूबर 2025। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के मौके पर गुजरात पहुंचे। उन्होंने नर्मदा जिले के एकता नगर में सरदार पटेल की 182 मीटर ऊंची प्रतिमा (स्टेच्यू ऑफ यूनिटी) पर पुष्पांजलि अर्पित की। एकता नगर में राष्ट्रीय एकता दिवस परेड का आयोजन हुआ। पीएम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सरदार पटेल पूरे कश्मीर को भारत में मिलाना चाहते थे, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने ऐसा नहीं होने दिया। कश्मीर को अलग संविधान से बांट दिया। कांग्रेस की गलती की आग में देश दशकों तक जलता रहा। मोदी ने कहा कि कांग्रेस को न केवल अपनी पार्टी और सत्ता, बल्कि गुलाम मानसिकता अंग्रेजों से विरासत में मिली है। जब अंग्रेजों ने 1905 में बंगाल का विभाजन किया, तो वंदे मातरम् राष्ट्र की एकता और एकजुटता की आवाज बना। अंग्रेजों ने वंदे मातरम् पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की, लेकिन कभी सफल नहीं हुए। मोदी ने कहा कि जो काम अंग्रेज नहीं कर पाए, वह कांग्रेस ने कर दिया। कांग्रेस ने धार्मिक आधार पर वंदे मातरम् के एक हिस्से को हटा दिया। इसका मतलब है कि कांग्रेस ने समाज को विभाजित किया और ब्रिटिश एजेंडे को आगे बढ़ाया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस को न केवल अपनी पार्टी और सत्ता अंग्रेजों से विरासत में मिली,बल्कि गुलाम मानसिकता को भी आत्मसात किया। कुछ ही दिनों में वंदे मातरम् अपनी 150वीं वर्षगांठ मनाई जाएगी। जब अंग्रेजों ने 1905 में बंगाल का विभाजन किया, तो इसके विरोध में वंदे मातरम् नागरिकों की आवाज बना। मोदी ने कहा कि अंग्रेजों ने वंदे मातरम् बोलने पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की। वे कभी सफल नहीं हुए। वंदे मातरम् का मंत्र भारत के हर कोने में गूंजता रहा। जो काम अंग्रेज करने में विफल रहे, कांग्रेस ने हासिल किया।

सरदार पटेल इतिहास लिखने नहीं,रचने में भरोसा करते थे...

पीएम मोदी ने कहा कि सरदार पटेल का मानना था कि हमें इतिहास लिखने में समय बर्बाद नहीं करना चाहिए, बल्कि इतिहास रचने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। उनकी जीवनी में यही भावना झलकती है। सरदार पटेल ने जो फैसले लिए,उन्होंने इतिहास रच दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पटेल ने आजादी के बाद 550 से ज्यादा रियासतों को एक करने के असंभव से लगने वाले काम को संभव बनाया। एक भारत,एक श्रेष्ठ भारत का विचार उनके लिए सर्वोपरि था। सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर इस एकता नगर में आज करोड़ों लोगों ने एकता की शपथ ली है। मोदी ने आगे कहा कि हमने संकल्प लिया है कि हम राष्ट्र की एकता को मजबूत करने वाले कार्यों को बढ़ावा देंगे। प्रत्येक नागरिक को ऐसे हर विचार या कार्य का त्याग करना चाहिए,जो हमारे राष्ट्र की एकता को कमजोर करता हो। यह हमारे देश के लिए समय की मांग है।

देश को नक्सलवाद,माओवाद और आतंकवाद मुक्त करेंगे...

पीएम ने कहा कि यह लौह पुरुष सरदार का भारत है। हमने वैचारिक लड़ाई भी जीती,और नक्सलियों के घर में जाकर उनसे मुकाबला भी किया। उसका परिणाम आज देश के सामने है। 2014 के पहले देश के करीब सवा सौ जिले माओवादी आतंक की चपेट में थे। आज ये संख्या 11 बची है। उसमें भी 3 जिलों में ही नक्सलवाद गंभीर रूप से हावी है। आज इस धरती से पूरे देश को भरोसा दिलाता हूं कि जब तक देश नक्सलवाद,माओवाद और आतंकवाद से पूरी तरह मुक्त नहीं हो जाता,हम रुकने वाले नहीं हैं। चैन से बैठने वाले नहीं हैं।

देश की एकता और सुरक्षा घुसपैठियों के कारण खतरे में पड़ी

पीएम मोदी ने कहा कि आज,हमारे देश की एकता और आंतरिक सुरक्षा घुसपैठियों के कारण गंभीर खतरे का सामना कर रही है। दशकों से, विदेशी घुसपैठिए हमारे देश में घुस रहे हैं, इसके संसाधनों का दोहन कर रहे हैं और इसके जनसांख्यिकीय संतुलन को बिगाड़ रहे हैं। मोदी ने आगे कहा- दुर्भाग्य से, पिछली सरकारों ने इस गंभीर समस्या की अनदेखी की और इस समस्या से आंखें मूंद लीं। पुरानी सरकारें वोट बैंक की राजनीति के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालती रहीं। पहली बार,देश ने इस चुनौती का सीधा सामना करने और अपनी अखंडता की रक्षा के लिए एक दृढ़ और निर्णायक रुख अपनाया है।

पीएम ने राष्ट्रीय एकता दिवस परेड की सलामी ली...

पीएम मोदी ने संबोधन से पहले राष्ट्रीय एकता दिवस परेड की सलामी ली। परेड में शामिल सभी टुकड़ियों का नेतृत्व महिला अफसरों ने किया। परेड में बीएसएफ, सीआईएसएफ,आईटीबीपी, सीएरपीएफ और सीमा सुरक्षा बल समेत 16 टुकड़ियों ने हिस्सा लिया।

पूर्व क्रिकेटर अज़हरुद्दीन ने तेलंगाना सरकार में मंत्री पद की शपथ ली...

हैदराबाद,31 अक्टूबर 2025। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान व पूर्व सांसद अज़हरुद्दीन ने आज तेलंगाना की रेवंथ रेड्डी की सरकार के मंत्री पद की शपथ ली। राजभवन में एक समारोह में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने उन्हें पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए अज़हरुद्दीन ने कहा कि मंत्री बनने का अवसर पाकर वह बहुत खुश हैं। मेरे माता-पिता और परिवार के सदस्य मुझे मंत्री के रूप में देखकर बहुत खुश हैं। अज़हरुद्दीन ने कहा कि मंत्री बनने का अवसर देने के लिए मैं कांग्रेस आलाकमान, मुख्यमंत्री और राज्य के पार्टी नेताओं का आभारी हूं। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और अन्य मंत्री भी शामिल हुए। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद 19 फ़रवरी, 2009 को अज़हरुद्दीन कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए थे। उसी वर्ष वे उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद निर्वाचन क्षेत्र से सांसद चुने गए। वर्ष 2018 में अज़हरुद्दीन को टीपीसीसी का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। अज़हरुद्दीन ने वर्ष 2023 के चुनाव में जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद तेलंगाना सरकार ने अज़हरुद्दीन को राज्यपाल कोटे के तहत विधान परिषद का सदस्य (एमएलसी) के रूप में नामित किया था। अज़हरुद्दीन के मंत्री पद की शपथ लेने के बाद अब उन्हें कौन सा विभाग दिया जाएगा,इस पर अटकलें लग रही हैं। अज़हरुद्दीन के शामिल होने से अब रेवंथ रेड्डी के मंत्रिमंडल में कुल 16 सदस्य हो गए हैं। अभी दो और सदस्य शामिल हो सकते हैं। हैदराबाद में 8 फ़रवरी, 1963 को जन्मे अज़हरुद्दीन अपने चाचा ज़ैनुल-अबुदीन से प्रेरित होकर क्रिकेट खेलना शुरू किया था।

बिहार चुनाव : एनडीए का संकल्प पत्र,केजी पीजी तक मुफ्त शिक्षा,1 करोड़ नौकरी का वादा

पटना,31 अक्टूबर 2025। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर शुक्रवार को एनडीए ने अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है। एनडीए ने 1 करोड़ नौकरी देने का वादा किया है। साथ ही महिलाओं को 2 लाख तक की मदद दी जाएगी। इसके अलावा 1 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही गरीबों के लिए केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा का भी वादा किया गया है। मां जानकी के मंदिर को अगले 5 सालों में पूरा किया जाएगा। इलाके को सीतापुरम के नाम से विकसित किया जाएगा। आनेवाले समय में बिहार के 4 शहरों में मेट्रो सेवा शुरू की जाएगी। पटना के होटल मौर्या में केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, केंद्रीय मंत्री और एलजेपी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान,आरएलएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने घोषणा पत्र जारी किया। संकल्प पत्र के बारे में सम्राट चौधरी ने अकेले मीडिया को जानकारी दी। संकल्प पत्र जारी करने के 2 मिनट बाद ही नीतीश, चिराग, जीतनराम मांझी, जेपी नड्डा कार्यक्रम से लौट गए। आरएलएम के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने कहा, एनडीए ने सामूहिक रूप से अपना संकल्प व्यक्त किया है कि हम बिहार को बहुत आगे ले जाएंगे। हम समाज के सभी वर्गों के लिए काम कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। सबका साथ सबका विकास, जो हमारा पुराना संकल्प है, उसी संकल्प के साथ हम बिहार को आगे बढ़ाएंगे।

26 सेकेंड में जारी किया संकल्प पत्र : कांग्रेस

संकल्प पत्र जारी करने के 2 मिनट में ही नीतीश कुमार,चिराग,जीतनराम मांझी, जेपी नड्डा कार्यक्रम से लौट गए। मंच से अनाउंस किया गया कि अब सभी नेता अपने-अपने इलाकों में चुनाव प्रचार के लिए जाएंगे। पत्रकार साथी रुकेंगे और सम्राट चौधरी। इसके बाद सम्राट चौधरी ने मीडिया को संकल्प पत्र के बारे में जानकारी दी। इसे लेकर कांग्रेस ने तंज कसा है। पार्टी के सीनियर लीडर और राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा- आज इतिहास रच दिया गया है। नीतीश कुमार और जेपी नड्डा प्रेस कॉन्फ्रेंस में थे और 26 सेकेंड के भीतर चले गए। उनके उपमुख्यमंत्री ने बाद में घोषणापत्र पढ़ा। इसका मतलब है कि उन्हें अपने घोषणापत्र पर विश्वास नहीं है।

हमने 5 साल में 50 लाख नौकरियां दीं...

जेडीयू नेता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा, नीतीश कुमार ने बिहार में काम किया है। जिसमें भविष्य के रोजगार के लिए कैबिनेट की मंजूरी भी शामिल है, बिहार में 5 लाख करोड़ रुपये की सड़कें बन रही हैं। हमने इतना काम किया है कि विपक्ष को खुली चुनौती है कि वे अपना इतिहास भी साझा करें। नीतीश कुमार ने 2005 से 2020 के बीच 8 लाख नौकरियां और 2020 से 2025 के बीच 50 लाख नौकरियां दीं।

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकारों से फिर मांगा जवाब

कहा...सभी मुख्य सचिव सो रहे,हमारे आदेश का सम्मान नहीं,आने दीजिए,हम निपटेंगे...

नई दिल्ली,31 अक्टूबर 2025। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को आवारा कुत्तों से जुड़े केस में सुनवाई करते हुए सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट देने की याचिका खारिज कर दी। जस्टिस नाथ ने कहा, जब हम मुख्य सचिवों से हलफनामा दाखिल करने के लिए कहते हैं तो वे इस पर चुप्पी साधे रहते हैं। हमारे आदेश का कोई सम्मान नहीं है। तो ठीक है, उन्हें आने दीजिए। हम उनसे निपट लेंगे। दरअसल,सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य सचिवों को 3 नवंबर को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। इससे पहले 27 अक्टूबर को कोर्ट ने पश्चिम बंगाल और तेलंगाना को छोड़ सभी राज्यों के मुख्य सचिवों से जवाब मांगा था। सुप्रीम कोर्ट आवारा कुत्तों के काटने से होने वाले रेबीज के बारे में एक मीडिया रिपोर्ट पर एक्शन लेते 28 जुलाई से मामले की सुनवाई कर रहा है।

बिहार के कटिहार स्थित गोगाबील झील रामसर स्थल की सूची में शामिल

नई दिल्ली,31 अक्टूबर 2025। बिहार के कटिहार जिले स्थित गोगाबील झील को देश के नवीनतम रामसर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है। यह एक संरक्षण एवं सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र है, जिसका संरक्षण और प्रबंधन स्थानीय समुदाय द्वारा किया जा रहा है। अब बिहार में कुल 6 रामसर स्थल हो गए हैं और वह देश में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। शुक्रवार को केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस के इस विशेष अवसर पर यह साझा करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि भारत वेटलैंड संरक्षण के क्षेत्र में लगातार नई उपलब्धियाँ दर्ज कर रहा है। बिहार के कटिहार जिले स्थित 86.63 हेक्टेयर में फैले गोगाबील झील को देश के नवीनतम रामसर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि यह एक संरक्षण एवं सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र है, जिसका संरक्षण और प्रबंधन स्थानीय समुदाय द्वारा किया जा रहा है। अब बिहार में कुल 6 रामसर स्थल हो गए हैं, और वह देश में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। यह झील स्थानीय समुदाय द्वारा आजीविका के लिए समझदारीपूर्वक उपयोग में लाई जा रही है। उन्होंने कहा कि इस नयी मान्यता के साथ देश में कुल रामसर स्थलों की संख्या 94 हो गई है। पिछले 11 वर्षों में 67 नए स्थलों को जोड़ा गया है, जो कुल 13,60,805 हेक्टेयर क्षेत्र को आच्छादित करते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में निरंतर अग्रणी बना हुआ है।

सरदार पटेल ने जिस एकता के सूत्र में बंधे राष्ट्र का निर्माण किया,उसकी रक्षा हर राष्ट्रभक्त का दायित्व : शाह

नई दिल्ली,31 अक्टूबर 2025। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर शुक्रवार को दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में आयोजित रन फॉर यूनिटी (एकता दौड़) का केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुभारंभ किया। गृह मंत्री के साथ सभी ने एक भारत, श्रेष्ठ भारत के संकल्प को दोहराते हुए एकता और अखंडता की शपथ ली। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, डॉ. मनसुख मांडविया, दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, सांसद बांसुरी स्वराज, दिल्ली के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह एवं मनजिंदर सिंह सिरसा मौजूद रहे। इस मौके पर अमित शाह ने कहा कि भारत की आजादी और उसके मानचित्र के निर्माण में सरदार पटेल की बहुत बड़ी भूमिका रही। लक्षद्वीप आज भारत का हिस्सा है, उसमें सरदार पटेल का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि उस समय की कांग्रेस सरकार ने सरदार पटेल को उचित सम्मान नहीं दिया। सरदार पटेल को भारत रत्न देने में 41 साल लग गए। उनके कामों के सम्मान देने के लिए कोई स्मारक नहीं बनाया, जब नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने संकल्प किया कि सरदार पटेल का ऐसा स्मारक बनाएंगे, जिसको दुनिया देखती रह जाएंगी। नरेन्द्र मोदी ने 31 अक्टूबर 2013 को सरदार पटेल के जन्मदिवस के मौके पर स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का शिलान्यास किया।

अमित शाह ने कहा कि सरदार पटेल ने रियासतों का एकीकरण कर देश की एकता और सुरक्षा को सुदृढ़ बनाया और किसानों, पिछड़ों और वंचितों को सहकारिता से जोड़कर देश को स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर किया। उनका दृढ़ विश्वास था कि देश के विकास की धुरी किसानों की समृद्धि में निहित है। वे आजीवन किसानों के कल्याण और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित रहे। सरदार साहब ने जिस न्यायप्रधान और एकता के सूत्र में बंधे राष्ट्र का निर्माण किया, उसकी रक्षा करना हर एक राष्ट्रभक्त का दायित्व है।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने युवा आबादी को भारत की सबसे बड़ी ताकत बताया

नई दिल्ली,31 अक्टूबर 2025। सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शुक्रवार को यंग लीडर्स फोरम में देश के युवाओं को संबोधित किया। सेना प्रमुख ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि इस मिशन में देश के कई युवा शामिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की नई पीढ़ी दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे जागरूक युवा आबादी है। यह पीढ़ी डिजिटल रूप से सक्षम, सामाजिक रूप से जागरूक और वैश्विक रूप से जुड़ी हुई है। यही भारत की सबसे बड़ी ताकत है। यंग लीडर्स फोरम के दौरान सेना प्रमुख ने कहा कि यह कार्यक्रम युवाओं के लिए खास तौर पर पहली बार प्री-इवेंट के रूप में आयोजित किया गया है। इस फोरम का मकसद रिफॉर्म टू ट्रांसफॉर्म यानी बदलाव के जरिए मजबूत, सुरक्षित और विकसित भारत बनाना है। यूथ लीडर्स फोरम देश के युवाओं के लिए मजबूत, सुरक्षित और विकसित भारत के निर्माण के लिए सुधारों के व्यापक विषय की नींव रख रहा है। भारत के इतिहास में ऐसे कई नायक हैं,जो इसके युवा बेटे-बेटियों के साहस और दृढ़ विश्वास के साक्षी हैं। ऐसे शाश्वत उदाहरण हैं जो साबित करते हैं कि उम्र कभी योगदान को सीमित नहीं करती। थल सेनाध्यक्ष ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में आप में से कई लोग सक्रिय रूप से शामिल रहे होंगे।

बिहार में राजद-कांग्रेस की सरकार बन गई, तो अपराधी फिर से लौट आएंगे : योगी आदित्यनाथ

पटना/सिवान 31 अक्टूबर 2025। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को सीवान के ऐतिहासिक गांधी मैदान में सिवान जिले के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मादवारों के पक्ष में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर बिहार में कांग्रेस-राजद की सरकार बन गई,तो अपराधी फिर से सड़कों पर नाचेंगे और जनता भय के साये में जीने को मजबूर होगी। राजद शासनकाल का जंगलराज आज भी बिहार की जनता नहीं भूली है। राजद के राज में अराजकता थी, परिवारवाद था और जनता भय के साये में जी रही थी। योगी आदित्यनाथ ने अपने करीब 30 मिनट के ओजस्वी भाषण में कहा कि अगर कांग्रेस-राजद की सरकार बनी,तो सबसे पहले गरीबों का राशन बंद होगा। फिर नौकरी के नाम पर युवाओं की जमीन हड़प ली जाएगी। ये लोग विकास नहीं, बल्कि अपराधियों का तांडव करवाएंगे। अपराधी तो कांग्रेस-राजद के शागिर्द हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राजग सरकार केवल वादे नहीं करती, उन्हें निभाती भी है। उन्होंने कहा, हमने कहा था कि अयोध्या में श्रीरामलला का भव्य मंदिर बनाएंगे, हमने बना दिया।

आरएसएस पर बैन लगे,सरदार पटेल ने यही किया,मोदी-शाह उनके विचारों का सम्मान करते हैं तो यह करके दिखाएं : खड़गे

नई दिल्ली,31 अक्टूबर 2025। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर कांग्रेस की आलोचना को लेकर पीएम मोदी पर पलटवार किया। खड़गे ने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर बैन लगा देना चाहिए। खड़गे ने कहा...ये मेरा विचार है और मैं खुलकर बोलूंगा कि आरएसएस पर बैन लगाना चाहिए। अगर पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह सरदार वल्लभ भाई पटेल के विचारों का सम्मान करते हैं तो ऐसा करें। देश में भाजपा-आरएसएस के कारण कानून-व्यवस्था की दिक्कतें हो रही हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने 18 जुलाई 1948 को तत्कालीन गृह मंत्री सरदार पटेल के एक लेटर का भी हवाला दिया, जिसमें उन्होंने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को कहा था कि आरएसएस ने ऐसा माहौल बनाया, जिससे महात्मा गांधी की हत्या हुई। दरअसल, एक पत्रकार ने खड़गे से पूछा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि सरदार पटेल ने उस विचारधारा पर बैन लगाया, जिससे भाजपा निकली। अब फिर से एक लौह पुरुष की जरूरत है, जो उस विचारधारा पर प्रतिबंध लगाए। क्या आरएसएस पर प्रतिबंध लगाना चाहिए? खड़गे ने इसका जवाब दिया। उन्होंने (भाजपा) देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पटेल के बीच दरार पैदा करने की कोशिश की, जबकि उनके बीच अच्छे संबंध थे। दोनों एक-दूसरे की तारीफ करते थे। नेहरू ने भारत की एकता को आकार देने के लिए पटेल की सराहना की और पटेल ने नेहरू को देश के लिए एक आदर्श बताया था। खड़गे की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि पटेल पूरे कश्मीर को भारत में मिलाना चाहते थे, लेकिन तत्कालीन पीएम जवाहरलाल नेहरू ने ऐसा नहीं होने दिया। मोदी ने गुजरात में सरदार पटेल की जयंती पर यह टिप्पणी की। कांग्रेस अध्यक्ष का कहना था,बीजेपी के नेता हमेशा कहते हैं कि नेहरू जी और सरदार पटेल जी में मतभेद था। जबकि नेहरू जी ने खुद सरदार पटेल जी को भारत की एकता का शिल्पी बताया था। वहीं, पटेल जी ने नेहरू जी को देश का आदर्श और जनता का नेता कहा था। खड़गे ने कहा, जो लोग देश के लिए मर-मिटे हैं, उनकी ही पार्टी (कांग्रेस) पर कुछ लोग बहुत टिप्पणियां करते हैं। ये समझ से परे है। लेकिन मैं आपको सरदार पटेल जी की बात याद दिलाना चाहता हूं। सरदार पटेल जी ने 4 फरवरी 1948 में एक पत्र में लिखा था कि गांधी जी की मृत्यु पर आरएसएस ने जो हर्ष प्रकट किया और मिठाई बांटी। उससे ये विरोध और भी बढ़ गया। इन हालात में सरकार के पास आरएसएस के खिलाफ कदम उठाने के अलावा कोई और रास्ता नहीं बचा था।

CMYK

पूर्व प्रधानमंत्री स्व श्रीमती इंदिरा गांधी के 31 वें शहादत दिवस पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,31 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व श्रीमती इंदिरा गांधी के 31 वें शहादत दिवस पर आज जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान आयोजित सभा मे प्रधानमंत्री के रूप में उनके द्वारा देश को दिये गए योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई। स्व श्रीमती इंदिरा गांधी के द्वारा बैंकों के राष्ट्रीयकरण को लेकर आज के संदर्भ में चर्चा करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्री बालकृष्ण पाठक ने कहा कि देश की जनता में संसाधनों के समतामूलक बंटवारे को सुनिश्चित करने के लिए बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया था। इसके परिणामस्वरूप लंबे समय तक इस देश मे आर्थिक असमानता पर लगाम लगी हुई थी। लेकिन पिछले 11 वर्षों में भाजपा के शासन में पूंजीपतियों के हित में बैंकिंग प्रणाली को जिस प्रकार से नष्ट किया गया उससे देश मे आर्थिक असमानता बढ़ी है। अमीर और अमीर होते जा रहे हैं जबकि गरीब और गरीब होते जा रहे हैं। बढ़ती महंगाई ने मध्यवर्ग को भी आर्थिक रूप से कमजोर कर दिया है। सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष लोकेश कुमार ने कहा कि पाकिस्तान के 2 टुकड़े कर बांग्लादेश बनाने वाली इंदिरा गांधी ने तब की महाशक्ति अमेरिका को

मुंहतोड़ जवाब दिया था। आज जब अमेरिका का राष्ट्रपति देश की संप्रभुता को खुलेआम चुनौती दे रहा है तब उनके जैसे सशक्त प्रधानमंत्री की आवश्यकता महसूस हो रही है।

लौहपुरुष की जयंती पर राष्ट्रीय एकता पुनः स्थापित करने का संकल्प लिया गया : 31 अक्टूबर को लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती पर जिला कांग्रेस कमेटी, सरगुजा ने राष्ट्रीय एकता को पुनर्स्थापित करने का संकल्प लिया। उनकी जयंती पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए पूर्व केबिनेट मंत्री श्री अमरजीत भगत ने कहा कि स्वतंत्र भारत का आज जो स्वरूप हमारे सामने है वो लौहपुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रयासों के फलस्वरूप है। उन्होंने 562 रियासतों का विलीनीकरण कर मौजूदा अखंड भारत की रचना कर एकता स्थापित की। लेकिन वर्तमान सत्ता अंग्रेजों के नक्शेकदम पर बांटो और राज करो की नीति अपनाते हुए देश को धर्म, जाति, भाषा के आधार पर बांटने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल की सच्ची राजनैतिक विरासत को धारण करने वाली कांग्रेस पर एकबार फिर देश मे एकता, समरसता और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने की जिम्मेदारी आ गई है। इस दौरान आयोजित सभा का संचालन महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष श्रीमती सीमा सोनी के द्वारा किया गया। पीसीसी उपाध्यक्ष जे पी श्रीवास्तव, पीसीसी महामंत्री द्वितेंद्र मिश्रा, हेमंत सिन्हा, विनय शर्मा, संजय विश्वकर्मा, मो इस्लाम, इरफान सिद्दकी, श्रीमती मधु दीक्षित, नुरुल अमीन सिद्दकी, दुर्गेश गुप्ता, अतुल तिवारी, एम डी सांडिल्य, अनूप मेहता, अशफाक अलि, गुरुप्रीत सिद्धू, जमील खान, चंद्रप्रकाश सिंह, सोहन जायसवाल, संजय सिंह, विनोद एक्का, जीवन यादव, प्रमोद चौधरी, दीपक मिश्रा, अमित तिवारी राजा, आतिश शुक्ला, अविनाश कुमार, शिवप्रसाद अग्रहरि, प्रीति सिंह, रोशन कन्नौजिया, विकास शर्मा, दिलीप धार, अमित मिंज, लुकस एक्का, मुनव्वर, बल्केश्वर तिर्की, अमित सिन्हा, संध्या रवानी, सपना सिन्हा, नूतन एक्का, रूही गजाला, अनीता सिन्हा, श्रीमती हमीदा, उर्मिला विश्वास, ममता सिंह, संगीत मिंज, रश्मि सोनी, अनुराधा सिंह, मालती सिंह, चित्रा मिश्रा, साधना कश्यप, रूपा ताम्रकार, मेधा खांडेकर, मोमिना खातून, चंचला सांडिल्य आदि ने सभा मे अपनी सहभागिता दी।

शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज अम्बिकापुर की पुनः घोषणा,छात्रों में खुशी का माहौल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,31 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज अम्बिकापुर के लिए छात्रों की विशेष पहल और जनप्रतिनिधियों के अथक प्रयासों के फलस्वरूप,मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन ने 9 दिसंबर 2024 को कॉलेज के नाम की आधिकारिक घोषणा की। इस पहल में सांसद चिन्तामणी महाराज, कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल, राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर और जिला प्रशासन, सरगुजा के प्रयासों को सराहा गया। शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज अम्बिकापुर की स्थापना 2010 में की गई थी, जिसका उद्देश्य अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों के कल्याण को बढ़ावा देना था। हालांकि, तात्कालीन सरगुजा विश्वविद्यालय द्वारा बिना अनुमति के कॉलेज का नाम बदल दिया गया था, जिससे छात्रों को कई सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। अब पुनः शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के नाम की घोषणा से छात्रों को कई लाभ होंगे। कॉलेज के प्राचार्य आरएन खरे ने बताया कि इस

निर्णय के बाद, कॉलेज को शत प्रतिशत सीटों पर प्रवेश, प्रतिवर्ष 16 करोड़ रुपये का बजट, छात्राओं के लिए प्रवेश शुल्क माफी, मेधावी विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्तियां, अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों को स्टेशनरी और लैब किट जैसी सुविधाएं मिलेंगी। इसके अतिरिक्त, प्लेसमेंट के बेहतर अवसर और चिकित्सा प्रतिपूर्ति मद भी प्रदान किया जाएगा।

छठ मनाने गया था परिवार,इधर चोरों ने पार कर दिए नकदी समेत 6 लाख के जेवरात

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,31 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

मणिपुर थाना क्षेत्र के मठपारा में चोरों ने सूने मकान में धावा बोला है। घर में ताला बंद कर पूरा परिवार छठ मनाने डालटनगंज गया था। चोरों ने नकदी सहित करीब 6 लाख रुपये का जेवरात चोरी कर लिया। घटना की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई गई है। पुलिस विवेचना कर रही है।

जानकारी के अनुसार मठपारा निवासी राजेश साहु पूरे परिवार के साथ 25 अक्टूबर को अपने-अपने घर में ताला बंद कर डालटनगंज छठ मनाने के लिए गया था। 29 अक्टूबर को पड़ोसी बुध सिंह की पत्नी के पास राजेश की पत्नी रेणु देवी शाम लगभग 7 बजे फोन करके घर के बारे में पूछी तो सब कुछ ठीक था। अगले दिन 30 अक्टूबर को सुबह 6 बजे घर का दरवाजा खुला देखकर पड़ोसी की पत्नी फोन लगाकर पूछी कि आप लोग आ गए हैं क्या,जब उन्होंने वापस नहीं आने की जानकारी दी तो वह बताई कि घर का दरवाजा खुला है और ताला टूटा हुआ है। सूचना पर सपरिवार 30 अक्टूबर को लगभग 11.30 बजे वापस लौटे। चोरों ने राजेश साहू और उनके

2 लाख 7 हजार नकद पार

चोरों ने राजेश साहू के घर के अलमारी से गाडियों का किस्त पटाने के लिए रखा 80 हजार रुपये नकद व सोने के जेवरों में 1 अंगूठी, 1 झुमका, 1 चेन, 1 जोड़ी चांदी का पायल और उनके भतीजा अजीत गुप्ता के अलमारी में रखा नकद 1 लाख 27 हजार रुपये व सोने के जेवरों में 1 हार, 1 जोड़ी कंगन, 1 मांग टीका, 1 मंगलसूत्र, 1 जोड़ी लटकन, 1 अंगूठी, 1 ढोलना चैकी, 5 नग नाक का छुछी, चांदी के जेवरों में 1 कमरधनी, 1 मछली, 2 जोड़ी पायल, 1 कटोरी-चम्मच, 3 नग बच्चों का चांदी का बेड़ा, 2 जोड़ी बिछिया पार कर दिया है। रिपोर्ट पर पुलिस अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

भतीजा अजीत गुप्ता के घर के दरवाजे का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। अंदर जाने पर दोनों के रूम में रखा अलमारी का दरवाजा, लॉकर टूटा मिला। गहने का खाली डब्बा पड़ा हुआ था। इसकी सूचना उन्होंने मणीपुर थाने को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल के अधिकारी ने फिंगर प्रिंट मिलने की संभावना पर घर को सील कर दिया। अगले दिन एफएसएल की टीम ने पूरे घर का बारीकी से निरीक्षण किया।

प्रतापपुर विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते के जाति प्रमाण-पत्र पर घेरा,आदिवासी समाज ने किया उग्र आंदोलन की चेतावनी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,31 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

प्रतापपुर विधानसभा की विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं कि उनका जाति प्रमाण-पत्र फर्जी और कूट रचित है। आरोपों के मुताबिक, उनका जाति प्रमाण-पत्र पति पक्ष से बनवाया गया है,जोकि किसी भी मामले में वैध नहीं हो सकता। जाति प्रमाण-पत्र पिता पक्ष से ही बनता है,न कि पति पक्ष से। इस संदर्भ में आदिवासी समुदाय द्वारा आरोप लगाए गए हैं कि विधायक ने फर्जी दस्तावेज़ के जरिए आदिवासी समुदाय के लिए आरक्षित सीट से चुनाव लड़ा और अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। उक्त बातें शुक्रवार को एक होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में धन सिंह धुर्वे, मुन्ना सिंह और रामवृक्ष ने कही। तीनों ने बताया कि विधायक के जाति प्रमाण-पत्र की जांच के

लिए कलेक्टर बलरामपुर और सूरजपुर को आवेदन दिए गए थे, जिसमें यह पाया गया कि बिना किसी प्रमाण के जाति प्रमाण-पत्र जारी किया गया है। संबंधित दस्तावेजों का अभाव होने के कारण यह प्रमाण-पत्र पूरी तरह से फर्जी और कूट रचित प्रतीत होता है। अंबिकापुर और बलरामपुर के अभिलेखागार में भी इस जाति प्रमाण-पत्र से संबंधित कोई रिकॉर्ड नहीं पाया गया है। धन सिंह धुर्वे ने बताया कि गोंड समाज के जयश्री सिंह ने इस मामले में उच्च न्यायालय बिलासपुर में याचिका दायर की थी। उच्च न्यायालय ने 17 जून 2025 को आदेश दिया कि इस मामले में शीघ्र कार्रवाई की जाए। अदालत ने जिला स्तरीय छानबीन समिति और उच्च स्तरीय छानबीन समिति रायपुर को निर्देशित किया कि वे इस मामले की तुरंत जांच करें और संबंधित कार्रवाई करें। इसके बाद, जिला स्तरीय जाति प्रमाण पत्र सत्यापन समिति, जिला बलरामपुर ने विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते को तीन बार नोटिस जारी किया। 28 अगस्त, 15 सितंबर और 29 सितंबर 2025 को जारी किए गए इन नोटिसों में विधायक से जाति प्रमाण पत्र के संबंध में मूल दस्तावेज और अन्य सुसंगत अभिलेख प्रस्तुत करने को कहा गया। हालांकि,विधायक ने इन नोटिसों का कोई भी जवाब नहीं दिया और न ही संबंधित दस्तावेज समिति के समक्ष प्रस्तुत किए।

इस कारण समिति ने यह निष्कर्ष निकाला कि यह जाति प्रमाण-पत्र पूरी तरह से फर्जी और कूट रचित है। आदिवासी समाज ने इस मुद्दे को लेकर कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। उनका आरोप है कि विधायक ने फर्जी आदिवासी प्रमाणपत्र के आधार पर आदिवासी समुदाय के आरक्षित सीट से चुनाव लड़ा और विधायक बनीं, जिससे सही आदिवासी उम्मीदवार का हक मारा गया। भाजपा को धोखा देकर विधायक बनीं शकुंतला सिंह पोर्ते के खिलाफ प्रतापपुर विधानसभा के आदिवासी समुदाय में गहरी नाराजगी है।

आदिवासी समुदाय ने बलरामपुर कलेक्टर और सूरजपुर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा और बताया कि उच्च न्यायालय के आदेश के चार महीने बाद भी जाति प्रमाण पत्र को निरस्त करने की कोई कार्रवाई नहीं की गई है। आदिवासी समाज का कहना है कि यदि 7 दिनों के भीतर विधायक का जाति प्रमाण-पत्र निरस्त नहीं किया जाता, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। इस आंदोलन की पूरी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। आदिवासी समाज ने चेतावनी दी है कि जब तक जाति प्रमाण पत्र निरस्त नहीं होगा, आंदोलन अनिश्चितकालीन रूप से जारी रहेगा।

आरएसएस के संस्थापक डॉ. हेडगेवार के जीवन पर नाट्य मंचन 10 नवम्बर को पी.जी.कॉलेज सभागार में...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,31 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार जी के प्रेरणादायी जीवन पर आधारित नाट्य मंचन का आयोजन 10 नवम्बर को स्थानीय पी.जी. कॉलेज के सभागार में किया जाना निश्चित हुआ है। यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग एवं संस्कार सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। कार्यक्रम की विभिन्न व्यवस्थाओं एवं दायित्व निर्धारण हेतु प्रणव भवन में बैठक आयोजित की गई। आरएसएस विभाग प्रचारक हेमंत नाग, संस्कार सेवा समिति के सचिव अजय मिश्र तथा कार्यक्रम के संयोजक नरेंद्र सिन्हा सहित विविध क्षेत्रों के स्वयंसेवकों की उपस्थिति में आयोजित बैठक में कार्यक्रम के स्वरूप पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम के संयोजक नरेंद्र सिन्हा ने नाट्य प्रस्तुति की रूपरेखा रखते हुए बताया कि नागपुर के कुशल कलाकारों द्वारा डॉ. हेडगेवार जी के जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण घटनाओं का मंचन किया जाएगा। विभाग प्रचारक हेमंत नाग जी ने कहा कि नाट्य मंचन के माध्यम से डॉ. हेडगेवार जी के जीवन चरित्र को समझना और अनुभव करना एक विशेष अनुभूति प्रदान करेगा, साथ ही राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव का संवर्धन एवं पोषण होगा।समाज सभी वर्गों के प्रमुख जनो की उपस्थिति पर भी विचार किया गया। बैठक में डॉ शारदा प्रसाद त्रिपाठी, राम लखन सिंह पैकरा, भारत सिंह सिसोदिया, श्रीमती मंजुषा भगत, श्रीमती अरुणा सिंह, अनुज दुबे, हरमिंदर सिंह टीनी, रविकांत भगत, मनोज कंसारी, बंशीधर उरांव आदि प्रमुख स्वयंसेवक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नगर पालिका सूरजपुर को 5.63 करोड़ की स्वीकृति,अध्यक्ष श्रीमती कुसुमलता राजवाड़े के प्रयास से मिला विकास का तोहफ़ा

-संवाददाता-
सूरजपुर,31 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा नगर पालिका परिषद सूरजपुर को अधोसंरचना मद अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों के लिए 5 करोड़ 63 लाख 51 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह स्वीकृति नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुसुमलता राजवाड़े के सतत प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने इस स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री और नगरीय प्रशासन मंत्री का आभार जताते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य सूरजपुर नगर का सर्वांगीण विकास है। प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए कार्य किए जाएंगे। नगरवासियों ने इस स्वीकृति पर हर्ष व्यक्त करते हुए अध्यक्ष श्रीमती राजवाड़े का धन्यवाद किया और कहा कि उनके नेतृत्व में सूरजपुर में विकास की रफ़्तार तेज़ हुई है।

जिले में रन फॉर यूनिटी के माध्यम से सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर गूंजा एकता का संदेश,महापौर ने दिलाई राष्ट्रीय एकता की शपथ

जनप्रतिनिधियों,आईजी,कलेक्टर,अधिकारियों सहित स्कूली बच्चों एवं आमजनों ने लगाई एकता की दौड़

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,31 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

राष्ट्रीय एकता दिवस, भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आज जिले में रन फॉर यूनिटी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हरि झंडी दिखाकर पुलिस लाइन मैदान से हुआ, जो गांधी स्टेडियम में संपन्न हुआ। इस एकता दौड़ में जनप्रतिनिधियों,अधिकारियों,आमजनों तथा बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया। इस अवसर पर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, सभापति श्री हरिमन्दर सिंह टिन्नी,जनप्रतिनिधिगण, सरगुजा पुलिस महानिरीक्षक श्री दीपक झा, कलेक्टर श्री विलास भोसकर,जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक, श्री अमृतलाल ध्रुव, एएसपी श्री अमोलक सिंह ढिल्लों, आरआई श्रीमती तृप्ति सिंह राजपूत सहित प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी एवं आम नागरिकगण शामिल हुए। कार्यक्रम में स्कूली छात्र-छात्राओं ने एकता ही शक्ति है के नारों से वातावरण को गूंजायमान कर दिया। दौड़ में सैकड़ों प्रतिभागियों ने भाग लिया और एकता, समरसता व राष्ट्र निर्माण के प्रति अपने समर्पण का परिचय दिया। कार्यक्रम के अंत में गांधी स्टेडियम में उपस्थित जनसमूह को महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। अधिकारियों एवं प्रतिभागियों ने सरदार पटेल के जीवन, उनके योगदान और भारत की एकता में उनकी ऐतिहासिक भूमिका को याद करते हुए उनके पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सरगुजा पुलिस महानिरीक्षक श्री दीपक झा ने कहा कि रन फॉर यूनिटी केवल एक दौड़ नहीं बल्कि यह एकता, अनुशासन और देशभक्ति की भावना को जीवित रखने का प्रतीक है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस दौरान उपस्थित जनसमूह ने भारत की एकता, अखंडता और भाईचारे को सशक्त करने का प्रण लिया।

साइबर सेल प्रभारी उप निरीक्षक हिम्मत सिंह शेखावत हुए निरीक्षक के पद पर पदोन्नत

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी बलरामपुर के द्वारा हिम्मत सिंह के कंधे में स्टार लगाकर निरीक्षक के पद पर किया गया पदोन्नत

-संवाददाता-
बलरामपुर,31 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

जानकारी के अनुसार पुलिस मुख्यालय नया रायपुर द्वारा जारी पदोन्नति आदेश के माध्यम से उप निरीक्षक श्री हिम्मत सिंह शेखावत को निरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया है, पदोन्नति आदेश जारी होने पश्चात अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विश्व दीपक त्रिपाठी के मार्गदर्शन में आज दिनांक 31 अक्टूबर 2025 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय बलरामपुर के सभागार में निरीक्षक हिम्मत सिंह शेखावत की स्टार सेरेमनी का आयोजन किया गया, स्टार सेरेमनी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बलरामपुर एवं उप पुलिस अधीक्षक अजाक कमलेश्वर भगत के द्वारा निरीक्षक हिम्मत सिंह शेखावत के कंधे में स्टार लगाकर निरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के द्वारा उज्वल भविष्य की दी

शुभकामये अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी के द्वारा निरीक्षक हिम्मत सिंह को पदोन्नति पश्चात उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई, साथ ही पुलिस विभाग द्वारा प्रदत्त दायित्वों का निर्वहन बेहतर तरीके से किये जाने हेतु शुभकामनाएं दी गई है। स्टार सेरेमनी के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी, उप पुलिस अधीक्षक अजाक कमलेश्वर भगत डीएसपी हेडक्वार्टर प्रमोद किस्पोट्टा,साइबर सेल की पूरी टीम एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय बलरामपुर के समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

भगवान झुलेलाल पर अभद्र टिप्पणी किए जाना निंदनीय

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,31 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

अमित बघेल द्वारा भगवान झुलेलाल के खिलाफ अभद्र एवं आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में सिंधी समाज ने रैली निकालकर विरोध जताया है। सिंधी समाज ने एएसपी को ज्ञापन सौंपकर अमित बघेल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। सिंधी सामाज का कहना है कि विगत दिनों रायपुर में अमित बघेल नामक व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया एवं सार्वजनिक मंच से हमारे ईष्ट देव भगवान झुलेलाल के विरूद्ध आपत्तिजनक टिप्पणी एवं अभद्र शब्दों का इस्तेमाल किया गया एवं हमारे समाज के विरूद्ध भी अभद्र शब्दों का उपयोग किया गया, जो निंदनीय है।

स्लीपर और सेमी स्लीपर डीलक्स बसों में फायर सेफ्टी नहीं,आरटीओ द्वारा की गई 15 बसों की जांच

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,31 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
स्लीपर और सेमी स्लीपर डीलक्स बसों में फायर सेफ्टी सुरक्षा मानकों की जांच आरटीओ द्वारा की गई। 30 अक्टूबर को क्षेत्रीयपरिवहन अधिकारी विनय सोनी के नेतृत्व में बस स्टैंड अंबिकापुर में एसी डीलक्स एवं सेमी डीलक्स स्लीपर बसों की फायर सेफ्टी सुरक्षा मानक से संबंधित जांच की गई। परिवहन विभाग की टीम द्वारा लगभग 15 बसों की जांच की। जिसमें पाया गया की वाहन स्वामियों द्वारा सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी कर बसों का संचालन लंबे रूट पर किया जा रहा है। कुछ बसों में फायर एक्सटिंग्विशर नहीं पाया गया या एक्सपायर हुआ पाया गया। जबकि कुछ बसों में आपातकालीन दरवाजे नट बोल्ट से कैसे हुए पाए गए जो आपात स्थिति में खुलने योग्य नहीं पाए गए। साथ ही बसों में फर्स्ट एड बॉक्स की जांच की गई जिसमें दवाएं एक्सपायरी डेट की पाई गई। हाल ही में देश में कुछ घटनाएं एसी बसों में आग लगने की हुई है जिसको लेकर परिवहन विभाग ने सख्त रूप अपनाया है। क्षेत्रीय अधिकारी विनय सोनी द्वारा बताया गया कि इस प्रकार की कमियां जिन बसों में पाई गई हैं उन्हें नोटिस जारी किया जाएगा तथा कर्मियों को दूर करने की सख्त हिदायत दी गई है। यदि इसके बाद भी वाहन स्वामियों द्वारा सुधार नहीं किया गया तो सडक़ पर उनके वाहनों पर चालानी कार्रवाई की जाएगी।

पुष्पा चौबे को मिली डॉक्ट्रेट की उपाधि

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,31 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
होली क्रॉस वीमेंस कॉलेज अंबिकापुर के अंग्रेजी विषय की सहायक प्राध्यापक पुष्पा चौबे ने कलिंगा विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की डॉक्टर शिल्पी भट्टाचार्य के शोध निर्देशन में स्टडी ऑफ नैरेटिव आइडेंटिटी इन द नॉवेल ऑफ गाओ शिंगजियान एंड काजूओ इशिगुरो विषय पर शोध प्रबंध प्रस्तुत किया है, मौखिकी के उपरांत विश्वविद्यालय की कार्य परिषद ने पुष्पा चौबे को डॉक्ट्रेट की उपाधि प्रदान की है। पुष्पा चौबे की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार ने बधाई प्रेषित की है।

भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर समस्त थाना/चौकी में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का भव्य आयोजन

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय एकता पर दिया गया बल,देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत रहा कार्यक्रम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,31 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
सरगुजा पुलिस द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस, भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आज जिले के समस्त थाना/चौकियो मे रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। थाना/चौकी प्रभारियों द्वारा अपने अपने थाना छेत्र अंतर्गत एकता दौड़ का आयोजन किया गया, कार्यक्रम मे स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, आमजनों तथा बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम द्वारा छात्र छात्राओं एवं नागरिकों में राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न की गई। थाना चौकी छेत्र के अंतर्गत स्कूल, कॉलेजों, सरकारी संस्थानों और संगठनों में Run for Unity, निबंध प्रतियोगिताएं और देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित किए गए।

पुलिस टीम द्वारा इस दौरान छात्र छात्राओं एवं नागरिकों को साइबर अपराध से बचने के उपाय एवं साइबर सम्बन्धी शिकायतों के समाधान हेतु हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे मे जानकारी दी गई, नागरिकों को यातायात के नियमो का पालन करने की समझाइस दी गई, कार्यक्रम के जरिये राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं भाईचारे पर बल दिया गया।

सामरी विधायक के मुख्य अतिथि में विकासखंड स्तरीय कर्मा महोत्सव हुआ सम्पन्न

-संवाददाता-
राजपुर,31 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
जिले के राजपुर हाई स्कूल ग्राउंड में 30.10.2025 को सामरी विधायक उदेश्वरी पैकरा की अध्यक्षता में कर्मा नृत्य संपन्न हुआ। विदित हो कि प्रदेश सरकार के द्वारा छत्तीसगढ़िया संस्कृति को बढावा देने के उद्देश्य से प्रदेश में जिले अस्तर से लेकर ब्लॉक स्तरों में कर्मा नृत्य का आयोजन कराने का निर्देश जारी किया है, जिसको लेकर बलरामपुर रा.गंज जिले के राजपुर जनपद पंचायत क्षेत्र के 22 टीम कर्मा,शैला, सुगा, एवं लीला की टीम भाग लेकर अपने अपने नृत्य कौशल का प्रदर्शन किया गया। जिसमें प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ग्राम पंचायत ओकरा की कर्मा दल की रही,एवं दूसरा स्थान पर ग्राम पंचायत डकवा की कर्मा

दल की टीम रही। प्रथम स्थान आने वाली टीम को चयनित कर जिले के अन्य ब्लाकों से प्रथम स्थान आने वाली टीम को चयनित कर राजधानी में नृत्य कौशल दिखाने को ले जाया जाएगा। मुख्य अतिथि सामरी विधायक उदेश्वरी पैकरा के अलावा कार्यक्रम में शामिल जनपद पंचायत अध्यक्ष विनय भगत, उपाध्यक्ष आकाश अग्रवाल, भाजपा जिला महा मंत्री संजय सिंह जिला कोषाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल राजपुर नगर पंचायत अध्यक्ष धरम सिंह एवं विधायक प्रतिनिधि शामिल रहे, कार्यक्रम का आयोजन राजपुर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संजय दुबे एवं राजपुर जनपद पंचायत के समस्त स्टाफ ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना अपना योगदान देकर आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

टांगी से हमला कर भाभी को उतारा मौत के घाट,आरोपी देवर गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,31 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम गोरसी डबरा में गुरुवार की सुबह पति-पत्नी अपास में झगड़ा कर रहे थे। पड़ोस में रहने वाली भाभी बीच बचाव करने पहुंची तो देवर ने टांगी से उसके सिर पर हमला कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई थी। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराए थे। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सोनमतिया बाई यादव पति तिरथ यादव गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम गोरसी डबरा विशुनपुर खुर्द की रहने वाली थी। इसके घर के बगल में देवर गोपी यादव पत्नी के साथ रहता है। गुरुवार की सुबह गोपी पत्नी के साथ झगड़ा कर रहा था। इस दौरान गोपी की भाभी सोनमतिया बीच बचाव कर रही थी। तभी उसका देवर ने हाथ में रखे टांगी से उसके सिर पर मार दिया। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त टांगी जब्त किया है।

अंतर्राष्ट्रीय समाचार

भारत-अमेरिका के बीच ऐतिहासिक समझौता

दोनों देशों में 10 साल के रक्षा सहयोग ढांचे पर बनी सहमति

वॉशिंगटन,31 अक्टूबर 2025। भारत और अमेरिका के बीच एक 10 वर्षीय रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं। दोनों देशों के रिश्तों के लिए इसे अहम समझौता बताया जा रहा है। अमेरिका के युद्ध मंत्री ने समझौते पर हस्ताक्षर के बाद कहा कि दोनों देशों के रक्षा संबंध इतने मजबूत कभी नहीं रहे। अमेरिकी युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया कि उनकी भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात हुई और एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर हुए। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच हुआ समझौता क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि सूचनाएं साझा करने, तकनीकी सहयोग बढ़ाने में हम अपने समन्वय को बेहतर कर रहे हैं।

राजनाथ सिंह बोले...दोनों देशों के संबंधों में रक्षा क्षेत्र अहम स्तंभ

भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने समझौते को लेकर कहा कि मुझे लगता है कि आज रक्ष ढांचा समझौते पर हस्ताक्षर के बाद एक नए अध्याय की शुरुआत होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ये समझौता भारत और अमेरिका के बीच की रक्षा साझेदारी की नीतियों को तय करने में मार्गदर्शन करेगा।

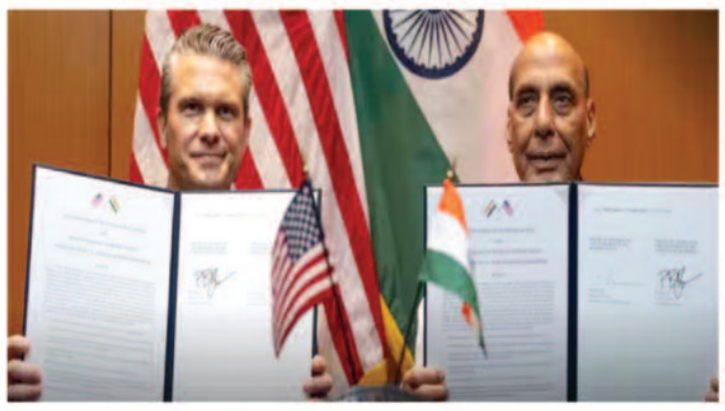

टैरिफ के कारण रद्द हुई थी पिछली मुलाकात

राजनाथ ने इससे पहले अगस्त में वाशिंगटन में हेगसेथ से मिलने की योजना बनाई थी लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय आयात पर टैरिफ दोगुना करके 50% कर दिया और दोनों देशों के बीच संबंध दशकों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए, जिसके बाद राजनाथ सिंह की अमेरिका यात्रा रद्द कर दी गई थी। अब आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए राजनाथ सिंह कुआलालंपुर गए, जहां उनके और अमेरिकी रक्षा मंत्री के बीच इस समझौते पर हस्ताक्षर हुए।

उन्होंने कहा कि हमारे द्विपक्षीय संबंधों में रक्षा क्षेत्र एक अहम स्तंभ है। एक मुक्त, नियम आधारित हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र के लिए हमारी साझेदारी बेहद अहम है। यह समझौता दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक सहयोग के मजबूत होने का संकेत है।

संबंध सुधार की कवायद : पिछले हफ्ते अमेरिका ने रूस की दो शीर्ष कच्चे तेल निर्यातक कंपनियों पर प्रतिबंधों के एलान किया। जिसके बाद भारतीय रिफाइनरियों ने रूसी तेल आयात में कटौती की है, जिसके बाद दोनों देश अब संबंधों के पुनर्निर्माण की संभावना देख रहे हैं। पिछले दिनों दक्षिण कोरिया दौरे के दौरान ट्रंप ने भी कहा कि वह भारत के साथ एक व्यापार समझौता करना चाहते हैं। हाल के वर्षों में अमेरिका और भारत के बीच अच्छे संबंध रहे हैं, लेकिन टैरिफ विवाद और रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर दोनों देशों के संबंधों में थोड़ी गिरावट आई। भारत ने इसे लेकर कहा कि उसे गलत तरीके से निशाना बनाया जा रहा है, जबकि अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगी अपने हितों के अनुसार मॉस्को के साथ व्यापार जारी रखे हुए हैं। इससे पहले भारतीय विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने भी कुआलालंपुर में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के साथ मुलाकात की थी। उस मुलाकात में भी दोनों देशों के बीच संबंधों को बेहतर करने पर चर्चा हुई थी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भी अपने एक बयान में कहा था कि भारत के साथ रिश्तों की कीमत पर अमेरिका, पाकिस्तान से संबंध मजबूत नहीं करेगा।

इस्राइल ने सौंपे 30 फलस्तीनियों के शव, हमास के कब्जे में अभी भी 11 के अवशेष,तनाव बरकरार

यरूशलम,31 अक्टूबर 2025। इस्राइल और हमास के बीच पहले चरण के शांति समझौते के बीच बंधकों और कैदियों की अदला-बदली जारी है, हालांकि इसमें भी तनाव की स्थिति बरकरार है। अब शांति समझौते का पालन करते हुए गाजा में अस्पताल के अधिकारियों ने जानकारी दी है कि इस्राइल ने 30 फलस्तीनियों के शव सौंप दिए हैं। शुक्रवार को यह हस्तांतरण ऐसे समय में हुआ है, जब एक दिन पहले ही गाजा में हमास ने दो बंधकों के अवशेष इस्राइल को सौंप थे। इस्राइली सेना ने गुरुवार को बताया था कि हमास ने गाजा में रेड क्रॉस को मृत बंधकों के अवशेषों से भरे दो ताबूत सौंपे। 10 अक्तूबर से शुरू हुए इस युद्ध विराम का उद्देश्य इस्राइली और हमास के बीच अब तक लड़े गए सबसे घातक और विनाशकारी युद्ध को समाप्त करना है।

इस्राइल के दो शवों की हुई पहचान

इस्राइली सेना ने कहा कि अवशेषों के दो सेट गाजा में रेड क्रॉस को सौंप दिए गए, फिर सैनिक उनको इस्राइल लेकर गए,जहां से पहचान के लिए राष्ट्रीय फोरेंसिक चिकित्सा संस्थान ले जाया गया। वहीं इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने गुरुवार देर रात कहा कि इन अवशेषों की पुष्टि सहर बारूक और अमीरम कूपर के रूप में हुई है,दोनों को 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा किए गए हमले के दौरान बंधक बना लिया गया था,जिसके बाद युद्ध छिड़ गया था। युद्धविराम की शुरुआत के बाद से हमास ने अब तक 17 बंधकों के अवशेष लौटा दिए हैं,जबकि 11 अन्य अभी भी गाजा में हैं और समझौते की शर्तों के तहत उन्हें सौंप दिया जाएगा। हालांकि इस्राइल ने इस बीच गलत शव के अवशेष लौटाने का भी हमास पर आरोप लगाया था।

कौन थे दोनों लोग

बता दें कि सहर बारूक (25), जो किबुत्ज बेरी से अगवा किए गए थे, वो इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू करने वाले थे। उनके भाई इदान की हमले में मौत हो गई थी। तीन महीने बाद इस्राइली सेना ने घोषणा की थी कि सहर एक असफल बचाव अभियान में मारे गए, जबकि अमीरम कूपर, एक अर्थशास्त्री और किब्बुत्ज़ निर ओज के संस्थापकों में से एक थे। उन्हें उनकी पत्नी नूरित के साथ अगवा किया गया था। नूरित को 17 दिन बाद रिहा कर दिया गया था, जबकि जून 2024 में अधिकारियों ने पुष्टि की कि अमीरम कूपर की गाजा में हत्या कर दी गई थी।

लंदन में मुगल काल के पेंटिंग की ऐतिहासिक बिक्री

119 करोड़ में बिका 'चीतों के परिवार' का चित्र

लंदन,31 अक्टूबर 2025। मुगल सम्राट अकबर के प्रिय कलाकार बसावन की तरफ से बनाए गए एक अनोखे लघु चित्र ने इतिहास रच दिया है। यह पेंटिंग ए फैमिली ऑफ चीता इन ए रॉकी लैंडस्केप लंदन के क्रिस्टीज नीलामी में 10,245,000 पाउंड (करीब 119.49 करोड़ रुपये) में बिकी। यह अब तक की सबसे महंगी क्लासिकल भारतीय कलाकृति बन गई है। यह नीलामी 28 अक्तूबर को एक्सेप्शनल पेंटिंग्स फ्रॉम द पर्सनल कलेक्शन ऑफ प्रिंस एंड प्रिंसेस सदरुद्दीन आगा खान शीर्षक से हुई थी। यह पेंटिंग अपने अनुमानित मूल्य से 14 गुना ज्यादा कीमत पर बिकी।

मुगल काल की प्रारंभिक और उत्कृष्ट पेंटिंग में से एक : यह कलाकृति लगभग 1575-80 ईस्वी के बीच की है और इसे मुगल काल की प्रारंभिक और उत्कृष्ट पेंटिंग्स में गिना जाता है। चित्र में एक चीतों का परिवार दिखाया गया है जो हरे-भरे मैदान में आराम कर रहा है। पास ही एक बहती हुई धारा और मुड़े-तुड़े तने वाला बड़ा पेड़ है

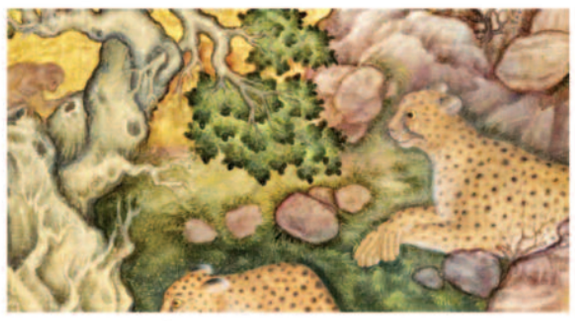

जो उन्हें छांव देता है। नर चीता संतुष्ट भाव से देख रहा है जबकि मादा अपने बच्चों को दूध पिला रही है और एक शावक को साफ कर रही है।

क्रिस्टीज की इस नीलामी में 100% कलाकृतियां बिकीं : क्रिस्टीज की इस नीलामी में कुल 95 पेंटिंग्स थीं, जिनमें भारतीय, फारसी और ऑटोमन कलाकारों के कार्य शामिल थे। इनमें दुस्त मुहम्मद, बसावन, गुलाम अली खान, बिशन सिंह, रेजा अब्बासी और लेवनी जैसे प्रसिद्ध कलाकारों की कृतियां थीं। क्रिस्टीज की इस नीलामी में 100 प्रतिशत कलाकृतियां बिकीं और कुल बिक्री 45.76 मिलियन पाउंड (लगभग 533.79 करोड़ रुपये) तक पहुंची। इसमें 20 देशों के खरीदारों ने हिस्सा लिया।

क्रिस्टीज में ये भी पेंटिंग्स की हुई बिक्री : वहीं अन्य प्रमुख पेंटिंग्स की बिक्री की बात करें तो इसमें महाराव उम्मेद सिंह और जालिम सिंह टाइगर हंटिंग, 1781 ई., 58.94 करोड़ रुपये में बिकी। वहीं ए प्रिंस हॉकिंग, लगभग 1610 ई., 46.12 करोड़ रुपये में बिकी। जबकि दुस्त मुहम्मद की 16वीं सदी की शाह अबुल मआली ऑफ काशगर की पेंटिंग 31.89 करोड़ रुपये में बिकी।

नीदरलैंड्स के पीएम बन सकते हैं समलैंगिक रॉब जेटन : अर्जेंटीना के इंटरनेशनल प्लेयर से रिश्ता,नूपुर शर्मा का समर्थन करने वाले गीर्ट वाइल्डर्स हार सकते हैं

एम्सटर्डम,31 अक्टूबर 2025। नीदरलैंड्स में सेंट्रिस्ट लिबरल डेमोक्रेट्स 66 पार्टी के नेता रॉब जेटन अगले पीएम बन सकते हैं। एग्जिट पोल्स के मुताबिक, उनकी पार्टी को करीब 30 सीटें मिल सकती हैं, जो कट्टर दक्षिणपंथी नेता गीर्ट वाइल्डर्स की पार्टी फॉर फ्रीडम के बराबर है। अगर यह एग्जिट पोल असल आंकड़ों में बदलते हैं तो 38 साल के रॉब देश के सबसे युवा और पहले ओपनली गे (खुले तौर पर समलैंगिक) पीएम भी बनेंगे। जेटन की अगले साल उनके मंगेतर निकोलस कीनन से शादी होने वाली है। निकोलस अर्जेंटीना की पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ी हैं। यह रिजल्ट गीर्ट वाइल्डर्स के लिए बड़ा झटका होगा। उन्होंने अपना चुनावी कैंपेन मुस्लिम अप्रवासियों, समलैंगिकों और जलवायु परिवर्तन की नीतियों के खिलाफ चलाया था। 2022 में नूपुर शर्मा ने जब पैगंबर मोहम्मद पर विवादित बयान दिया था, तब गीर्ट वाइल्डर्स ने खुलकर उनका समर्थन किया था।

टिकटॉक वीडियो वायरल हुआ तो फेमस हुए : साल 2021 में, जेटन और उनके एक साथी डच राजनेता के बीच का एक ब्रोमांस वाला ट्रेडिंग वीडियो टिकटॉक पर बहुत वायरल हुआ था। इसमें दोनों नेता एक दूसरे के साथ मस्ती करते, हंसते और डांस करते दिखे थे। वीडियो वायरल होने के बाद

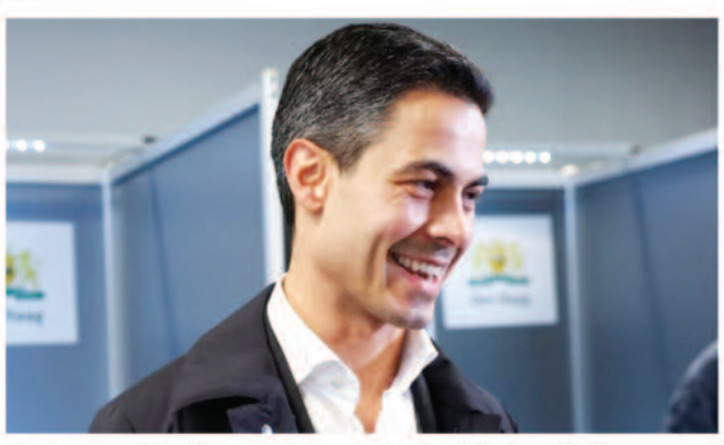

रॉब जेटन युवाओं के बीच मशहूर हो गए। उसी दौरान जेटन की मुलाकात हॉकी प्लेयर निकोलस कीनन से हुई। कीनन अर्जेंटीना की नेशनल टीम में खेलने के अलावा यूरोपीय लीग में भी खेलते हैं। कीनन ने एक सुपरमार्केट में जेटन को पहचान लिया और वहीं से बातचीत शुरू हुई। जेटन ने बाद में एक इंटरव्यू में कहा था कि उन्हें नहीं पता था कि एक टिकटॉक ट्रेंड से उनकी जिंदगी इतनी बदल जाएगी। पिछले साल नवंबर 2024 में दोनों की सगाई हुई।

जेटन ने पॉजिटिव कैंपेनिंग पर जोर दिया था : जेटन ने अपने चुनावी कैंपेन में पॉजिटिव मैसेजिंग पर जोर दिया था। उनका इलेक्शन स्लोगन हां,हम कर सकते हैं काफी फेमस हुआ था। उन्होंने आवास संकट, हेल्थकेयर खर्च, माइग्रेशन और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर फोकस किया। जेटन ने कहा- हमने दिखा दिया कि पॉपुलिस्ट और एक्सट्रीम-राइट को हराना संभव है। लाखों डच लोगों ने नेगेटिव पॉलिटिक्स को नकार दिया और आगे बढ़ने का रास्ता चुना। आवास संकट से निपटने के लिए जेटन ने 10 नए शहर बनाने, हर साल 2 अरब यूरो खर्च करने और 1 लाख घर बनाने का वादा किया है।

जेटन ने 2017 में राजनीतिक करियर की शुरुआत की : रॉब जेटन का जन्म 1987 में हुआ था। वे डी66 पार्टी के लीडर हैं, जो प्रोग्रेसिव और लिबरल विचारों वाली पार्टी है। जेटन ने अपनी राजनीतिक शुरुआत 2017 में सांसद बनकर की। 2022 से 2024 तक वे जलवायु और ऊर्जा मंत्री रहे। जनवरी 2024 से जुलाई 2024 तक डिप्टी पीएम भी रहे। पहले उन्हें रोबोट जेटन कहा जाता था क्योंकि वे कैमरे के सामने बोलने में थोड़े अटकने लगते थे, लेकिन इस बार उन्होंने इमेज चेंज की और लोगों से कनेक्ट किया। 2023 के पिछले चुनाव मेंडी66 को सिर्फ 9 सीटें मिली थीं, लेकिन इस बार जेटन ने पार्टी को नए सिरे संगठित किया। उन्होंने विल्डर्स पर डच पहचान को हाईजैक करने का आरोप लगाया। अब गठबंधन बनाने की प्रोसेस शुरू होगी। जेटन ने कहा कि वे एक मजबूत और स्थिर गठबंधन बनाएंगे, जिसमें सेंटर-लेफ्ट से राइट विंग पार्टियां भी शामिल होंगी। जेटन ने समर्थकों से कहा है कि हम बड़े सपने देखेंगे और बड़े कदम उठाएंगे। नीदरलैंड्स फिर से आगे बढ़ेगा। वहीं वाइल्डर्स ने कहा कि वेडी66 को पीएम बनाने से रोकने की पूरी कोशिश करेंगे। हालांकि ज्यादातर पार्टियां पीवीवी के साथ गठबंधन से इनकार कर चुकी हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय आवारा कुत्तों के लिए बना आरामगृह!

कार्यालय के भीतर आवारा कुत्तों का डेरा...आने-जाने वालों के लिए बना खतरा...अधिकारी मौन

- आवारा कुत्तों के कारण कभी भी घट सकती है कोई घटना,जिला शिक्षा अधिकारी को देना होगा ध्यान
- एक दो नहीं बड़ी संख्या में कुत्तों का कार्यालय के भीतर रहता है डेरा,टेबल कुर्सियों के नीचे वह दिन में ही करते हैं आराम
- कुत्ते कार्यालय के लिए पालतू लेकिन आगंतुकों के लिए वह खतरनाक और जानलेवा

-रवि सिंह-

कोरिया 31 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का रंग-रोगन कर उसे भव्य रूप तो दे दिया गया,लेकिन अंदरूनी व्यवस्था पूरी तरह भगवान भरोसे है। कार्यालय में अव्यवस्था का आलम यह है कि अब वहाँ आवारा कुत्तों ने स्थायी डेरा जमा लिया है, टेबल-कुर्सियों के नीचे बैठे,बरामदे में आराम फरमाते,और परिसर में इधर-उधर घूमते ये कुत्ते अब रोज़ का नज़ारा बन गए हैं। कर्मचारियों से लेकर आगंतुकों तक सभी इनसे परेशान हैं, पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। बता दे की जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय कोरिया का रंग रोगन कर उसको भव्य स्वरूप तो प्रदान कर दिया गया लेकिन यदि कार्यालय के अंदर की व्यवस्था की बात की जाए तो वह भगवान भरोसे है और जिसको लेकर न जिला शिक्षा अधिकारी गंभीर हैं और न ही कार्यालय के अन्य कर्मचारी,कार्यालय में व्याप्त अव्यवस्था की एक तस्वीर दैनिक घटती घटना के हांथ लगी है जिसमें साफ नजर आ रहा है कि आवारा कुत्ते किस तरह कार्यालय में घुसकर आराम से भ्रमण कर रहे हैं कैसे वह कार्यालय में कहीं भी आने जाने स्वतंत्र हैं,आवारा कुत्तों से रेबीज का खतरा भी रहता है यह जानते हुए भी न अधिकारी और न कोई कर्मचारी इस ओर ध्यान देता है कि कैसे आवारा कुत्तों का कार्यालय के भीतर प्रवेश वर्जित किया जाए,बताया जाता है कि आवारा कुत्ते कार्यालय आने वाले लोगों पर हमला भी करने की कोशिश करते हैं और कई बार लोग कुत्तों के हमले से बच चुके हैं, पूरे मामले में यह ध्यान देने वाली बात है कि जब लगातार कुत्तों के हमलों से लोगों के घायल होने गंभीर रूप से घायल होने की खबर सामने आ रही है तो ऐसे में एक दिन भर आगंतुकों के आने जाने वाले कार्यालय के अधिकारी कर्मचारी इस मामले में क्यों नहीं गंभीर हैं वह क्यों नहीं आवारा कुत्तों को कार्यालय के भीतर आने से रोकना चाहते हैं,कार्यालय आने जाने वालों ने ही तस्वीर उपलब्ध कराते हुए बताया कि आवारा कुत्तों का भय बना रहता है कि कब वह हमला कर दें वहीं उन्होंने बताया कि आवारा कुत्ते कार्यालय में कहीं भी नजर आ जाते हैं वह टेबल कुर्सी के नीचे भी बैठे मिल जाते हैं और कई बार बरामदे से लेकर बाहर के गेट तक वह मिल जाते हैं, कुत्तों से डरकर कई बार लोग बिना काम निपटाए निकल जाते हैं ऐसा लोगों का कहना है।वैसे पूरे मामले में जिला शिक्षा अधिकारी को ध्यान देना चाहिए जिससे कभी कोई अप्रिय घटना न घट सके, उम्मीद है खबर प्रकाशन के बाद आवारा कुत्तों के मामले से अनभिज्ञ जिला शिक्षा अधिकारी ध्यान देंगे और वह कम से कम अपने कार्यालय अपने वातानुकूलित कक्ष की बजाए भी अन्य कक्षों का भ्रमण करेंगे और वह आवारा कुत्तों के मामले में ठोस कोई निर्णय लेंगे।

कभी भी घट सकती है कोई घटना

कार्यालय में आने-जाने वाले लोगों के मुताबिक,कई बार आवारा कुत्तों ने हमला करने की कोशिश भी की है, जिससे लोग बाल-बाल बचे हैं, कार्यालय में रोजाना जिलेभर से लोग अपने कार्यों के लिए आते हैं, लेकिन कुर्सियों के नीचे और बरामदे में बैठे कुत्तों के बीच बैठकर उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ता है। लोग भयभीत रहते हैं कि कहीं अचानक कोई कुत्ता काट न ले।

कुत्तों को लेकर सभी मौन,कोई जिम्मेदारी नहीं

कर्मचारी और अधिकारी दोनों इस स्थिति से पूरी तरह बेपरवाह हैं। कई आगंतुकों ने बताया कि उन्होंने इस समस्या की शिकायत मौखिक रूप से कई बार की है, लेकिन न तो जिला शिक्षा अधिकारी ने ध्यान दिया, न ही किसी स्तर पर कोई कदम उठाया गया।

कार्यालय या कुत्तों का अड्डा?

कार्यालय का हर कोना,चाहे लिपिक शाखा हो या बरामदा,कुत्तों से भरा रहता है,दिन के समय भी कुत्ते खुलेआम अंदर घूमते देखे जा सकते हैं। कभी टेबल के नीचे सोते, तो कभी बरामदे में झगड़ते, मानो कार्यालय उन्हीं के लिए बना हो,अब तो कर्मचारी भी इन्हें फ़पालतू मेहमान की तरह देखने लगे हैं,लेकिन आगंतुकों के लिए ये जानलेवा साबित हो सकते हैं।

देशभर में कुत्तों के हमले बढ़े, पर यहां लापरवाही बरकरार

देश और प्रदेश के कई हिस्सों में आवारा कुत्तों के हमलों से घायल या मौत की घटनाएँ सामने आ चुकी हैं, इसके बावजूद कोरिया जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय इस खतरे को नजरअंदाज कर रहा है, आवारा कुत्तों का जमावड़ा प्रशासनिक लापरवाही का जीवंत उदाहरण बन गया है।

अब कार्रवाई का वक्त

खबर सामने आने के बाद अब उम्मीद की जा रही है कि जिला शिक्षा अधिकारी स्वयं कार्यालय का निरीक्षण करेंगे और आवारा कुत्तों को परिसर से बाहर निकालने के लिए ठोस कदम उठाएँगे, आख़िर सवाल यह है कि - क्या कोई बड़ी घटना होने का इंतजार है या प्रशासन अब जागेगा?

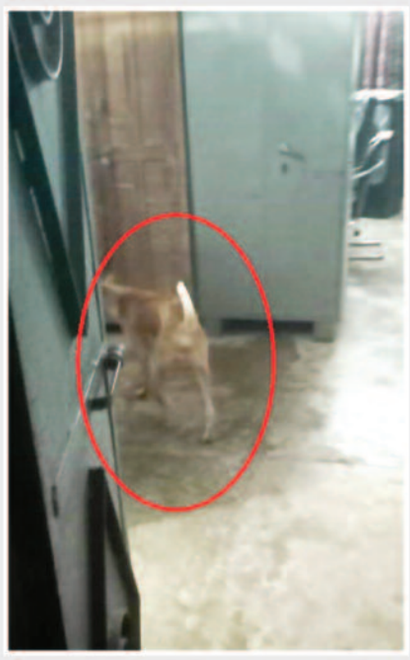

पत्रकारिता संरक्षण पर संगोष्ठी न्यायधानी बिलासपुर में 2 नवंबर को : अ. भा. पत्रकार सुरक्षा समिति

पत्रकार सुरक्षा कानून विधेयक में संसोधन एवं पत्रकारिता संरक्षण पर देश भर के पत्रकार बिलासपुर में

-संवाददाता-

बिलासपुर, 31 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

पत्रकारिता संरक्षण एवं पत्रकार सुरक्षा कानून विधेयक पर संसोधन पर संगोष्ठी के साथ छत्तीसगढ़ के आलावा अन्य राज्यों से आये पत्रकारों का सम्मान अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति छत्तीसगढ़ न्यायधानी बिलासपुर में 2 नवंबर की स्व लखीराम अग्रवाल ऑडिटोरियम में करने जा रहा हैं, अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष जिगनेश कालावाडिया (गुजरात) की सहमति से छत्तीसगढ़ की इकाई को राष्ट्रीय अधिवेशन 2025 का जिम्मेदारी दी गई जिसमे श्री जिग्नेश कालावाडिया ने कहाँ देश का पहला राज्य हैं जहां पत्रकार सुरक्षा कानून विधेयक बना हैं इसलिए ये राष्ट्रीय अधिवेशन रखा गया जिसमे देश के कई राज्यों के पत्रकार इस

अधिवेशन में शामिल होंगे और अपने राज्यों की सरकार तक ये बात पहुंचाने का कार्य करेंगे की छत्तीसगढ़ की तरह उनके राज्यों में पत्रकार सुरक्षा कानून विधेयक लागू किया जाये जिससे पत्रकार स्वतंत्र रूप से पत्रकारिता कर सके। सूरजपुर जिला राजेश सोनी ने बताया की अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति भारत में छत्तीसगढ़ से तीन वरिष्ठ पत्रकार राष्ट्रीय कार्यकारिणी में हैं राकेश प्रताप सिंह परिहार, महफूज खान, नितिन सिन्हा जैसे पत्रकारों ने छत्तीसगढ़ में लागू पत्रकार सुरक्षा कानून विधेयक को अधूरा बताया इसलिए इस अधिवेशन में पत्रकारिता संरक्षण के साथ सुरक्षा कानून विधेयक में संसोधन की बात हमारा संगठन कर रहा हैं और उसी पर इस अधिवेशन में चर्चा की जाएगी और विष्णु देव सरकार तक ये मैसेज भी भेजा जायेगा की इस विधेयक में छत्तीसगढ़ के पत्रकारों को क्या चाहिए और उसे इस विधेयक में संसोधन कर जोड़ा जाये, एबीपीएसएस के प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द शर्मा ने बताया की इस राष्ट्रीय अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में हमारे बीच केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, विशिष्ठ अतिथि के रूप में बिलासपुर विधायक पूर्व केबिनेट मंत्री अमर अग्रवाल, कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव शामिल होंगे जो हमारे और सरकार के बीच सेतु का कार्य करते हुए हम पत्रकारों की बात को सरकार तक पहुंचाने का कार्य करेंगे इसके अलावा दिल्ली से वरिष्ठ पत्रकार श्री सी पी जोशी,नागपुर से अविनाश काकड़े एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश के पत्रकार संगठनों के मुखिया प्रदेश अध्यक्षों और रायपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष, बिलासपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष को भी इस अधिवेशन में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया हैं जो हमारे बीच पत्रकारिता संरक्षण और सुरक्षा कानून विधेयक पर इस संगोष्ठी पर चर्चा करेंगे इसके अलावा अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति छत्तीसगढ़ इकाई के हजारों पत्रकार प्रदेश के कोने कोने से इस अधिवेशन में शामिल होंगे, अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति छत्तीसगढ़ के प्रदेश एवं जिला पदाधिकारियों ने संगठन से जुड़े सभी पत्रकारों से अपील की हैं इस अधिवेशन में अधिक संख्या में पहुंच कर सरकार तक बात पहुंचाने का कार्य करें और सुरक्षा कानून विधेयक संसोधन बिल लाने के लिए अपील करें जिससे हमें स्वतंत्र रूप से पत्रकारिता करने की आजादी मिल सके।

छत्तीसगढ़ फैशन शो में चिरमिरी की बेटी गौतमी स्वामी ने दिखाया हुनर

-संवाददाता-

चिरमिरी,31 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

सच ही कहा गया है कि सफलता को किसी स्थान या संसाधन की मोहताज नहीं होती, बल्कि वह तो योग्यता पर निर्भर है। सफलता केवल यह देखती है कि उस मंजिल का आश्रय चाहने वाले ने इस मुकाम के लिए कितना कठिन परिश्रम, लगन और तजुर्बे से अपना योगदान दिया है, इसी मान्यता को सच कर दिखाने के अपने सपने को साकार किया है, चिरमिरी की होनहार बेटी सुश्री गौतमी स्वामी ने। विगत दिनों राजधानी रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ मिस्टर एण्ड मिसेस आईकॉन प्रतियोगिता 2025 में सुश्री गोतमी ने अपने विवेक, क्षमता और योग्यता से द्वितीय स्थान का खिताब प्राप्त कर फैशन शो में धमाल कर दिखाया है। चिरमिरी के इस होनहार बेटी के सफलता की जानकारी मिलने पर शहर के कांग्रेसी स्वामी परिवार के हल्दीबाड़ी निवास जाकर, सफल प्रतिभागी बच्ची सुश्री गौतमी सहित उनके पिता कन्हैया स्वामी, माता श्रीमती लावन्या स्वामी एवं परिजनों को शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर,प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दिए। इस अवसर पर पूर्व महापौर के. डोमरु रेड्डी प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव सुभाष कश्यप, नग निगम के नेता प्रतिपक्ष पूर्व सभापति श्रीमती गायत्र बिरहा, वार्ड पार्षद श्रीमती माधुरी कश्यप, कांग्रेस सेवादल जिला अध्यक्ष राणा दास, कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के जिला अध्यक्ष बीरु खान, कामगार कांग्रेस के प्रदेश सचिव प्रदीप प्रजापति, ब्लाक कांग्रेस सचिव देवनंदन राजवाड़े, श्रीमती जॉली राय, श्रीमती रिंकि पोड़िया, श्रीमती कविता सोंधिया, श्रीमती सीमा भगत श्रीमती रीता, एनएसयूआई जिला सचिव विश्वजीत दासगुप्ता, राहुल मलिक, सेवादल ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश प्रसाद आदि सम्मिलित हुए।

सूरजपुर पुलिस ने राष्ट्रीय एकता दिवस पर बाईक चालकों को जागरूक करने निकाली हेलमेट रैली,दिया सड़क सुरक्षा का संदेश

-संवाददाता-

सूरजपुर,31 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर सुरक्षित और सुगम यातायात सुनिश्चित करने के लिए सूरजपुर पुलिस ने हेलमेट जागरूकता रैली का आयोजन किया। पुलिस लाईन से निकली इस रैली ने शहर के विभिन्न स्थानों का भ्रमण करते हुए दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने प्रोत्साहित किया। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने रैली को हरी झंडी दिखाकर कहा कि दुर्घटना की स्थिति में दुपहिया वाहन चालकों के जीवन बचाने में हेलमेट का योगदान काफी महत्वपूर्ण है, हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का पालन करने संबंधी सावधानियों से सफर को सुरक्षित बनाया जा सकता है, इस रैली का मकसद नागरिकों को यातायात नियमों एवं हेलमेट पहनने के लिए प्रोत्साहित करना था। दोपहर 12.00 बजे पुलिस लाईन सूरजपुर से रैली की शुरुआत हुई। यहां से रैली भैयाथान रोड़, मनेन्द्रगढ़ रोड़, केतका रोड़,अम्बिकापुर रोड,कर्मा चौक होते हुए थाना सूरजपुर में संपन्न हुई। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने बताया कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जा रहा है। इसी परिपेक्ष्य में सूरजपुर पुलिस ने हेलमेट जागरुकता रैली का आयोजन आज किया। इससे लोगों में दुपहिया वाहन चलाने के दौरान हेलमेट पहनने के प्रति जागरूकता प्रदर्शित होगी। इस रैली में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, सीएसपी एस.एस.पैंकरा, एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी, थाना प्रभारी सूरजपुर विमलेश दुबे, यातायात प्रभारी बृजकिशोर पाण्डेय सहित काफी संख्या में पुलिस के अधिकारी एवं जवान शामील हुए।

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

लखनपुर दिनांक- 16.10.2025

ईश्तहार

प्रति

समस्त ग्रामवासी
ग्राम-जयपुर
तहसील-लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका भुनेश्वर मरई आ0 दजु मरई ग्राम निवासी जयपुर तहसील लखनपुर के द्वारा अपने चाचा स्व. कुलु की मृत्यु दिनांक 02.03.2009 को हो जाने से (जन्म मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ0ग0 जन्म - मृत्य रिज0 नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत मृत्यु प्रमाण- पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिस पर दिनांक 06/11/2025 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथी 06/11/2025 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात् प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

सील — तहसीलदार लखनपुर जिला-सरगुजा

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क0 202510021300060/अ-27 /2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मानू मंडल आ. स्व. जगदीश मंडल, निवासी ग्राम अजिरमा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा द्वारा ग्राम अजिरमा स्थित भूमि खसरा न0 262, 357, 359,360,361/1,362/1 रकबा क्रमांक 0.860, 0.040, 0.030, 0.200, 0.430, 0.040 हे0 भूमि का अनावेदक पवित्र मंडल आ0 स्व. जगदीश मंडल व अन्य, निवासी ग्राम अजिरमा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के मध्य खाता विभाजन कराने बावत् आवेदन छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा, 178 के तहत् प्रस्तुत की गई है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 21/11/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 29/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202510020700101

विषयः-अ-27 मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्:-2025-26

माझापरा प.ह.नं.00026 (हे.)]

पक्षकारों का विवरणः-

आवेदक पक्षकार- बसंतलाल, करिश्मा,शुशीला,तशिला,प्रियंका, अदित्या,आँचल, कैलासो रंगलाल.

अनावेदक पक्षकार -बसंत, रंगलाल, करिश्मा, शुशीला, तर्शिला, प्रियंका, अदित्या, आँचल, कैलासो,रंगलाल,

ईश्तहार

आवेदक रंगलाल आ0 स्व0 मैनेजर, निवासी ग्राम माझापारा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम माझापारा स्थित कुल खसरा नंबर 25 कुल रकबा 6.800 हे0 भूमि को उभयपक्ष के मध्य में 1/2 अंश में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 17.11.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/10/2025 को जारी किया जाता है।

सील — उमेश्वर सिंह बाज तहसीलदार, अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202510020700100

विषयः-अ-27 मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्:-2025-26

सुन्दरपुर प.ह.नं.00026

पक्षकारों का विवरणः-

आवेदक पक्षकार-बसंतलाल, करिश्मा,शुशीला,तशिला,प्रियंका, अदित्या,आँचल,मुं.कैलासो रंगलाल.

अनावेदक पक्षकार -बसंत, रंगलाल, करिश्मा, शुशीला, तर्शिला, प्रियंका, अदित्या, आँचल,मुं.कैलासो,रंगलाल,

ईश्तहार

आवेदक रंगलाल आ0 स्व0 मैनेजर, निवासी ग्राम माझापारा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम माझापारा स्थित कुल खसरा नंबर 25 कुल रकबा 6.800 हे0 भूमि को उभयपक्ष के मध्य में 1/2 अंश में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 17.11.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/10/2025 को जारी किया जाता है।

सील — उमेश्वर सिंह बाज तहसीलदार, अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क0 202504020700138 /अ-27 (4)/2024-25

ईश्तहार

फर्द बटवारा का अंतिम प्रकाशन

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के रा0प्र0क्र02025040207001 38/अ-27 / 2024-25 पक्षकार निरंजन राय प्रति मोहन राय वगै में ग्राम सुभाषनगर स्थित खसरा नंबर 202/2, 214/4 रकबा क्रमशः 0.022, 0.560 हे. भूमि का फर्द बंटवारा सूची हल्का पटवारी से प्राप्त हुआ है, जिसका अंतिम प्रकाशन कराया जा रहा है। अतः उक्त फर्द बंटवारा में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 14/11/2025 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 24/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0/अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संजीत कुमार गुप्ता आ. श्री सखीप्रसाद गुप्ता, जाति केशरवानी, निवासी केदारपुर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा ग्राम रनपुरखुर्द स्थित भूमि खसरा नंबर 585/4 रकबा 0.015 हे. भूमि को विक्रेता श्रीमती किरण जायसवाल पत्नी बिन्दु जायसवाल, जाति जायसवाल, निवासी बौरीपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा दिनांक 17.10.2019 को पंजीबद्ध विकय पत्र के माध्यम से क्रय किया गया है। आवेदक द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर विक्रेता का नाम विलोपित कराकर अपना से नामांतरण बावत् आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 21/11/2025 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है । समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 29/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2

खनिज संपदा,दुर्लभ जड़ी-बूटी और पर्यटन के अवसरों से समृद्ध कोरिया जिला उद्योग, स्वास्थ्य व शिक्षा सुविधाओं की राह देखता हुआ...

उपलब्ध रोजगार शिक्षा पानी स्वास्थ्य सुविधाएं आवासीय भवनों की हुई बढ़ोत्तरी, वनांचलों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव

अविभाजित मध्यप्रदेश से छत्तीसगढ़ राज्य बने हो गए 25 साल आज भी सम्भावनाओ के बीच सुविधाओ की तलाश

राज्य बनने के बाद से बदली पांच सरकारें,सबने अपने स्तर से किया प्रयास पर अभी बहुत से क्षेत्रों को है बुनियादी विकास की जरूरत

स्कूलों की संख्या,सिंचाई रकबा कृषि सुविधाओं, पंचायतों की संख्या में हुई बढ़ोत्तरी

25 सालों में बनी सैकड़ो नई सड़के पर अभी भी सड़को की काफी जरूरत

उद्योग विस्तार की राह थमी, औद्योगिक क्षेत्र में नहीं हुए सकारात्मक प्रयास

-राजन पाण्डेय-

कोरिया,31 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन को 25 वर्ष बीत चुके हैं। इन वर्षों में कोरिया जिला कई मायनों में बदला है शिक्षा,सड़क और सिंचाई सुविधाओं में वृद्धि हुई है,परंतु बुनियादी विकास की दौड़ में अब भी कई वनांचल और ग्रामीण क्षेत्र पीछे हैं, कभी रियासतकालीन वैभव और प्राकृतिक संपदा से सम्पन्न कोरिया आज भी उद्योग, स्वास्थ्य और रोजगार के स्थायी अवसरों की प्रतीक्षा में है।

आपको बता दे की कोरिया जिला ऐतिहासिक और पौराणिक रूप से हमेशा समृद्ध रहा है कोरिया की धरती प्राकृतिक संसाधनो से भरपूर है कोरिया रियासत के राजा रामानुज प्रताप सिह देव ने 1941 में यहां शिक्षा की अलख जगाई थी परन्तु आज भी उद्योग एवं मानक स्तर के संस्थान नही खोले जा सके है। कोल खनन कार्य में बड़े अधिकारीयों से लेकर कर्मचारीयों तक अधिकांश बाहरी लोग आसीन है । राज्य गठन के बाद लोगों को एक उम्मीद जगी थी की विकास के मार्ग खुलेंगे लेकिन,लेकिन उम्मीद के मुताबिक काम नही हो सका राज्य बने 25 साल हो गए पांच सरकारें बदली 25 साल की सरकार में लगभग 17 साल भाजपा और 8 साल कांग्रेस ने को मौका मिला सभी ने लोगो के लिए योजनाएं लाई, राज्य को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने का प्रयास किया बहुत से कार्य हुए भी लेकिन आज भी कई गांवों की स्थिति दयनीय है जिन्हें विकास से जोड़ने की सतत जरूरत है। कोरिया को जिले का दर्जा मिले हुए करीब 27 वर्ष पूर्ण होने को हैं,लेकिन शासन प्रशासन द्वारा कई ग्रामो में जिलावासीयों को मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं कराई जा सकी हैं। कर्मचारियों के निवास करने के लिए पूर्ण रूप से अच्छे शासकीय आवास तक नहीं हैं। कई सड़के बनी लेकिन कई ग्रामीण सड़कें जर्जर हालत में हैं,प्रमुख नदियों पर सियासत काल में बनाए गए कालातीत हो चुके पुलों पर नया निर्माण हुआ,ग्रामीण इलाकों के स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सक नहीं रहना चाहते थे बावजूद इसके स्वस्थ्य सुविधाएं काफी कुछ बढोत्तरी हुई है, वहीं खनिज संसाधनों की प्रचुरता के बावजूद जिले में उद्योगों की स्थापना नहीं होने के कारण यहां का खनिज अन्य राज्यों को बेचा जा रहा है,जिले में शिक्षा के स्तर की हालत पहले से कुछ बेहतर हुई है लेकिन विद्यालयों में शिक्षक व भवन की कमी सर्वविदित है,रोजगार के संसाधन उपलब्ध नहीं होने से यहां के शिक्षित बेरोजगारों को रोजी रोटी की समस्या सता रही है। पर्यटन के क्षेत्र में असीम संभावनाएं होने के बावजूद सरकार की उदासीनता से पर्यटन को बढ़ावा नहीं मिल पा रहा है। यहां के वनों में प्राप्त दुर्लभ वनौषधियों वनों तक ही सीमित हैं, शासन प्रशासन की सार्थक पहल से जिले का विकास तीव्र गति से हो सकते हैं, कोरिया जिलें में बेशकीमती खनिजों का खजाना है, वही उद्योगों को शासन प्रशासन द्वारा बढ़ावा न दिये जाने से जिले की खनिजों को अन्य राज्यों में बेचा जा रहा है,एसईसीएल द्वारा जिले के चरचा चिरमिरी पाण्डव पारा व अन्य क्षेत्र में कोयला की अनेक खदानें हैं, कोयले की गुणवत्ता भी उच्च है। इसके बावजूद जिले में उद्योगों की स्थापना न होने से अन्य राज्यों में स्थापित कोयले पर आधारित उद्योगों द्वारा कोयले को बड़ी कंपनियों द्वारा खरीदा जा रहा हैं, जिले के कई क्षेत्रों में पत्थर व रेत भी प्रचुर मात्र में है। इनके अवैध उत्खनन से राजस्व समेत पर्यावरण को भी क्षति पहुच रही है।

कृषि सिंचाई और शिक्षा के आँकड़े (2000-2025)

मापदंड	वर्ष 2000	वर्ष 2025	वृद्धि
सिंचित रकबा	18,013 हे	21,102 हे.	+3,089 हे.
सिंचाई प्रतिशत	13.72 प्रतिशत	34.55 प्रतिशत	+20.83 प्रतिशत
प्राथमिक विद्यालय 2	81	387	+106
उच्च माध्यमिक विद्यालय	22	37	+15
छात्र संख्या	21,051	37,172	+16,121

जिले के बारे में संक्षिप्त जानकारीः-

जिलाः कोरिया (छत्तीसगढ़)

स्थापनाः 25 मई 1998 (मध्य प्रदेश से अलग होकर)

छत्तीसगढ़ राज्य में सम्मिलनः 1 नवम्बर 2000

नामकरणः पूर्व रियासत कोरिया के नाम पर

जिले की स्थिति एक नजर में...

विवरण	आँकड़े
जिला स्थापना वर्ष	1998
नगर निगम	0
नगर पालिका	1
नगर पंचायतें	2
विकासखंड	2
कुल ग्राम	286
कुल जनसंख्या	2,77,000
साक्षरता दर	70.06 प्रतिशत
मुख्य रेलवे स्टेशन	3
मुख्य खनन क्षेत्र	चरचा, पाण्डवपारा,झिलमिली
कोल खनन मुख्यालय	बैकुंठपुर
वन क्षेत्र	कुल क्षेत्रफल का लगभग 59 प्रतिशत

ये हैं जिले के गौरव

गौरघाट जलप्रपातः ग्राम बसेर के पास स्थित यह जलप्रपात अपने अनोखे प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है...

कोरिया पैलेसः 1946 में बना यह महल नागपुर के इंजीनियर द्वारा डिजाइन किया गया था। इसकी विशेषता यह है कि इसमें सीमेंट की जगह चूना और बेल का उपयोग किया गया है...

पांडव स्थलः भरतपुर ब्लॉक के हरचौका गुफा में प्राचीन मूर्तियां व 12 शिवलिंग हैं। माना जाता है कि पांडव अज्ञातवास के दौरान यहां ठहरे थे...

गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यानः बैकुंठपुर से 35 किमी दूर स्थित यह वन क्षेत्र अब टाइगर रिजर्व घोषित है, जहां 15 से अधिक ऐतिहासिक स्थल हैं...

बलमगढ़ीः सोनहत क्षेत्र की ऊँची पहाड़ी पर स्थित यह स्थान पर्यटन के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुका है...

झुमका वॉटर क्लबः बैकुंठपुर स्थित झुमका जलाशय में बना यह क्लब स्थानीय पर्यटन का नया केंद्र बन रहा है...

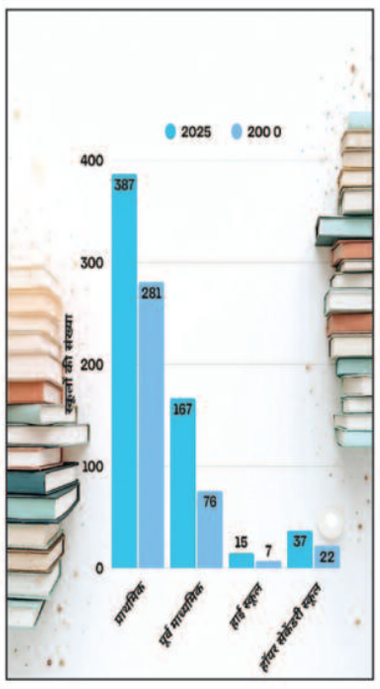

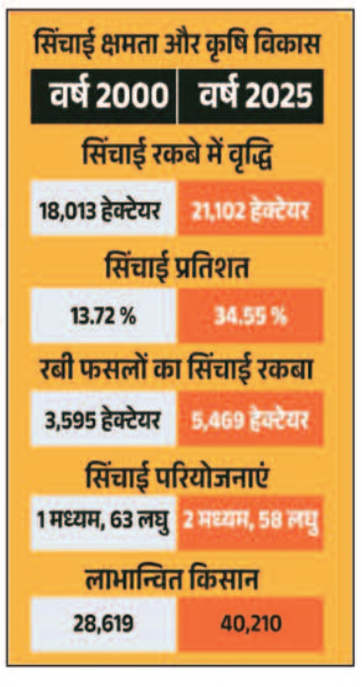

शिक्षा अधोसंरचना में प्रगति 2000 से अब तक

प्राथमिक विद्यालय 281 से बढ़कर 387

माध्यमिक विद्यालय 76 से 167

हायर सेकेंडरी विद्यालय 22 से 37

छात्र संख्या 21,051 से बढ़कर 37,172

यह बताता है कि जिले में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है...

पर्यटनः 'प्राकृतिक सौंदर्य पर सरकारी बेरुखी भारी'कोरिया के पास पर्यटन के असीम अवसर हैं...

गौरघाट जलप्रपातः छत्तीसगढ़ के अद्भुत जलप्रपातों में एक

कोरिया पैलेसः 1946 में बना,पूरी तरह चूना-बेल से निर्मित अनोखा महल

हरचैका गुफा (पांडव स्थल): ऐतिहासिक मूर्तियों और शिल्पकला का केंद्र

गुरुघासीदास राष्ट्रीय उद्यानः टाइगर रिजर्व घोषित, 15 ऐतिहासिक स्थलों सहित

बलमगढ़ी और झुमका वोट क्लबः तेजी से उभरते स्थानीय पर्यटन केंद्र

पर्यटन ढांचे के विकास और प्रचार की कमी से यह क्षेत्र अपने पूर्ण सामर्थ्य तक नहीं पहुंच पाया है...

जिले के इतिहास की जानकारी

छत्तीसगढ़ राज्य के उत्तर-पश्चिमी भाग में स्थित कोरिया जिला प्राकृतिक संपदा और ऐतिहासिक महत्व से परिपूर्ण क्षेत्र है। यह जिला पूर्व में मध्यप्रदेश राज्य के अंतर्गत था और 25 मई 1998 को सरगुजा जिले से पृथक होकर अस्तित्व में आया,राज्य पुनर्गठन के पश्चात 1 नवम्बर 2000 को छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के साथ ही कोरिया इस नए राज्य का अभिन्न हिस्सा बन गया। जिले का नाम इसकी प्राचीन रियासत कोरिया से लिया गया है,जिसकी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत आज भी जिले की पहचान बनी हुई है।

उद्योग और संसाधनः खनिज संपदा पर दूसरे का कब्जा

कोरिया की धरती कोयला,पत्थर और रेत जैसे खनिजों से भरपूर है। चरचा,पाण्डवपारा,चिरमिरी जैसे क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता का कोयला निकलता है, परंतु जिले में कोई बड़ा उद्योग स्थापित नहीं हो सका। बाहरी कंपनियां खनिज निकालकर ले जाती हैं जबकि जिले के युवा रोजगार के लिए बाहर जाने को मजबूर हैं। स्थानीय स्तर पर उद्योग न होने के कारण खनिजों का मूल्यवर्धन बाहर हो रहा है और जिले का राजस्व भी सीमित रह गया है।

उद्योग विकास की राह थमी

1929 में बिजुरी से चिरमिरी तक रेलखंड की नींव रखी गई, 1931 में कोल उत्पादन शुरू हुआ,चिरमिरी,खुरासिया,चरचा और पाण्डवपारा क्षेत्र कोल उत्पादन के प्रमुख केंद्र बने,परंतु जिले को उसका लाभ नहीं मिल सका, राज्य गठन के बाद भी कोई बड़ा उद्योग नहीं खुला,जिससे रोजगार के अवसर सीमित हैं और युवा पलायन को मजबूर हैं।

जल संकट और सिंचाईः राजाओं के तालाबों से लेकर अधूरे डेम तक

राजा बालेन्द्र और राजा रामानुज प्रताप सिंह देव ने कोरिया की जल जरूरतों को समझकर सैकड़ों तालाब खुदवाए थे। डॉ. रामचंद्र सिंहदेव के कार्यकाल में गेज, झुमका, घुनघुटा और टेडिया बांध बने, परंतु बाद के वर्षों में जल प्रबंधन ठहर गया,कई नहरें और एनीकट भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गए,आज भी किसान मानसून पर निर्भर हैं और ग्रामीणों को पेयजल के लिए कई किलोमीटर चलना पड़ता है।

सड़कें और संचारः 'पगडंडियों पर चलता विकास'

प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के बावजूद कई वनांचल सड़कों का हाल बेहाल है, सोनहत,आनंदपुर,गिधेर,पलारीडांड़, रेवला जैसे गांव आज भी पक्की सड़क से वंचित हैं,कई अधूरे निर्माण वर्षों से फाइलों में अटके हैं। प्रशासनिक सख्ती और जवाबदेही से ही यह काम तेज़ हो सकते हैं।

ग्रामीण सड़कें खस्ताहाल

सड़कें विकास की रीढ़ होती हैं,परंतु कोरिया जिले की सड़कों की स्थिति बदहाल है,प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत कई मार्ग अधूरे पड़े हैं। सोनहत विकासखंड के आनंदपुर,गोयनी,धनपुर,गिधेर,पलारीडांड़, रेवला,सेमरिया और सुक्तरा जैसी सड़कों पर सफर जान जोखिम में डालने जैसा है। प्रशासनिक लापरवाही के कारण निर्माण कार्य वर्षों से ठप पड़े हैं। आवश्यक है कि प्रशासन निर्माण एजेंसियों पर सख्त कार्रवाई करे।

अब भी सड़कों की दरकार-

राज्य गठन के बाद सैकड़ों सड़कों का निर्माण हुआ,लेकिन हर्रा डीह, देवतीडांड़,कुर्थी,बघवार,सेमरिया,पलारी,ठाकुरहाठी,मझगवां,निग्नोहार जैसे कई गाँव आज भी सड़कों से वंचित हैं। इन क्षेत्रों में सड़क पहुँच जाने से शिक्षा,स्वास्थ्य और रोजगार जैसी योजनाएँ प्रभावी ढंग से लागू हो सकेंगी।

शिक्षाः रियासत की परंपरा,आज की चुनौतियाँ

राजा रामानुज प्रताप सिंहदेव ने 1941 में शिक्षा को अनिवार्य किया था और मध्यान भोजन की शुरुआत भी उन्हीं के काल में हुई, आज जिले में प्राथमिक विद्यालयों की संख्या 281 से बढ़कर 387, और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की संख्या 22 से बढ़कर 37 हो चुकी है, आत्मानंद स्कूलों की शुरुआत से गुणवत्ता में सुधार हुआ है, पर सीमित सीटों के कारण सबको लाभ नहीं मिल पा रहा, उच्च शिक्षा में मेडिकल कॉलेज का न होना अब भी जिले की बड़ी कमी है।

कोरिया की भौगोलिक पहचान,प्राकृतिक संपदा और ऐतिहासिक संदर्भ

कोरिया छत्तीसगढ़ के उत्तर-पश्चिमी अंचल में स्थित है। यह उत्तर में मध्यप्रदेश,दक्षिण में सरगुजा और सूरजपुर जिलों से घिरा हुआ है, कोयला,पत्थर, रेत,दुर्लभ जड़ी-बूटियाँ और घने वन जिले की पहचान का प्रमुख आधार हैं, पूर्व में कोरिया रियासत का मुख्यालय बैकुंठपुर रहा, रियासत कालीन कोरिया पैलेस, राजा रामानुज प्रताप सिंह देव और उनके द्वारा निर्मित तालाब व शिक्षण संस्थान आज भी गौरव गाथा बयां करते हैं।

जरूरत है तो ठोस नीति,सतत निगरानी और ईमानदार प्रशासनिक पहल कीःरवि सिंह

दैनिक घटती-घटना के विशेष संवाददाता रवि सिंह ने कहा कि कोरिया जिला इतिहास,प्राकृतिक संपदा और मानवीय संस्कृति का संगम है, यहाँ संभावनाएं अपार हैं बस आवश्यकता है ठोस नीति,सतत निगरानी और ईमानदार प्रशासनिक पहल की,ताकि विकास की रफ्तार जिले के हर कोने तक पहुँचे।

एक जन्नत की सैर पचमढ़ी

मध्य प्रदेश के हिल स्टेशन पचमढ़ी की खूबसूरती और यहां की आबोहवा सर चढ़ कर बोलती है। आप एक बार यहां पहुंचें कि यहां की खुशबूदार हवा, फाउंटेन, मनमोहक पेड़-पौधे, पहाड़ और दूर-दूर तक चारों तरफ फैली हरियाली आपकी आंखों के सामने नैसर्गिक सौंदर्य का संसार प्रस्तुत कर देगी।

अतुल्य भारत..! वाकई, जिसने भी कहा, यूं ही नहीं कहा। अपनी गोद में अप्रतिम सौन्दर्य और प्राचीन विरासत को समेटे यह शुरू से ही लोगों को आकर्षित करता रहा है। बिल्कुल ऐसा ही अहसास होता है मध्य प्रदेश के हिल स्टेशन पचमढ़ी पहुंच कर। अगर आप यहां नहीं आए हैं तो नाम तो सुना ही होगा। और अगर आए हैं तो मध्य प्रदेश की सरजमीं पर बैठी

स्वर्ग-सी लगती यह जगह आपकी स्मृतियों में निश्चित रूप से आज भी बसी होगी। पचमढ़ी, जहां पहुंच कर आप कश्मीर जैसी खूबसूरती और पोखरा (नेपाल) जैसी शांति पाएंगे। यहां इतिहास, कुदरत और प्रकृति का अद्भुत संगम है। लगभग 60 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले पचमढ़ी को लोग सतपुड़ा की रानी के नाम से भी जानते हैं। समुद्र तल से 1100 मीटर की ऊंचाई पर बसे इस शहर की आबादी लगभग 12 हजार है और उसमें भी भारतीय सेना की संख्या ज्यादा है, क्योंकि यह पूरा एरिया सैनिक छावनी है। यहां की जीवनशैली आज भी बाहरी चकाचौंध से अछूती है। अगर आप भी कुदरत के सौन्दर्य को प्रेम करते या करना चाहते हैं तो उठाइए अपना ट्रेवल बैग और पहुंच जाइए इस छोटी-सी सैरगाह में, सुकून और प्रदूषणरहित वातावरण में कुछ पल बिताने के लिए।

जैसे-जैसे पचमढ़ी की ओर बढ़ते जाएंगे, ठंडी हवा के झोंके आपके तनमन को छूते हुए आपको रोमांचित करते जाएंगे। यकीन मानिए, रास्ते में आने वाले ढाबे पर मिलने वाली गर्मागर्म चाय की चुस्कियों के साथ यात्रा का आनंद और भी बढ़ता जाएगा। यहां पर आपको जैन, वैष्णो और स्थानीय व्यंजनों का भरपूर लुफ्त उठाने का मौका मिलेगा।

शहरी आबादी को छोड़ कर जैसे ही गाड़ी पहाड़ों में प्रवेश करती है आपको प्राकृतिक जल-प्रपात, घने जंगल और दुर्लभ किस्म के पेड़ दिखने लगते हैं, जिन्हें देख कर बरबस ही आपके मुंह से तारीफ निकल पड़ेगी। इस यात्रा के साथ जुड़ी एक खास बात और है। यहां आने वाला हर यात्री पंचमढ़ी के रास्ते में पड़ने वाले बीड़ी बाबा की मजार पर रुके बिना आगे नहीं बढ़ता। ऐसी मान्यता है कि बाबा को बीड़ी की भेंट चढ़ाए बिना अगर यात्रा शुरू की जाती है तो कोई न कोई अनहोनी जरूर होती है। बहुत कम लोग यह जानते हैं कि पचमढ़ी का नाम पचमढ़ी कैसे पड़ा। यहां पांच गुफाएं हैं, जिन्हें पांडव गुफा कहा जाता है, जहां पांडवों ने अपने अज्ञातवास के कुछ दिन बिताए थे। पंच+मढ़ी यानी पांच गुफाएं। बाद में यह पचमढ़ी नाम ही चलन में आ गया। आप यहां गुप्त महादेव, जटा शंकर, धूपगढ़ी, हांडी खोह, बी फॉल, पंचमढ़ी हिल, अप्सरा फॉल, रीछ गढ़, रजत प्रपात, पिकादेली सर्कस, भारतीय सैनिक म्यूजिक स्कूल जैसी तमाम जगहें देख सकते हैं। गुप्त महादेव में आपको अद्भुत शांति और सौंदर्य का आनंद मिलेगा। एक और खास बात, जो आपको यहां देखने को मिलेगी, वो है भगवान राम के दूत बन्दर, लेकिन उनसे परेशानी महसूस नहीं होगी। जब आप यहां पहुंचे हैं तो बोटिंग का भी लुत्फ उठा ही लें। अद्भुत सौंदर्य बिखेरती यहां की शाम भी हर टूरिस्ट को आकर्षित करती है। सतपुड़ा की चोटी से डूबते सूरज का धरती के आगोश में जाने का नजारा आपकी जिंदगी का सबसे खूबसूरत और यादगार नजारा बन जाएगा। सतपुड़ा में आने के बाद अगर आपकी किस्मत अच्छी रही तो जंगल के सबसे खूबसूरत प्राणी बाघ के दर्शन हो जाएंगे, क्योंकि सतपुड़ा बाघों के लिए सुरक्षित है। आप पूरे साल यहां आ सकते हैं, पर सबसे उपयुक्त समय अक्टूबर से मई के बीच का है। आप अपने साथ यहां आते समय एक जोड़े स्पोर्ट्स जूते रखना ना भूलें, क्योंकि पहाड़ी रास्तों पर चलने के लिए उनकी जरूरत पड़ती है। यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा भोपाल में है, जो 195 किलोमीटर की दूरी पर है। दिल्ली, मुंबई, जबलपुर और इंदौर से भोपाल तक लगातार विमानों की सुविधा उपलब्ध है। हवाई जहाज के अलावा यहां ट्रेन और बस से भी पहुंचा जा सकता है। ट्रेन मार्ग से अगर आप दिल्ली से अपना सफर शुरू करते हैं तो भारतीय रेल आपका साथ हबीबगंज (पिपरिया) तक देगी। उसके बाद का सफर टैक्सी और बस के जरिए पूरा किया जा सकता है। किराए पर आपको जिप्सी इत्यादि आसानी से उपलब्ध हो जाएंगे।

कैसे पहुंचें

वायु मार्ग : नजदीकी हवाई अड्डा भोपाल में है, जो यहां से 195 किलोमीटर है। भोपाल से सड़क मार्ग द्वारा यहां पहुंचने में 5-6 घंटे लग जाते हैं।

रेलमार्ग : नजदीकी रेलवे स्टेशन देवरिया सिर्फ 47 किलोमीटर की दूरी पर है, जहां से आप टैक्सी लेकर पचमढ़ी पहुंच सकते हैं।

सड़क मार्ग : पचमढ़ी भोपाल, नागपुर, पिपरिया और होशंगाबाद से सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है और यहां के लिए नियमित बसें चलती हैं।

कहां ठहरें : पचमढ़ी में ठहरने की बहुत अच्छी व्यवस्था है। टूरिस्ट बंगले, हॉलीडे होम्स और कॉटेज तो हैं ही, सस्ते-सस्ते रेस्ट हाउस भी हैं, जो आपके बजट में रहेंगे।

केरल का खूबसूरत हिल स्टेशन मुन्नार

केरल का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है मुन्नार। यहां पर्यटक प्रकृति की खूबसूरती का आनंद ले सकते हैं। मुन्नार को ईश्वर का देश भी कहा जाता हैं। खूबसूरती ऐसी कि जैसे यह धरती के स्वर्ग की तरह लगता है। समुद्रतल से 1,700 मीटर ऊपर मुन्नार का दक्षिणी-पश्चिमी मैदानी इलाका ऐसा लगता हैं, जैसे मैदानों पर तरंगें तैर रही हैं। मुन्नार को चाय के बागानों का शहर भी कहा जाता हैं। यहां चाय के कई बगीचे भी देखने को मिल जाएंगे।

मुन्नार का रोमांचक इतिहास

यहां का इतिहास काफी रोमांचक है। यहां कभी ब्रिटिश शासकों का राज हुआ करता था। स्काटिश पहले ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने भारत के मानचित्र में मुन्नार को ढूंढ़ा। ब्रिटिश मुन्नार को चाय की खेती के लिए इस्तेमाल करते थे और शहर की गर्मी से बचने के लिए यहां आते थे। इतिहास में मुन्नार में लोगों का बसना और इस क्षेत्र में सिविलाइजेशन से जुड़े कई तथ्य पाए गए हैं। सबूत यही बताते हैं कि यहां जीवन दसवीं शताब्दी से शुरू हुआ था। 19वीं शताब्दी आते-आते यहां छोटे-छोटे गांव बनने शुरू हो गए। 1895 के बाद मुन्नार में विकाय कार्य भी होने लगा।

यहां का खूबसूरत वातावरण और दोस्ताना व्यवहार करने वाले निवासी बाहर से आने वालों का दिल जीत लेते हैं।

देखने लायक जगह

अगर आप रोमांचक खेल के शौकीन हैं तो मुन्नार में आपके लिए बहुत कुछ है। जैसे ट्रैकिंग, पारा ग्लाइडिंग, रोप क्लाइबिंग और हाइकिंग। मुन्नार में देखने लायक जगह हैं राजमाला, चितीरापुरम और इकोपाइंट। मुन्नार में पर्यटकों के लिए आकर्षण है- मट्टुपेटी बांध। मुन्नार की असली सुंदरता पोतैमेदु में है, जो एक महत्वपूर्ण बागान है। मन को सम्मोहित करने वाली झीलें और घने जंगल यहां की खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं।

मुन्नार पहाड़ों से तीन तरफ यानी मुद्रापजा, नल्लतनी और कंडाला से घिरा है। किसी समय मुन्नार ब्रिटिश सरकार का दक्षिणी भारत का गर्मियों का रिजार्ट हुआ करता था। मुन्नार की खूबसूरती शब्दों में बयां

जब जाएं जाएं

मुन्नार आप साल में कभी भी जा सकते हैं। सही समय है सितंबर से मई के बीच में। जून से लेकर सितंबर तक यहां मानसून रहता है। सर्दी में मुन्नार के लिए आपको भारी भरकम ऊनी कपड़े ले जाने पड़ेंगे ताकि आप वहां की सर्दी से बच सकें।

कैसे जाएं

मुन्नार के लिए आप हवाई मार्ग, रेल मार्ग या सड़क मार्ग तीनों का इस्तेमाल कर सकते हैं। मुन्नार के लिए सबसे नजदीक हवाई अड्डा कोच्चि और मदुरै है, जो 142 किलोमीटर की दूरी पर हैं। नजदीकी रेलवे स्टेशन कोच्चो और कोट्टायम हैं, जहां से मुन्नार के लिए ट्रेन जाती रहती है। मुन्नार जाने के लिए सड़क से पहुंच सकते हैं। लोकल बस और कैब आपको आसानी से शहर में मिल जाएंगे।

अगर आप मुन्नार में थोड़ा और घूमना चाहते हैं, तो आसपास कुछ जगह जैसे मैरायूर, नदूकनी और मीनली भी जा सकते हैं। मुन्नार की खूबसूरती का असली मजा वहां के फ्लोरा और फायना में है जो मुन्नार शहर की खूबसूरती को और भी देखने लायक और आकर्षक बनाते हैं।

सैलानियों को बुलाती हैं कुल्लू मनाली की घाटियां

मनाली का नाम मानवलय के नाम पर पड़ा है, जो मनु का निवास स्थान था। एक किवदंती के अनुसार मनु एकमात्र प्राणी था जो महा प्रलय (भयंकर बाढ़) से बच गया था। पर उस बाढ़ के बाद भी मनाली की खूबसूरती आज भी वैसी ही हैं।

एक तरफहिमालय की सुंदर पहाड़ियां, दूसरी तरफशहर के बीच बहती नदी, हरी भरी घाटियां, घुमावदार मैदान और यहां का पारंपरिक संगीत। यह सब सैलानियों को अपनी तरफआकर्षित करने में अहम भूमिका निभाते हैं।

यहां की संस्कृति के रंग कुल्लू, मनाली के मंदिरों, अनूठे गांवों, वहां के लोगों के पहनावे, त्योहार का माहौल और शिल्पकला, ये सब कुल्लू मनाली के खास आकर्षण हैं। इन सब का मजा लेने के लिए लोग दूर दूर से आते हैं। कुल्लू की ट्रेकिंग और बर्फ पर स्कीइंग करने का मजा ही कुछ और है। यहां की घाटियों के अद्भुत सौंदर्य को देखते हुए इसे 'देवताओं की घाटी' का भी नाम दिया गया है। मनाली में जीप सफारी और रिवर राफ्टिंग का मजा भी लिया जा सकता है। बहुत सारी एडवेंचर कंपनियां यहां पर रिवर राफ्टिंग का आयोजन करती हैं। मनाली से चलें तो हमें मिलती है सोलंग घाटी, जहां गर्मियों में पैराग्लाइडिंग के मजे लिए जा सकते हैं।

बसंत ऋतु में लगने वाला यहां का दशहरा मेला पूरे भारत में मशहूर है। एक महीने तक चलने वाला यह दशहरा कुल्लू की संस्कृति की झांकी है। भगवान रघुनाथ, हिडिंबा देवी जैसी कई देवताओं की पूजा इन दिनों होती हैं। लोग नाचते, गाते और भगवान की पूजा अर्चना करते हैं। दशहरा के नौवें दिन यहां देवता दरबार लगाया जाता है और दसवें दिन रावण के पुतले का दहन होता है और यह उत्सव हमेशा के लिए मन में अमिट छाप छोड़ देता है।

मनाली के पास ही है रानी नाला, जहां पूरे साल आप बर्फ का मजा ले सकते हैं। छह किलोमीटर की दूरी पर शिकारे के रूप में शिव मंदिर बना है। भीम की पत्नी हिडिंबा की याद में यहां मंदिर बनाया गया हैं जहां मई में मेला लगता है।

चंडीगढ़ और शिमला तक ट्रेन की सुविधा होने से लोग मनाली आसानी से पहुंच जाते हैं। कुल्लू से दस किलोमीटर दूर भूंटार में हवाई अड्डा है। आप चाहें तो दिल्ली या चंडीगढ़ से लग्जरी बस से भी कुल्लू मनाली आ सकते हैं।

कब जाएंगे : कुल्लू मनाली जाने का सबसे बढ़िया समय है अप्रैल से सितंबर। इस दौरान आप हल्के ऊनी कपड़ों से काम चला सकते हैं। पर अक्टूबर से मार्च में भारी भरकम कपड़ों की जरूरत पड़ती है क्योंकि वहां ठंड बढ़ जाती है।

पीएम मोदी आज करेंगे आधुनिक विधानसभा भवन का लोकार्पण

रायपुर,31 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के इतिहास में आज का दिन एक नया अध्याय जोड़ने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राज्य की जनता को विधानसभा का नया भवन समर्पित करेंगे। वर्ष 2000 में राज्य गठन के बाद रायपुर के राजकुमार कॉलेज से शुरू हुई छत्तीसगढ़ विधानसभा को 25 वर्षों के बाद रजत जयंती वर्ष में अपना भव्य, आधुनिक और पूर्ण सुविधायुक्त स्थायी भवन मिलने जा रहा है।

यह भवन केवल एक खूबसूरत इमारत ही नहीं,बल्कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और आस्था का प्रतीक भी है। 'धान का कटोरा' कहलाने वाले छत्तीसगढ़ की पहचान को इस भवन की वास्तुकला में बखूबी पिरोया गया है। विधानसभा के सदन की सीलिंग पर धान की बालियों और पत्तियों को उकेरा गया है,जो प्रदेश की कृषि-प्रधान संस्कृति का प्रतीक है। भवन के ज्यादातर दरवाजे और फर्नीचर बस्तर के पारंपरिक काष्ठ शिल्पियों द्वारा बनाए गए हैं। इस तरह नया विधानसभा भवन आधुनिकता और परंपरा का एक जीवंत संगम बन गया है।

324 करोड़ की लागत से बना 51 एकड़ में फैला परिसर : कुल 51 एकड़ में फैले इस परिसर का निर्माण 324 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। भवन को तीन मुख्य हिस्सों–विंग-ए, विंग-बी और विंग-सी–में विभाजित किया गया है। विंग-ए में विधानसभा का सचिवालय, विंग-बी में सदन, सेंट्रल हॉल, मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय, तथा विंग-सी में मंत्रियों के कार्यालय स्थित हैं। यह भवन पूरी तरह पर्यावरण अनुकूल और हरित निर्माण तकनीक से बनाया गया है। परिसर में सोलर प्लांट की स्थापना के साथ वर्षा जल संचयन हेतु दो सरोवर भी बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा,भवन में पर्यावरण-संरक्षण के सभी मानकों का पालन किया गया है।

500 सीटर ऑडिटोरियम और 100 सीटर सेंट्रल हॉल : विधानसभा भवन में 500 दर्शक क्षमता वाला अत्याधुनिक ऑडिटोरियम और 100 सीटर सेंट्रल हॉल बनाया गया है। भवन की वास्तुकला आधुनिकता और पारंपरिक शैलियों का उत्कृष्ट मेल है।

तीन करोड़ जनता की आकांक्षाओं का प्रतीक : छत्तीसगढ़ की संस्कृति और शिल्प से सजे-संवरे इस नए विधानसभा भवन में राज्य के तीन करोड़ नागरिकों की उम्मीदें, आकांक्षाएं और आत्मगौरव साकार होता दिखेगा। यह भवन न केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था का, बल्कि छत्तीसगढ़ की पहचान, प्रगति और परंपरा का प्रतीक भी बनेगा।

भविष्य की जरूरतों के अनुरूप अत्याधुनिक भवन

नए विधानसभा भवन को वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। यह पूरी तरह सर्वसुविधायुक्त और सुसज्जित भवन है, जिसके सदन को 200 सदस्यों तक के बैठने के लिए विस्तारित किया जा सकता है। पेपरलेस विधानसभा संचालन के लिए आवश्यक तकनीकी सुविधाओं का समावेश भी किया गया है, जिससे यह भवन 'स्मार्ट विधानसभा' के रूप में विकसित होगा।

विविधता में एकता ही भारत की असली ताकत : सीएम साय

रायपुर,31 अक्टूबर 2025। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आज राजधानी रायपुर के देवेंद्र नगर स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि वे राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने वाले ऐसे युगपुरुष थे जिन्होंने अपने अदम्य साहस और दृढ़ निष्ठा से देश की रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत की नींव रखी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने स्कूली बच्चों,जनप्रतिनिधियों और आमजनों के साथ राजधानी रायपुर के शास्त्री चौक से शारदा चौक तक आयोजित 'एकता दौड़' में शामिल होकर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का संदेश दिया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरदार पटेल को उनकी दूरदृष्टि और अद्भुत नेतृत्व क्षमता के कारण ही 'भारत का लौह पुरुष' कहा जाता है। राष्ट्र को एकजुट करने के उनके प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर आज पूरे देश में 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया जा रहा है, जो राष्ट्रीय एकता और अखंडता का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारत विविधताओं से परिपूर्ण देश है, और विविधता में एकता की भावना हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल सभी प्रतिभागियों के उत्साह और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि उनका यह जोश सरदार पटेल के प्रति श्रद्धा और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने सभी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा दिए गए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को साकार करने का प्रण लेने का आह्वान किया और सभी को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम,वन मंत्री केदार कश्यप, विधायक किरण देव, विधायक पुरंदर मिश्रा तथा छत्तीसगढ़ लौह शिल्पकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रफुल्ल विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

आरएसएस पर प्रतिबंध की बात पर बृजमोहन अग्रवाल का पलटवार

रायपुर,31 अक्टूबर 2025। लोकसभा सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाले बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि आरएसएस ऐसा संगठन है जो देश की आज़ादी से पहले से समाजसेवा और राष्ट्रनिर्माण के कार्यों में जुटा है। इस पर प्रतिबंध लगाने की बात करना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि देश की संस्कृति,राष्ट्रभक्ति और जनसेवा की भावना का अपमान है। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस का यह रवैया बताता है कि वह आज भी भारतीय संस्कृति और राष्ट्रवादी विचारधारा से डरती है। जब-जब कांग्रेस ने संघ को रोकने की कोशिश की, तब-तब जनता ने उसे जवाब दिया। आरएसएस वह शक्ति है जो राष्ट्र की आत्मा में बसती है। देश की आज़ादी से पहले से यह संगठन भारत माता की सेवा में समर्पित रहा है और आज भी सेवा, शिक्षा, संस्कार और स्वाभिमान के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि आज बिहार ही नहीं, पूरे देश में जनता एनडीए सरकार के साथ मजबूती से खड़ी है। यह वही जनता है जो संघ के आदर्शों को समझती है और उसके देशहित में किए गए कार्यों का सम्मान करती है।

रिजेंट की कमी के चलते सरकारी अस्पतालों में खून की जांच हो रही प्रभावित,हाई कोर्ट ने सीजीएमएससी से शपथ-पत्र के साथ मांगा जवाब

बिलासपुर,31 अक्टूबर 2025। प्रदेश के कई जिलों के सरकारी अस्पतालों में रीजेंट की कमी के मामले में हाई कोर्ट ने सीजीएमएससी को दोबारा शपथ पत्र के साथ जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। इसमें बताना होगा कि रिजेंट की कमी किस तरह से दूर की जा रही है। इसके साथ ही पिछली बार सीजीएमएससी ने इसके लिए टेंडर करने की बात कही थी,उसमें क्या हुआ,इसकी जानकारी भी देनी होगी। राज्य शासन ने बताया है कि मार्केट से रिएजेंट की खरीदी की जा रही है। बता दें कि सरकारी अस्पतालों, विशेष रूप से जिला अस्पताल, बिलासपुर में रिजेंट की कमी पर सुनवाई चल रही है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच में सुनवाई हुई। इस दौरान सीजीएमएससी की ओर से अधिवक्ता ने बताया कि अब सीधे खुले बाजार से ही खरीदी हो रही है। रिएजेंट की कमी के कारण कई सरकारी अस्पतालों के लैब में खून की जांच बंद होने से गरीब मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें मजबूरन निजी पैथालॉजी सेंटरों में जाकर जांच करवानी पड़ रही है, जो उनके लिए आर्थिक रूप से परेशानी भरा है।

प्रदेश के पांचों संभागीय मुख्यालयों में लगेगी सरदार पटेल की भव्य प्रतिमा,2.50 करोड़ की राशि स्वीकृत

रायपुर,31 अक्टूबर 2025। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर प्रदेश सरकार ने ऐतिहासिक निर्णय लिया है। राज्य के सभी पांच संभागीय मुख्यालयों रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, जगदलपुर और अंबिकापुर में सरदार पटेल की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इस निर्णय की घोषणा उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में की। घोषणा के तुरंत बाद नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने पांचों नगर निगमों को 50-50 लाख रुपये की राशि स्वीकृत कर दी है।

नए विधानसभा भवन के उद्घाटन के पहले सियासत शुरू,अमित जोगी ने निमंत्रण पत्र में मिनी माता का नाम नहीं होने पर जताया विरोध

रायपुर, 31 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के नई विधानसभा भवन के उद्घाटन से पहले ही इसके नाम को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के नेता अमित जोगी ने उद्घाटन कार्यक्रम के निमंत्रण पत्र को जलाकर अपना विरोध जताया है। उनका आरोप है कि, कार्यक्रम के निमंत्रण पत्र में 'मिनी माता' का नाम ही नहीं है। जोगी ने इसे नारी सशक्तिकरण, दलित सम्मान और छत्तीसगढ़ी अस्मिता पर प्रहार बताया। उन्होंने कार्यक्रम के बहिष्कार की चेतावनी भी दी।

अजीत जोगी ने भवन को दिया था मिनीमाता का नाम : रायपुर के सिविल लाइन स्थित आवास में अमित जोगी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस रखी थी। उन्होंने भावुक अंदाज में कहा कि राज्य के पहले मुख्यमंत्री अजीत जोगी ने पुराने विधानसभा भवन को राज्य की पहली महिला सांसद मिनी माता के नाम पर समर्पित किया था। यह सिर्फ एक नाम नहीं था, बल्कि यह छत्तीसगढ़ की बेटी, दलित समाज और नारी सशक्तिकरण का प्रतीक था।

कहीं सुनियोजित साजिश तो नहीं : अमित जोगी ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह पर निशाना साधते हुए कहा कि, निमंत्रण पत्र में मिनी माता का नाम नहीं होना एक सुनियोजित षड्यंत्र या गंभीर भूल है। क्या प्रधानमंत्री इस भवन का नाम किसी और के नाम पर रखना चाहते हैं? लेकिन हम साफ कह रहे हैं यह भवन छत्तीसगढ़ की बेटी मिनी माता का ही रहेगा। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से मांग की कि एक नया निमंत्रण जारी किया जाए, जिसमें स्पष्ट रूप से लिखा हो मिनी माता विधानसभा भवन, नया रायपुर।

जोगी ने विधायकों से की ये अपील

अमित जोगी ने कहा है कि अगर 'मिनी माता' का नाम फिर से नहीं जोड़ा गया तो वे राज्य के सभी विधायकों और पूर्व विधायकों से प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का बहिष्कार करने की अपील करेंगे। उन्होंने कहा, यह केवल एक राजनीतिक मामला नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की अस्मिता और स्वाभिमान की लड़ाई है।

निमंत्रण-पत्र जलाकर जताया विरोध

प्रेस वार्ता के अंत में अमित जोगी ने प्रतीकात्मक विरोध जताते हुए नए विधानसभा उद्घाटन के निमंत्रण पत्र को आग के हवाले किया और कहा कि,जब तक इस राज्य की मिट्टी में 'मिनी माता' का नाम गूंजता रहेगा, तब तक हम किसी भी ताकत को हमारी अस्मिता मिटाने नहीं देंगे। गौरतलब है कि 1 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के अवसर पर नए विधानसभा भवन का उद्घाटन करने वाले हैं, ठीक उसी समय 'मिनी माता' के नाम को लेकर नया विवाद शुरू हो गया है। देखना है कि विपक्ष की कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे को किस रूप में लेती है। मिनी माता छत्तीसगढ़ की पहली महिला सांसद और समाजसेविका रही हैं, जिन्हें प्रदेश में बड़े ही सम्मान की नजर से देखा जाता है।

मस्तूरी फायरिंग : डिफेंस कंपनी के मजदूरों को फंसाने के लिए छत पर फेंकी गई पिस्टल

बिलासपुर,31 अक्टूबर 2025। मस्तूरी गोलीकांड की गूंज के बीच सिरगिट्टी थाना क्षेत्र में एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली और अपराधियों के गठजोड़ पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामला वार्ड नंबर 10 का है, जहां प्रगति डिफेंस कंपनी में काम करने वाले तीन मजदूरों को फंसाने के लिए उनके किराए के मकान की छत पर किसी ने पिस्टल फेंक दी। कुछ ही मिनटों बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई और बिना प्राथमिक जांच किए तीनों मजदूरों को थाने ले जाकर रातभर पूछताछ में बिठाए रखा। बाद में मकान मालिक और आरोपियों के बयान के बाद ही मजदूरों को छोड़ा गया।

कैसे रची गई साजिश : जानकारी के अनुसार, सिरगिट्टी थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 10 में स्थित शिवकुमार गुप्ता के मकान में तीन युवक नितिन वर्मा, सचिन शर्मा और इंद्रजीत सिंह, जो कि कानपुर निवासी हैं, किराए पर रहते हैं। तीनों प्रगति डिफेंस प्राइवेट लिमिटेड में कार्यरत हैं। 28 अक्टूबर की रात करीब 12 बजे जब वे काम से लौटे, तो घर के पास मैदान में स्कूटी सवार दो शराबी युवकों अजय और हिस्ट्रीशीटर नारायण अवस्थी से उनकी कहासुनी हो गई। बताया गया कि नशे में धुत दोनों ने मजदूरों से मारपीट की और धमकी दी। तुम लोगों को चरस में फंसा देंगे। मजदूरों ने इस धमकी को गंभीरता से नहीं लिया और घर लौट आए।

कुछ ही देर में छत पर मिली पिस्टल : करीब आधे घंटे बाद मकान की छत पर कुछ गिरने की तेज आवाज आई। घर की मालकिन जब देखने गईं, तो वहां एक पिस्टलनुमा हथियार पड़ा था। घबराए मजदूर तुरंत 112 डायल करने की तैयारी में थे,तभी अचानक वही दोनों युवक अजय और नारायण अवस्थी दो पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने बिना कोई सवाल-जवाब किए तीनों मजदूरों को हिरासत में लेकर थाने ले गई।

थाने में रातभर पूछताछ, गंभीर आरोप : पीड़ित मजदूरों के अनुसार, सिरगिट्टी थाना में उन्हें रातभर पूछताछ में बैठाकर रखा गया। आरोप है कि इस दौरान उनके मोबाइल जब्त कर लिए गए और उन्हें बिना कपड़ों के बैठाए रखा गया। मजदूरों ने दावा किया कि अगर कंपनी के मालिक समय पर न पहुंचते,तो पुलिस उन्हें फर्जी केस में जेल भेज देती। सुबह जब प्रगति डिफेंस कंपनी के मालिक नमन अग्रवाल थाने पहुंचे, तब मामले में नया मोड़ आया। मकान मालिक शिवकुमार गुप्ता और आरोपी अजय के सामने ही बयान दर्ज किए गए।

दीपक बैज का बीजेपी पर हमला,कहा...गुरु घासीदास पर टिप्पणी करने वाला मंत्री का है करीबी

रायपुर,31 अक्टूबर 2025। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने रायगढ़ में गुरु घासीदास बाबा पर की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर बीजेपी पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर जो व्यक्ति सतनामी समाज और उनके धर्मगुरु पर अपमानजनक टिप्पणी कर रहा है, वह वित्त मंत्री ओपी चौधरी का करीबी है और

बीजेपी नेताओं के साथ सार्वजनिक मंचों पर नजर आता रहा है। बैज ने कहा गुरु घासीदास बाबा पर इस तरह की भाषा का प्रयोग क्षमा योग्य नहीं है। बीजेपी को पूरे समाज से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवा गमछा पहनने वाले कुछ लोग जिस तरह धार्मिक भावनाओं का अपमान कर रहे हैं, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य है। बैज ने राज्योत्सव आयोजन को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, सरकार करोड़ों रुपए खर्च कर रही है।

गुलशन देवैया की शुरुआती तीन फिल्में नॉमिनेट हुई

अवॉर्ड न मिलने पर छलका दर्द,शाहरुख खान की पार्टी में झिझके, 'कांतारा' से भरी नई उड़ान

गुलशन देवैया का बेंगलुरु से मुंबई तक का सफर आसान नहीं था,लेकिन उन्होंने अपने सपनों को कभी छोड़ा नहीं। फैशन इंडस्ट्री से थिएटर और फिर सिनेमा तक पहुंचे गुलशन की मेहनत,ईमानदारी और संवेदनशीलता ने उन्हें खास बनाया। उनकी तीन फिल्मों को नॉमिनेशन मिला, पर अवॉर्ड हाथ नहीं आया,जिसने उन्हें सिखाया कि फिल्मों में सफलता सिर्फ पुरस्कार नहीं बल्कि आत्मविश्वास और सच्चाई होती है। अनुराग कश्यप जैसे दिग्गजों का भरोसा और उनके अनुभवों में मिलने वाली चुनौतियां गुलशन की प्रतिभा को परखने का जरिया रहीं। साथ ही,शाहरुख खान की पार्टी में व्यक्तिगत छोटे-छोटे जेस्चर ने उनका दिल जीता। गुलशन का मानना है कि असली सफलता नाम और पैसा नहीं,बल्कि मन की शांति और ईमानदारी से जीवन जीना है। बहरहाल,गुलशन इन दिनों कांतारा चैप्टर वन की सक्सेस को एन्जॉय कर रहे हैं।

फैशन डिजाइनर से निखरे थिएटर के मंच पर पहुंचे गुलशन

28 मई 1978 को बेंगलुरु में जन्मे गुलशन देवैया के पिता देवैया भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में कार्यरत थे। उनकी मां पुष्पलता जॉब के साथ-साथ थिएटर भी करती थीं। गुलशन ने अपनी प्राथमिक शिक्षा बेंगलुरु के क्लूनी कॉन्वेंट और सेंट जोसेफ इंडियन हाई स्कूल से पूरी की और बाद में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजीसे ग्रेजुएशन किया। गुलशन देवैया ने फैशन इंडस्ट्री में दस साल तक काम किया। लेकिन उनका असली झुकाव थिएटर और एक्टिंग की ओर था। बेंगलुरु में अंग्रेजी थिएटर में छोटे-छोटे रोल करके उन्होंने अभिनय में अपनी रुचि विकसित की। 30 वर्ष की उम्र में मुंबई आए। मुंबई आने के बाद थिएटर में उन्होंने अभिनय की बारीकियां सीखीं। किताबों, अनुभवों और लगातार कोशिशों ने उन्हें बिना किसी एक्टिंग स्कूल में गए तैयार किया। मुंबई आकर उन्होंने अनुराग कश्यप की फिल्म दैट गर्ल इन यलो बूट (2010) से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की।

वर्सोवा की गलियों में मिली पहली फिल्म

अनुराग कश्यप की फिल्म का जिक्र करते हुए गुलशन कहते हैं- इस फिल्म की कहानी अनुराग कश्यप और कल्कि ने मिलकर लिखी। कल्कि को मैं पहले से जानता था। एक दिन उनका फोन आया तो उस वक्त मैं एक ऑडिशन देने के बाद वर्सोवा की गलियों मे घूम रहा था। मन खट्टा था क्योंकि मेरा ऑडिशन खराब गया था। बिना कुछ ज्यादा पूछे मैं चला गया। वहां अनुराग कश्यप मिले, उन्होंने एक दृश्य समझाया और कहा कि जब ऑडिशन के लिए तैयार हो तो बता देना। तीन-चार दिन बाद मैंने ऑडिशन दिया। अनुराग को पसंद आया और मुझे फिल्म के लिए फाइनल कर लिया गया।

संघर्ष से संवेदना तक-सच्चाई और आत्मविश्वास की जर्नी

मुंबई की चमकदार दुनिया में सच्चे बने रहना मुश्किल है, पर गुलशन देवैया ने यह साबित किया कि जब इंसान अपनी जड़ों और सोच के प्रति ईमानदार रहता है, तब उसकी पहचान देर-सबेर जरूर होती है। फैशन की दुनिया से सिनेमा के परदे तक, गुलशन का सफर आत्मविश्वास, संवेदना और वास्तविकता की खोज का रहा है।

शुरुआत और सोच की स्पष्टता

बेंगलुरु से मुंबई आने पर गुलशन के भीतर एक बात बिल्कुल साफ थी कि उन्हें बनावटीपन से दूर रहना है। उन्होंने तय किया कि इंडस्ट्री की गॉसिप और 'राय' उनके मन पर असर नहीं डालेगी। उनके लिए करियर का मतलब स्टेटस नहीं, बल्कि आजादी है- अपना रास्ता खुद चुनने की स्वतंत्रता।

तीन फिल्में नॉमिनेशन में थीं पर अवॉर्ड नहीं मिला...

'दैट गर्ल इन यलो बूट्स' के बाद गुलशन ने 'शैतान' और 'दम मारो दम' जैसी फिल्में कीं। तीनों फिल्मों को बेस्ट डेब्यू के लिए नॉमिनेट किया गया था। गुलशन कहते हैं- डेब्यू के वक्त लगा था कि बेस्ट डेब्यू अवॉर्ड मुझे ही मिलेगा, लेकिन नहीं मिला। मेरे डेब्यू साल में तीन फिल्में रिलीज हुईं- दैट गर्ल इन यलो बूट्स, शैतान और दम मारो दम। तीनों के रिव्यू अच्छे थे, हर किरदार अलग था, फिर भी अवॉर्ड नहीं मिला। तब समझ आया कि यहां अवॉर्ड्स सब्जेक्टिव होते हैं। उस समय कई लोगों का नामांकन ऐलान ही नहीं हुआ था। माहौल थोड़ा चैरिटी इवेंट टाइप का हो गया था,माधुरी दीक्षित वहीं स्टेज पर थीं। शायद टाइम खत्म हो गया था, इसलिए सपोर्टिंग एक्टर और डेब्यू जैसी कैटेगरीज का ऐलान नहीं हो पाया। मुझे पता ही नहीं था कि मेरा नाम नॉमिनेशन में है। शाहरुख ने जब स्टेज पर सभी नॉमिनीज को बुलाया, तो विद्युत जामवाल चला गया क्योंकि उसे पहले से बताया गया था। मुझे किसी ने नहीं बताया, इसलिए मैं नहीं गया। बाद में लोगों ने पूछा तो पता चला कि मेरा भी नाम था। थोड़ा दुख हुआ, लेकिन किसी ने जानबूझकर नहीं किया। अब मैं ऐसी बातों को गंभीरता से नहीं लेता। फिल्म 'फोर्स' के लिए मैंने भी ऑडिशन दिया था, पर वह रोल विद्युत के लिए सही था। मेरी तीन फिल्में नॉमिनेशन में थीं, लगा था जीतूंगा, लेकिन कोई बात नहीं।

पार्टीज-इवेंट्स नेटवर्किंग के लिए फायदेमंद होते हैं...

गुलशन पार्टीज को नेटवर्किंग के लिए अच्छा मानते हैं। वह कहते हैं-कई बार लोग आपको जानते नहीं, तो पार्टी या किसी इवेंट में मिलने से पहचान बनती है। जैसे मैं राकेश ओमप्रकाश मेहरा से एक पूजा में मिला था। मैंने उन्हें अपना परिचय देते हुए कहा-सर,मैं गुलशन देवैया हूं,अच्छा एक्टर हूं, मेरे बारे में गूगल कर लीजिए। वो मुस्कुराए,लेकिन उसके बाद कुछ काम तो नहीं आया, पर मैंने उन पर एक अच्छा इम्प्रेशन जरूर छोड़ा। मुझे लगा- कम से कम मैंने ईमानदारी से खुद को पेश किया। इसलिए मैं कहता हूं, पार्टीज या ऐसे इवेंट्स नेटवर्किंग के लिए फायदेमंद होते हैं।

शाहरुख खान की पार्टी में बहुत अनकंफर्टेबल फील किया

अवॉर्ड के बाद शाहरुख खान ने अपने घर पर पार्टी रखी थी। बहुत अनकंफर्टेबल फील कर रहा था। इतने बड़े लोग थे- शाहरुख, गौरी, करण जौहर, फरहान अख्तर...मुझे लगा मैं वहां फिट नहीं हूं। पर सब बहुत अच्छे थे। शाहरुख और गौरी ने बहुत ग्रेसफुल तरीके से ट्रीट किया।

दैट गर्ल इन यलो बूट्स ने बदली जिंदगी

अनुराग कश्यप की फिल्म 'दैट गर्ल इन यलो बूट्स' गुलशन के लिए निर्णायक मोड़ थी। कठिन सीन, लगातार टेक्स्ट और इम्प्रोवाइजेशन की आजादी ने उन्हें एक सीरियस एक्टर के रूप में स्थापित किया। इस फिल्म का जिक्र करते हुए गुलशन कहते हैं- फिल्म का पहला दिन मेरे लिए यादगार रहा। उस रात मैं सो नहीं सका क्योंकि अगले दिन का सीन बार-बार दिमाग में चल रहा था। सीन में मुझे एक किरदार को पकड़कर पीटना था- लेकिन सब कुछ इम्प्रोवाइज था, कोई डायलॉग नहीं लिखा गया था।

अनुराग कश्यप का भरोसा ही असली ताकत था

अनुराग कश्यप ने मुझे पूरी जिम्मेदारी दी। उन्होंने कहा नहीं, लेकिन महसूस कराया कि उन्हें मुझ पर भरोसा है। सेट पर सब कुछ सहज था, किसी ने यह नहीं जताया कि मैं नया हूं। शूट के बाद लगा कि कुछ अच्छा किया है। जो भरोसा अनुराग ने किया, मैं उस पर खरा उतरा। पहले वसंत बाला को लगा था कि यह रोल किसी उम्रदराज एक्टर को देना चाहिए, लेकिन अनुराग ने मुझ पर विश्वास किया।

रोहन सिप्पी के सेट पर परफेक्शन की मजबूरी,आजादी सीमित थी...

लेकिन हर डायरेक्टर का तरीका ऐसा नहीं होता। जैसे जब मैंने 'दैट गर्ल इन यलो बूट्स' के बाद रोहन सिप्पी के साथ फिल्म 'दम मारो दम' में काम किया, तो वहां सारा कुछ सेट था। किरदार और सीन पहले से लिखे हुए थे, उन्हीं के हिसाब से चलना था। हां, थोड़ा बहुत इम्प्रोवाइज करने की गुंजाइश थी, लेकिन एक तय दायरे में। रोहन सिप्पी हर टेक का टाइम देखते थे कि कितने सेकेंड में सीन खत्म होना चाहिए। अगर आप ज्यादा इधर-उधर जाएंगे, तो सीन उस टाइमिंग से बाहर निकल जाता।

संजय लीला भंसाली की अच्छाइयों से ज्यादा गुस्सा याद रहता है...

करियर की शुरुआत में अनुराग कश्यप, रोहन सिप्पी और संजय लीला भंसाली जैसे दिग्गज निर्देशकों के साथ काम कर चुके गुलशन, संजय लीला भंसाली की फिल्म 'गोलियों की रास लीला राम-लीला' में भंसाली के साथ अपने अनुभव को साझा करते हुए कहते हैं- भंसाली सर अपने काम को लेकर बहुत पैशनेट हैं, अपनी फिल्मों और काम को लेकर पूरी तरह जुड़ जाते हैं। जब दूसरों में वैसा जोश नहीं देखते, तो फ्रस्ट्रेट हो जाते हैं, लेकिन वो दिल के बहुत अच्छे हैं। सबको प्यार से खिलाते हैं, ध्यान रखते हैं। बस लोग उनकी अच्छाइयां नहीं, गुस्से की बातें ज्यादा याद रखते हैं।

'कांतारा चैप्टर वन' बना करियर का टर्निंग पॉइंट

ऋषभ शेट्टी के साथ 'कांतारा चैप्टर वन' गुलशन के करियर का मजबूत कदम साबित हुआ। 'राजा कुलशेखर' का किरदार बुद्धिमत्ता, अय्याशी,आलस्य-इन सबके विरोधाभासी शेड्स लिए हुए था। वे कहते हैं कि उन्होंने इसे किसी खास व्यक्ति से प्रेरित होकर नहीं किया, बल्कि कल्पना और जीवन-अनुभवों के मिश्रण से गढ़ा।

पार्वती, डॉन और दिलीश बडे परदे पर एक साथ आएंगे नजर

साउथ सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री पार्वती थिरुवोथु अब मलयालम सिनेमा के चर्चित निर्देशक डॉन पलथारा की अगली फिल्म की हीरोइन बनने जा रही हैं। यह पहली बार है जब पार्वती, डॉन पलथारा और दिलीश पोथन एक साथ किसी प्रोजेक्ट में काम कर रहे हैं। तीनों के सहयोग को मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में एक ड्रीम कोलैबोरेशन माना जा रहा है, जो नई सिनेमाई बातचीत को जन्म दे सकता है। पार्वती ने इस खबर की पुष्टि इंस्टाग्राम पर स्क्रिप्ट की तस्वीर साझा करते हुए की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, डॉन पलथारा की बनाई दुनिया में कदम रख रही हूं, वह भी दिलीश पोथन के साथ। इंतजार नहीं हो रहा। उनके इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर फैंस और इंडस्ट्री से जुड़े लोगों ने उन्हें

बधाइयां दीं। डॉन पलथारा का सिनेमा अपनी शांत लेकिन गहरी कहानियों, रिश्तों की जटिलता और सूक्ष्म भावनाओं के लिए जाना जाता है। पार्वती की संवेदनशील और परतदार अदाकारी डॉन की सिनेमाई शैली से एकदम मेल खाती है। वहीं, दिलीश पोथन न केवल एक शानदार निर्देशक हैं, बल्कि एक बेहतरीन और सहज अभिनेता भी हैं, जिनकी उपस्थिति हर फ्रेम में गहराई जोड़ती है। फिल्म की कहानी अभी तक गोपनीय रखी गई है, लेकिन सूत्रों के अनुसार, यह एक इमोशन-ड्रिवन ड्रामा फिल्म होगी, जिसकी शूटिंग जल्द ही केरल में शुरू होने वाली है। पार्वती ने कहा, डॉन की फिल्में हमारी जिंदगी और हमारे प्यार करने के तरीकों को बिना जजमेंट और शोर के पेश करती हैं। उनके साथ काम करना हर एक्टर के लिए एक तरह की आजादी है। दिलीश के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए सीखने जैसा अनुभव होगा। यह अनाउंसमेंट ऐसे समय में आया है जब पार्वती थिरुवोथु ऋतिक रोशन की पहली ओटीटी फिल्म 'स्टॉर्म' में लीड रोल निभाने और निर्देशक बेजॉय नाम्बियार के साथ 13 साल बाद दोबारा काम करने को लेकर सुर्खियों में थीं।

मूवी रिव्यू : सिंगल सलमा

हमारे समाज में लड़की तीस की हो जाए, तो घर-परिवार क्या, गांव-जवार, मुहल्ले-रिश्तेदार हर किसी को उसकी शादी की चिंता सताने लगती है। फुसफुसाहट तेज हो जाती है कि इतनी बड़ी उम्र की लड़की से कौन करेगा शादी? इसी रिलेटेबल विषय पर केंद्रित है, हुमा कुरैशी स्टारर फिल्म सिंगल सलमा, जो लड़कियों के अस्तित्व से जुड़े कई और मुद्दों को पुरजोर तरीके से उठाती है।

सिंगल सलमा की कहानी : अमीना खान की लिखी यह कहानी है, लखनऊ के गुजरे जमाने के नवाब (कंवलजीत सिंह) की बेटी सलमा रिजवी (हुमा कुरैशी) की। नवाब साहब की नवाबी जाने कब की चली गई है, मगर उन्हें इसका अहसास नहीं है। लिहाजा घर की सारी जिम्मेदारी शहरी विकास विभाग में कार्यरत सलमा ने ओढ़ रखी है। फिर वो गिरवी पड़ी हवेली का ब्याज चुकाना हो या बहनों का घर बसाना या फिर भाई के क्रिकेटर बनने के सपनों को जिंदा रखना। इस चक्कर में उसके अपने सपने कहीं खो चुके हैं। यहां तक कि शादी की उम्र (समाज की तय की हुई) भी पार हो गई। 33 साल की सिंगल सलमा को गली के मवाली छेड़ने से

भी बाज नहीं आते। तभी एक दिन मां की जिद पर सलमा शादी करने को तैयार हो जाती है और करीब एक दर्जन नमूनों के बाद उसकी जिंदगी में आते हैं, सिकंदर (श्रेयस तलपड़े)। सूटिंग शर्टिंग की दुकान चलाने वाले सेल्फ मेड सिकंदर पहली नजर में ही सलमा की खूबसूरती पर फिदा हो जाते हैं। जबकि सलमा को सिकंदर की ईमानदारी भा जाती है। दोनों की शादी भी तय हो जाती है, लेकिन मंगनी के दिन ही सलमा को अपनी टीम के साथ ऑफिशियल ट्रेनिंग के लिए लंदन जाना पड़ता है। लंदन के उन दो महीनों में सलमा न केवल खुद को तलाशती है, बल्कि इस नई सलमा से उसे मिलवाने वाले मीत (सनी सिंह) के प्यार में भी पड़ जाती है। अब उसकी डोली लखनऊ वाले सिकंदर के घर जाती है या लंदन वाले मीत के यहां, यह आपको फिल्म देखकर ही पता चलेगा।

सिंगल सलमा मूवी रिव्यू : नचिकेत सामंत की यह फिल्म सिर्फ प्रेम त्रिकोण वाले ड्रामे तक सीमित नहीं है, बल्कि लड़कियों संग जन्म से लेकर जॉब तक, हर स्तर पर होने वाले भेदभाव, कपड़ों से लेकर करैक्टर तक पर होने वाले जजमेंट पर सवाल करती है। यह एक ओर जहां लड़कियों को लेकर समाज के तंग नजरिए को दिखाती है, वहीं दूसरी ओर उन्हें सेल्फ लव और सबसे पहले खुद को रखने की सीख भी देती है। हालांकि, एक साथ सबकुछ कहने की यह कोशिश फिल्म की कमजोरी भी है। बेटी को बेटे से कमतर मानने, कपड़ों से लड़कियों का करैक्टर जज करने, परिवार की खातिर शादी करने, लड़कियों को अपने मन से जीने की आजादी न होने जैसे कई मुद्दे उठाने के चक्कर में फिल्म बीच में खिंच गई है। रवि कुमार का स्क्रीनप्ले कसा हुआ नहीं लगता। नचिकेत सामंत निर्देशित यह फिल्म कहीं-कहीं ओवर ड्रमैटिक भी लगती है। खासकर क्लाइमैक्स की भाषणबाजी अखरती है। हालांकि, इन सब के बीच मुदस्सर अजीज के लिखे डायलॉग मजेदार हैं। उनके पंच सही बैठते हैं। इसके अलावा, एक्टर्स की एक्टिंग भी बढ़िया है। हुमा कुरैशी, दमदार सलमा के रूप में असरदार हैं। श्रेयस तलपड़े भी मासूम सिकंदर के रूप में दिल जीत लेते हैं। यहां तक कि फिल?म देखते हुए दर्शक उनके जीतने की दुआ करते हैं। सनी सिंह भी अपने किरदार में जमे हैं। इनके अलावा, सलमा की दोस्त बनी निधि सिंह, ऑफिस की सहयोगी मिसेज श्रीवास्तव के रोल में नवनी परिहार, राजीव के किरदार में आसिफ खान भी अपनी मौजूदगी से फिल्म को मजबूत बनाते हैं। फिल्म का म्यूजिक इसकी एक बड़ी कमजोरी है। फिल्म का एक भी गाना याद नहीं रहता, उल्टे कहानी की रफ्तार को कम करता है। कुल मिलाकर, हुमा कुरैशी की यह सिंगल सलमा कंगना रनौत की क्वीन जितनी दमदार बेशक नहीं बन है, मगर अपनी जर्नी से इंस्पायर जरूर करती है।

क्यों देखें- लड़कियों के प्रति समाज की सोच बदलती यह मनोरंजक फिल्म एक बार तो देखी जा सकती है।

खेल समाचार

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टी-20 में भारत को 4 विकेट से हराया

नई दिल्ली,31 अक्टूबर 2025। टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज का दूसरा मुकाबला 4 विकेट से हार गई है। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में शुक्रवार को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 126 रन का टारगेट 13.2 ओवर में 6 विकेट पर चेज कर लिया। टॉस हारकर बैटिंग कर रही भारतीय टीम 18.4 ओवर में 125 रन पर ऑलआउट हो गई। शुभमन गिल (5 रन), संजू सैमसन (2 रन), तिलक वर्मा (जीरो) और सूर्यकुमार यादव (एक रन) पावरप्ले के अंदर पवेलियन लौट गए।

भारत की पारी

भारत की ओर से अभिषेक शर्मा ने 37 गेंद में 68 रन की पारी खेली थी। वहीं, हर्षित राणा ने 35 रन बनाए थे। इसके अलावा कोई बल्लेबाज दहाई का आंकड़ नहीं छू सका। बाकी के नौ खिलाड़ियों में से चार खिलाड़ी तो खाता भी नहीं खोल सके। ऑस्ट्रेलिया की

ओर से जोश हेजलवुड ने तीन विकेट लिए। वहीं, जेवियर बार्टलेट और नाथन एलिस को दो-दो विकेट मिले। स्टोइनिस ने एक विकेट लिया।

ऑस्ट्रेलिया की पारी

126 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को कप्तान मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड ने तूफानी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 51 रन जोड़े। इस साझेदारी को वरुण चक्रवर्ती ने तोड़ा। उन्होंने हेड को आउट किया। हेड ने 15 गेंद में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 28 रन की पारी खेली। वहीं, मार्श अर्धशतक से चूक गए। वह 26 गेंद में दो चौके और चार छक्कों की मदद से 46 रन बनाकर आउट हुए। जोश इंग्लिस ने 20 रन बनाए। वहीं, टिम डेविड एक रन बना सके।

बुमराह हैट्रिक से चूके

इसके बाद बुमराह का जलवा देखने को मिला। ऑस्ट्रेलियाई पारी के 13वें ओवर में बुमराह हैट्रिक से चूक गए। उन्होंने ओवर की चौथी गेंद पर मिचेल ओवेन को विकेटकीपर सैमसन के हाथों कैच कराया। वह 14 रन बना सके। इसके बाद पांचवीं गेंद पर मैथ्यू शॉर्ट को बेहतरीन यॉर्कर पर क्लीन बोल्ड किया। शॉर्ट खाता नहीं खोल सके। हालांकि, स्टोइनिस ने नाबाद छह रन की पारी खेल ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई। भारत की ओर से बुमराह के अलावा वरुण और कुलदीप ने दो-दो विकेट लिए।

अभिषेक शर्मा ने जड़ा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला टी-20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक

नई दिल्ली,31 अक्टूबर 2025। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में शानदार अर्धशतकीय पारी (68) खेली। ये उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का छठा और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला अर्धशतक रहा। उनकी शानदार पारी के ही कारण भारतीय टीम अपनी पारी में 125 रन बनाने में सफल हो पाई। उन्हें छोड़ और कोई भी भारतीय बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया।

ऐसी रही अभिषेक कीपारी और साझेदारी : अभिषेक ने 37 गेंदों का सामना किया और 68 रन बनाए। उनके बल्ले से 8 चौके और 2 छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 183.78 की रही। इस खिलाड़ी ने सिर्फ 23 गेंदों का सामना करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने हर्षित राणा के साथ 47 गेंदों में 56 रन की साझेदारी निभाई। हर्षित ने मुकाबले में 33 गेंदों का सामना किया और 35 रन बनाए। उनके बल्ले से 3 चौके और 1 छक्का निकला।

अभिषेक ने ये उपलब्धि हासिल की : टी-20 में भारत के लिए शुरुआती 25 पारियों के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में अभिषेक शीर्ष पर हैं। उन्होंने 936 रन बनाए हैं। इस खिलाड़ी ने विराट कोहली (906 रन), केएल राहुल (899 रन) और सूर्यकुमार यादव (805 रन) को पीछे छोड़ा है। भारत

के लिए शुरुआती 25 पारियों के बाद सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने वाले बल्लेबाजों में अभिषेक और कोहली संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं, दोनों ने 8-8 बार यह कारनामा किया है। टी-20 अंतरराष्ट्रीय में एक कैलेंडर वर्ष में सलामी बल्लेबाज के तौर पर सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में अभिषेक ने नया कीर्तिमान रच दिया है। उन्होंने साल 2025 में 43 छक्के जड़े हैं जो अब तक किसी भी सलामी बल्लेबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उन्होंने मोहम्मद रिजवान (42 छक्के, 2021) का रिकॉर्ड तोड़ा है। इस सूची में अन्य बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल (41 छक्के, 2021), एविन लुईस (37 छक्के, 2021) और कॉलिन मुनरो (35 छक्के, 2018) हैं। अभिषेक ने अपना पहला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला साल 2024 में जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के खिलाफ खेला था।

CMYK

छत्तीसगढ़ की नई पहचान

नवीन विधानसभा भवन का

लोकार्पण

यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय

श्री नरेन्द्र मोदी जी

के कर कमलों से

होने पर समस्त छत्तीसगढ़वासियों को

हार्दिक शुभकामनाएं

शनिवार, 01 नवंबर 2025

नवीन विधानसभा परिसर, नया रायपुर

संवाद 45736/53

विनीत : छत्तीसगढ़ विधानसभा सचिवालय

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025
दैनिक घटती-घटना के 22 वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वां
स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...
दैनिक घटती घटना
भईया लाल राजवाड़े
विधायक बैकुन्ठपुर कोरिया

दैनिक घटती-घटना के 22 वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वां
स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...
दैनिक घटती घटना
गुलाब कमरो
पूर्व सरगुजा विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष
(राज्यमंत्री) विधायक भरतपुर सोनहत
जिला-कोरिया (छ.ग.)।

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री विष्णुदेव साय
मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़
रमन सिंह
पूर्व मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
दैनिक घटती-घटना के 22 वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वां
छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025
स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...
दैनिक घटती घटना
श्याम बिहारी जायसवाल
मनेन्द्रगढ़ विधायक एवं मंत्री प्रदेश के
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग (छत्तीसगढ़ शासन)

CMYK

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025
दैनिक घटती-घटना के 22 वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वां
स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...
शैलेष शिवहरे
पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष व भाजपा
जिला-उपाध्यक्ष बैकुण्ठपुर कोरिया (छ.ग.)
नविता शिवहरे
अध्यक्ष नगर पालिका
बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025
दैनिक घटती-घटना के 22 वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वां
स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...
गायत्री सिंह
अध्यक्ष-नगर पंचायत पटना
बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025
दैनिक घटती-घटना के 22 वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वां
स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...
अशोक जायसवाल
पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद्
बैकुण्ठपुर कोरिया

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025
दैनिक घटती-घटना के 22 वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वां
स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...
वेदांती तिवारी
पूर्व उपाध्यक्ष-जिला पंचायत कोरिया

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025
दैनिक घटती-घटना के 22 वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वां
स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...
मोहित राम पैकरा
अध्यक्ष-जिला पंचायत
कोरिया (छ.ग.)

दैनिक घटती-घटना के 22 वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वां
छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025
स्थापना दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं...
योगेश शुक्ला
सचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस
कमेटी

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025
दैनिक घटती-घटना के 22 वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वां
स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...
हरियादव
अध्यक्ष बैकुण्ठपुर
क्षेत्र (एचएमएस)
योगेन्द्र मिश्रा
महामंत्री बैकुण्ठपुर क्षेत्र
(एचएमएस)
अजय कुमार सिंह
अध्यक्ष कटकोना
सहक्षेत्र (एचएमएस)

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025
दैनिक घटती-घटना के 22 वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वां
स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...
विकास तिवारी
अम्बे पानी इंडस्ट्रीज अम्बिकापुर,सरगुजा

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025
दैनिक घटती-घटना के 22 वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वां
स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...
शोएब अख्तर
संचालक-स्टार बस सेवा व स्टार
इंडस्ट्री चिरमिरी
जिला-कोरिया (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025
दैनिक घटती-घटना के 22 वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वां
स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...
सफी अहमद
पूर्व अध्यक्ष
श्रम आयोग छ. ग.

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025
दैनिक घटती-घटना के 22 वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वां
स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...
भानुपाल
पार्षद नगर पालिका परिषद् बैकुण्ठपुर
व पूर्व भाजपा मण्डल अध्यक्ष बैकुण्ठपुर
जिला-कोरिया (छ.ग.)

दैनिक घटती-घटना के 22 वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वां
छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025
स्थापना दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं...
आशीष यादव (उर्फ
लल्ला यादव)
उपाध्यक्ष नगर पालिका
बैकुण्ठपुर जिला कोरिया

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025
दैनिक घटती घटना
दैनिक घटती-घटना के 22वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25वां
स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...
राकेश गुप्ता
पूर्व जिलाध्य,
जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025
दैनिक घटती घटना
दैनिक घटती-घटना के 22वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25वां
स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...
विश्व विजय सिंह तोमर
प्रदेश अध्यक्ष, राज्य आयोग,
छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025
दैनिक घटती घटना
दैनिक घटती-घटना के 22वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25वां
स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...
स्व.गजेन्द्र नारायण सिंह
श्रीमती मुखरानी देवी
जी.एन. सेवा समिति
अम्बिकापुर

घटती घटना
छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025
दैनिक घटती-घटना के 22वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25वां
स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...
अतुल सिंह
ए-5 कांट्रेक्टर
अम्बिकापुर,सरगुजा,छत्तीसगढ़

घटती घटना
छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025
दैनिक घटती-घटना के 22वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25वां
स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...
टी.एस. सिंह देव
पूर्व उप मुख्यमंत्री
आदित्यशरण सिंह देव
पूर्व अध्यक्ष-रेडक्रास सोसायटी,सरगुजा
अम्बिकापुर,सरगुजा,छ. ग.

दैनिक घटती घटना
दैनिक घटती-घटना के 22वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25वां
स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...
डॉ. अजय तिर्की
पूर्व महापौर, अम्बिकापुर,सरगुजा

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025
दैनिक घटती घटना
दैनिक घटती-घटना के 22वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25वां
स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...
डॉ. ए.के. दुबे
श्योर स्माईल डेंटल क्लीनिक
मिशन चौक,अम्बिकापुर,सरगुजा

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025
दैनिक घटती घटना
दैनिक घटती-घटना के 22वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25वां
स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...
विवेक दुबे
लाइफलाईन हॉस्पीटल
अम्बिकापुर,सरगुजा,
छ.ग.

घटती घटना
दैनिक घटती-घटना के 22वां
स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...
भारत सिंह सिसोदिया
जिलाध्यक्ष,
भाजपा सरगुजा

घटती घटना
छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025
दैनिक घटती-घटना के 22वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25वां
स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...
डॉ रितेश गुप्ता
गायत्री हॉस्पिटल
बनारस रोड अंबिकापुर सरगुजा

घटती घटना
छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025
दैनिक घटती-घटना के 22वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25वां
स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...
प्रयाग खरे
डायरेक्टर
प्रतीक खरे
एमडी मेडीसिन
लक्ष्मीनारायण हॉस्पिटल
गुदरी चौक, संगम गली

दैनिक घटती घटना
दैनिक घटती-घटना के 22वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25वां
स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...
सुनिल अग्रवाल
पूर्व अध्यक्ष
राईस मिल एसोशिएशन
सरगुजा,छ. ग.

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री विष्णुदेव साय
मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़
श्री अरूण साव
उपमुख्यमंत्री छत्तीसगढ़
श्री विजय शर्मा
उपमुख्यमंत्री छत्तीसगढ़
दैनिक घटती-घटना के 22 वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वां
स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...
लक्ष्मी राजवाड़े
महिला एवं बाल विकास मंत्री
छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री विष्णुदेव साय
मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़
श्री अरूण साव
उपमुख्यमंत्री छत्तीसगढ़
श्री विजय शर्मा
उपमुख्यमंत्री छत्तीसगढ़
दैनिक घटती-घटना के 22 वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वां
स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...
राजेश अग्रवाल
विधायक-अम्बिकापुर
सरगुजा, छ.ग.

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री विष्णुदेव साय
मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़
श्री अरूण साव
उपमुख्यमंत्री छत्तीसगढ़
श्री विजय शर्मा
उपमुख्यमंत्री छत्तीसगढ़
दैनिक घटती-घटना के 22 वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वां
स्थापना दिवस की हार्दिक
बधाई एवं शुभकामनाएं...
राम विचार नेताम
कृषि मंत्री
छत्तीसगढ़ शासन

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री अरूण साव
उपमुख्यमंत्री छत्तीसगढ़
श्री विजय शर्मा
उपमुख्यमंत्री छत्तीसगढ़
श्री विष्णुदेव साय
मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़
दैनिक घटती-घटना के 22 वां
व छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वां
स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...
छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025
चिंतामणी महराज
सांसद सरगुजा, छत्तीसगढ़ शासन